महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 268 | उज्जैन, बुधवार 11 मार्च 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

सुविचार

मित्र और जल एक समान होते है न कोई रंग, न कोई रूप पर फिर भी जीवन के अस्तित्व के लिए सबसे महत्वपूर्ण...

रानी दुर्गावती अभयारण्य बनेगा चीतों का तीसरा घर : मुख्यमंत्री

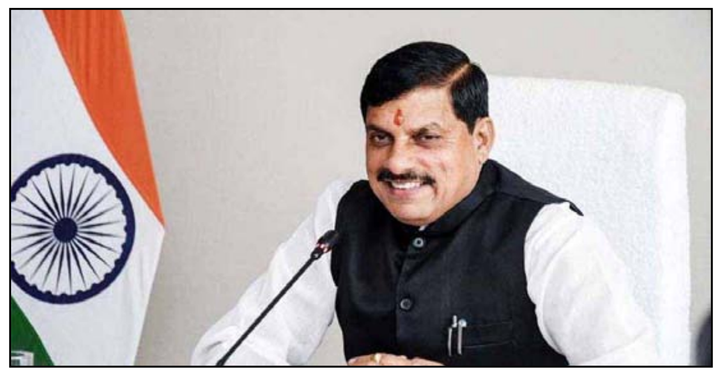

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नौरादेही का रानी दुर्गावती अभयारण्य चीतों का तीसरा घर बनने जा रहा है। जल्द ही वहाँ भी चीते छोड़े जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि टी-20 क्रिकेट वर्ल्ड कप जीतकर भारतीय क्रिकेट टीम ने एक बार फिर सफलता का परचम लहराया है। खेलने वाले कुल 20 देश, 55 मैच और विजेता- भारत, यह आंकड़े बताते हैं कि भारतीय क्रिकेट टीम ने दृढ़ संकल्प, साहस और पराक्रम से यह उपलब्धि हासिल की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे खिलाड़ियों ने पूरे विश्व में देश का मान-सम्मान बढ़ाया है। मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश सरकार और पूरी मंत्रि-परिषद् की ओर से भारतीय क्रिकेट टीम को बधाई और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को मंत्रि-परिषद् की बैठक से पहले मंत्रीगण को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संघ लोक सेवा आयोग-2026 के हालिया घोषित रिजल्ट में मध्यप्रदेश के 2 होनहार अभ्यर्थियों द्वारा टॉप टेन अभ्यर्थियों की मेरिट लिस्ट में स्थान प्राप्त करने पर दोनों ही अभ्यर्थियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष प्रदेश के कई विद्यार्थियों का यूपीएससी की परीक्षा में आईएएस, आईपीएस, आईआरएस इत्यादि कई पदों पर चयन हुआ है। हमारे विद्यार्थी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में चयनित होकर प्रदेश का नाम रौशन कर रहे हैं।

रानी दुर्गावती अभयारण्य (नौरादेही) में भी छोड़ेंगे चीते- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में चीते तेजी से फल-फूल रहे हैं। हाल ही में 5 नये शावकों की आमद से चीतों का परिवार और भी समृद्ध हुआ है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार करीब 2 महीने बाद रानी दुर्गावती अभयारण्य (नौरादेही) में भी चीते छोड़ने जा रही है। इससे मध्यप्रदेश में चीतों के 3 घर तैयार हो जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम मगर/घड़ियाल और कछुए भी विभिन्न जल क्षेत्रों में मुक्त करेंगे, ताकि हमारी जैव सम्पदा और भी समृद्ध हो सके।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री को भायी मध्यप्रदेश की जल संचय पहल- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रीगण से कहा कि मध्यप्रदेश में जल संचयन के लिए चलाए गए जल गंगा संवर्धन अभियान की केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सीआर पाटिल द्वारा सराहना की गई है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री ने 5 मार्च को हुई वीडियो कॉंफ्रेंसिंग में कहा था कि मध्यप्रदेश सामुदायिक सहभागिता से जल संरक्षण और सतत् जल प्रबंधन देश के सामने श्रेष्ठ उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। मध्यप्रदेश में 250 से अधिक नदियां हैं। मध्यप्रदेश बांधों की संख्या के मामले में देश में दूसरे स्थान पर है। उन्होंने कहा था कि जल संचयन के प्रोत्साहन के लिए भारत सरकार भी जल इस दिशा में जनभागीदारी से ऐसा ही कदम बढ़ाने जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रीगण को बताया कि केंद्र से मिली सराहना हमारी जल संचय नीति की सफलता का प्रमाण है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के प्रथम चरण में 2.79 लाख से अधिक जल संग्रहण संरचनाओं का निर्माण कर महत्वपूर्ण योगदान दिया गया। दूसरे चरण में भी मध्यप्रदेश में 72 हजार 647 जल संग्रहण संरचनाओं के निर्माण कार्य पूरे कर लिए गए हैं और 64 हजार 395 जल संरचना निर्माण कार्य फिलहाल प्रगति पर हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में इस साल 19 मार्च 2026 से जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रीगण से कहा कि वे भी अपने-अपने क्षेत्रों में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग के काम बढ़ाएं।

डिजिटल पंजीयन में मध्यप्रदेश ने रचा इतिहास- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में दस्तावेजों के डिजिटल पंजीयन का काम शुरू हो गया है। मध्यप्रदेश में प्रति वर्ष करीब 16 लाख से अधिक दस्तावेजों का पंजीयन किया जाता है। यह एक बड़ा काम है पर हम इसे समय-सीमा में ही पूरा करेंगे। उन्होंने बताया कि संपदा 2.0 प्रणाली से दस्तावेजों का पूर्णतः पेपरलेस ई- पंजीयन शुरु कर दिया है। यह व्यवस्था नागरिकों को त्वरित सेवाएं देने के साथ-साथ प्रशासन में पारदर्शिता और सुगमता सुनिश्चित करेगी। संपदा प्रणाली से ई-पंजीयन और ई-स्टाम्पिंग की सुविधा प्रदान कर पूरी प्रक्रिया को इलेक्ट्रॉनिक बनाया गया है। इस प्रणाली में कोई भी व्यक्ति कहीं से भी ई-स्टॉम्प तैयार कर सकता है। यह व्यवस्था लागू करने वाला मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है।

गेहूं उपार्जन 2026- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रीगण को बताया कि मध्यप्रदेश सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर गेहूं उपार्जन पर 40 रुपए प्रति क्विंटल बोनस देने जा रही है। साथ ही दलहन उत्पादन को प्रोत्साहन के लिए उड़द की खरीद पर भी 600 रुपए प्रति क्विंटल बोनस देने जा रही है। उड़द की खरीद पर बोनस देने के मामले में मध्यप्रदेश देश का ऐसा पहला राज्य बन गया है, जिसने यह कदम उठाया है। उन्होंने बताया कि गेहूं उपार्जन के लिए पंजीयन की अवधि 10 मार्च 2026 रखी गई थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों को समय पर भुगतान की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

पचमढ़ी को बनाएंगे बेस्ट इन्वायरमेंटल मॉडल- मुख्यमंत्री ने बताया कि पचमढ़ी को जर्मनी की एक अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण संस्था द्वारा ग्रीन डेस्टिनेशन के रूप में प्रमाणित किया गया है। यह मध्यप्रदेश में पर्यटन क्षेत्र के विकास के लिए हो रहे प्रयासों का प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि पचमढ़ी देश का ऐसा पहला स्थल है, जिसे इस तरह का प्रमाणन मिला है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम पचमढ़ी को देश के अनुकरणीय और बेस्ट इन्वायरमेंटल मॉडल के रूप में विकसित करेंगे।

न्यूज ब्रीफ

ओवैसी ने अपनी पार्टी के बिहार प्रदेश नेतृत्व को बुलाया दिल्ली, रिश्तों और रणनीति की भी परीक्षा

नई दिल्ली/ जीएनएस। बिहार में राज्यसभा की पांच सीटों के लिए होने जा रहे चुनाव में चार सीटों पर एनडीए की जीत लगभग तय मानी जा रही है, मगर पांचवीं सीट का समीकरण दिलचस्प हो गया है। हार-जीत का पूरा गणित असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के पांच विधायकों की भूमिका पर टिक गया है। एआईएमआईएम के सभी विधायक मतदान में हिस्सा लेकर महागठबंधन के पक्ष में वोट करते हैं तो एनडीए की जीत मुश्किल हो सकती है। जबकि उनके मतदान से दूर रहने की स्थिति में एनडीए के लिए रास्ता आसान हो जाएगा। इस बीच ओवैसी ने अपने प्रदेश अध्यक्ष को दिल्ली बुलाया है, जिससे संकेत मिलता है कि अंतिम फैसला पार्टी के शीर्ष स्तर पर होगा। जाहिर है, यह चुनाव सिर्फ संख्या का खेल नहीं बल्कि रिश्तों और रणनीति की परीक्षा भी बन गया है। ऐसे में 16 मार्च को होने वाला मतदान यह तय करेगा कि पांचवीं सीट पर किसकी रणनीति भारी पड़ती है। राज्यसभा की पांच सीटों के लिए चुनावी गणित के अनुसार एक सीट जीतने के लिए 41 विधायकों के वोट की आवश्यकता होगी। इस आधार पर पांच सीटों के लिए कुल 205 वोट जरूरी हैं। मौजूदा स्थिति में एनडीए के पास भाजपा, जदयू और सहयोगी दलों को मिलाकर 202 विधायक हैं। इस संख्या से वह चार सीटें आराम से जीत सकता है, क्योंकि इसके लिए 164 वोट पर्याप्त हैं। चार सीटों के बाद एनडीए के पास 38 विधायक बचते हैं, जिससे पांचवीं सीट जीतने के लिए उसे कम से कम तीन अतिरिक्त विधायकों के समर्थन की जरूरत पड़ेगी। दूसरी ओर महागठबंधन की स्थिति भी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। राजद, कांग्रेस और वाम दलों को मिलाकर उसके पास 35 विधायक हैं। इसके अलावा बसपा के एक विधायक और एआईएमआईएम के पांच विधायकों का समर्थन मिल जाए तो यह संख्या 41 तक पहुंच सकती है, जो जीत के लिए जरूरी आंकड़ा है। यही वजह है कि इस चुनाव में एआईएमआईएम की भूमिका निर्णायक मानी जा रही है। हालांकि राजनीतिक समीकरण इतने सरल नहीं हैं। विधानसभा चुनाव से पहले एआइएमआइएम ने राजद के साथ गठबंधन की कोशिश करते हुए मात्र छह सीटों की मांग की थी, लेकिन उसे महत्व नहीं मिला।

मैं हूं ना..., सीईओ के इस्तीफे के बाद कंपनी के अंतरिम बॉस ने भेजा मेल; कर्मचारियों को दिया भरोसा

नई दिल्ली/ जीएनएस। इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स के इस्तीफा दिए जाने के बाद मैनेजिंग डायरेक्टर राहुल भाटिया ने एयरलाइन का अंतरिम चार्ज संभाल लिया है। कमान हाथ में लेने के तुरंत बाद ही उन्होंने अपने कर्मचारियों को एक हिम्मत बढ़ाने वाला मैसेज लिखा। भाटिया ने लिखा, मैं हूं ना...। इस मैसेज को कर्मचारियों ने काफी सकारात्मक तरीके से लिया। भाटिया ने कंपनी के स्टाफ को एक इंटरमेल मेल भेजा। इसमें उन्होंने खुद का नाम राहुल उर्फ मैं हूं ना लिखा हुआ है। भाटिया ने लिखा, पिछले दिसंबर में जो हुआ वह कभी नहीं होना चाहिए था। हमारे कस्टमर इसके लायक नहीं थे, न ही आप सब, खासकर फ्रंटलाइन कर्मचारी जिन्होंने बिना किसी गलती के सबसे ज्यादा नुकसान उठाया। उन्होंने आगे लिखा, मैं अपने सभी साथियों का एहसानमंद होना चाहता हूं जिन्होंने कंपनी का बोझ शान और इज्जत से उठाया और ऑपरेशनल इंटेग्रिटी को बहाल करने के लिए रातों की नींद हराम की। आप सच में इंडिगो की जीती-जागती जान हैं। दरअसल दिसंबर में इंडिगो एक बड़े संकट से गुजरा था, जिसमें बड़े पैमाने पर फ्लाइट कैंसिल हो गई थीं और ट्रैवल सीजन के पीक पर लाखों पैसेंजर परेशान हुए थे। डीजीसीए ने इस गड़बड़ी के लिए इंडिगो पर 22 करोड़ रुपये से ज्यादा का जुर्माना लगाया था। जांच में सामने आया था कि इस इंडिगो पर्याप्त ऑपरेशनल बफर बनाए रखने में विफल रही और संशोधित फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन मानदंडों को प्रभावी ढंग से लागू नहीं किया। तब से ही इंडिगो के सीईओ और मैनेजमेंट की काफी आलोचना हो रही थी।

राज्यसभा में मंत्री की टिप्पणी पर विपक्ष नाराज, वायु प्रदूषण पर सरकार को घेरा

नई दिल्ली/ जीएनएस। बढ़ते वायु प्रदूषण,अरावली सहित पर्यावरण संरक्षण जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने में जुटा विपक्ष मंगलवार को उस समय तिलमिला गया, जब केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने अरावली के मुद्दे पर विपक्ष पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान में अशोक गहलोत के मुख्यमंत्री रहने के दौरान अरावली क्षेत्र में सबसे अधिक खनन हुआ है।

अरावली क्षेत्र में 70 से 80 प्रतिशत खदानें कांग्रेस सरकारों के समय ही दी गई है। बावजूद इसके उन्होंने कहा कि मोदी सरकार अरावली सहित पर्यावरण संरक्षण को लेकर पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। वह इस दिशा में तेजी से काम भी कर रही है। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री यादव मंगलवार को राज्यसभा में मंत्रालय से जुड़े काम-काज पर हुई चर्चा पर जवाब दे रहे थे। चर्चा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के करीब 13 सदस्यों ने हिस्सा लिया। कांग्रेस वैसे तो सोमवार को सदन से वॉकआउट कर चली गई थी और मंगलवार को भी उसने वन एवं पर्यावरण मंत्रालय के काम-काज को हुए चर्चा में हिस्सा नहीं लिया। हालांकि चर्चा पूरी होने पर कांग्रेस के अनुरोध पर सभापति सीपी राधाकृष्णन ने कांग्रेस को चर्चा में शामिल होने की विशेष अनुमति दी।

इस दौरान कांग्रेस सांसद नीरज डांगी ने जंगलों की कटाई, वायु प्रदूषण व अरावली के मुद्दे पर केंद्र सरकार को घेरा और कहा कि वह पिछले दस सालों में इसे रोकने में फेल रही है। डांगी ने कहा कि गैर-कानूनी खनन ने अरावली क्षेत्र की कई पहाड़ियों को खत्म कर दिया है। अरावली की परिभाषा को बदलने की कोशिश की गई।

नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम- इस पर जवाब देते हुए केंद्रीय मंत्री यादव ने कहा कि डांगी भले सदन में नए आए है लेकिन वह 2012 से इस मुद्दे को सदन में उठा रहे है। अरावली के संरक्षण के लिए मोदी सरकार दो साल पहले ही ग्रीन वाल प्रोजेक्ट शुरू कर चुकी है। वहीं विपक्ष ने सरकार को नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम शुरू किए जाने के बाद भी दिल्ली सहित देश के 130 शहरों में लगातार बढ़ रहे वायु प्रदूषण पर घेरा।

साथ ही सवाल भी खड़े किए। केंद्रीय मंत्री ने इससे निपटने के लिए अब तक उठाए गए कदमों को गिनाया। साथ ही बताया कि दिल्ली-एनसीआर के शहरों के लिए वार्षिक योजना बनाई गई है। उन्होंने कहा कि देश में संरक्षित वन क्षेत्रों की संख्या वर्ष 2014 में जहां 757 थी, वहीं अब यह बढ़कर 1,134 हो गई है। कुल संरक्षित क्षेत्र भी 1.68 लाख वर्ग किमी से बढ़कर 1.87 लाख वर्ग किमी हो गया है।

इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्मों की वर्तमान स्थिति पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई चिंता

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट मंगलवार को बांबे हाई कोर्ट के फैसले के विरुद्ध केंद्र सरकार की याचिका पर सुनवाई करने के लिए सहमत हो गया। हाई कोर्ट ने इंटरनेट मीडिया पर सरकार के विरुद्ध फर्जी और झूठे कंटेंट को रेगुलेट करने के मकसद से सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) नियमों में 2023 के संशोधनों को रद कर दिया था और उन्हें असंवैधानिक बताया था।

हालांकि, शीर्ष अदालत ने 2024 के हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। साथ ही इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्मों की मौजूदा स्थिति पर चिंता व्यक्त की। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस आर. महादेवन और जस्टिस जोयमाल्या बागची की पीठ ने स्टैंड-अप कामेडियन कुणाल कामरा, एडिटर्स गिल्ड आफ इंडिया और एसोसिएशन आफ इंडियन मैगजींस सहित मूल याचिकाकर्ताओं को नोटिस जारी किए। बांबे हाई कोर्ट ने 26 सितंबर, 2024 को संशोधित आइटी नियमों को रद कर दिया था। सुनवाई के दौरान केंद्र की तरफ से सालिसिटर जनरल तुषार मेहता ने हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगाने की मांग की।

नेता प्रतिपक्ष खरगे ने की पश्चिमी एशिया के हालात पर चर्चा की मांग, चुनौतियों पर जताई चिंता

नई दिल्ली/ जीएनएस। पश्चिमी एशिया में फैली युद्ध की आग की आंच यहां संसद का माहौल भी गर्मा रही है। राज्य सभा में विपक्ष की ओर से नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने नियम 176 के तहत नोटिस देकर इस मुद्दे पर अल्पकालिक चर्चा की मांग करते हुए भारत के समक्ष उत्पन्न चुनौतियों पर चिंता जाहिर की।

जब विदेश मंत्री एस. जयशंकर के बयान को सुनने की बजाए विपक्ष ने हंगामा और नारेबाजी कर सदन से वॉकआउट किया तो नेता सदन जेपी नड्डा ने विपक्ष को आड़े हाथों ले लिया। कहा- विपक्ष का यह व्यवहार निंदनीय और गैर जिम्मेदाराना है। उन्हें न देशहित में रुचि है और न ही गंभीर चर्चा में, वह सिर्फ अराजकता चाहते हैं। सोमवार को राज्य सभा की कार्यवाही शुरू होते ही निधन की सूचनाओं पर शोक संवेदना, टी-20 विश्वकप विजय पर भारतीय टीम की विजय पर सराहना का प्रस्ताव और पटल पर दस्तावेज रखे जाने के बाद जैसे ही ईरान-अमेरिका व इजरायल युद्ध से पश्चिमी एशिया में उपजे हालात और भारत सरकार के रुख पर स्थिति स्पष्ट करने के लिए विदेश मंत्री खड़े हुए, वैसे ही नेता प्रतिपक्ष मल्लकार्जुन खरगे खड़े हो गए।

उन्होंने दावा किया कि पश्चिमी एशिया में कुछ भारतीय मारे गए हैं और कुछ लापता हैं।

संसद में गूंजा पश्चिम एशिया संकट का मुद्दा, विदेश मंत्री के बयान को बताया नाकाफी; स्थगित करनी पड़ी कार्यवाही

नई दिल्ली/ जीएनएस। लोकसभा में पहले से स्पीकर को हटाने के प्रस्ताव पर चर्चा होनी थी, लेकिन विपक्ष की ओर से पश्चिम एशिया की स्थिति और पेट्रोल कीमतों में वृद्धि से संबंधित मुद्दे पर नोटिस दिया गया, जिसे अस्वीकार करने पर हंगामा शुरू हो गया। विपक्ष का कहना था कि विदेश मंत्री का बयान पर्याप्त नहीं है। इस मुद्दे पर विशेष चर्चा होनी चाहिए।

विपक्षी सदस्य वेल में आकर तख्तियों के साथ हंगामा और नारेबाजी करने लगे, जिससे कार्यवाही को अगले दिन तक स्थगित करना पड़ गया।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को लोकसभा और राज्यसभा में सरकार की ओर से पश्चिमी एशिया के हालात पर बयान दिया। विपक्ष के हंगामे पर बोले नड्डा, चर्चा नहीं सिर्फ अराजकता चाहता है विपक्ष।

विपक्ष की ओर से राज्य सभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पश्चिमी एशिया के हालात पर अल्पकालिक चर्चा चाहते थे। विदेश मंत्री के बयान के दौरान उनकी पार्टी सहित अन्य विपक्षी सदस्यों ने हंगामा किया, जिस पर नेता सदन नड्डा ने इसे गैर जिम्मेदाराना और निंदनीय बताया।

तेज करनी होगी रीयल वर्ल्ड इकोनॉमी से एजुकेशन सिस्टम को जोड़ने की प्रक्रियाः पीएम मोदी- बजट वेबिनार में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि एक दशक में देश के माइंडसेट बहुत बड़ा बदलाव आया है और नई पीढ़ी का यह माइंडसेट देश की सबसे बड़ी ताकत है। पीएम ने जन आकांक्षाओं की पूर्ति को सरकार का संकल्प बताते हुए शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य, पर्यटन, खेल और संस्कृति जैसे सेक्टर पर विशेष जोर दिया।

मिडिल ईस्ट में फंसे भारतियों और ऊर्जा संकट पर लोकसभा में क्या कुछ बोले जयशंकर?

नई दिल्ली/ जीएनएस। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के बीच सरकार ने स्पष्ट किया है कि भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और देश की ऊर्जा जरूरतों की रक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। ईरान पर अमेरिका व इजरायल की तरफ से जारी हमले और इस युद्ध के लंबा खिंचने की आशंकाओं के बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर ने लोकसभा में बयान दिया। उन्होंने कहा कि भारत शांति और कूटनीति के पक्ष में है और तनाव कम करने के लिए संवाद को ही समाधान मानता है।

विदेश मंत्री ने बताया कि सरकार की नीति तीन प्रमुख आधारों पर टिकी है। पहला, क्षेत्र में शांति और तनाव कम करने के लिए संवाद व कूटनीति को बढ़ावा देना। दूसरा, पश्चिम एशिया में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करना और तीसरा, भारत के राष्ट्रीय हितों, विशेष रूप से ऊर्जा सुरक्षा और व्यापारिक प्रवाह की रक्षा करना।विदेश मंत्री ने बताया कि पश्चिम एशिया में 28 फरवरी 2026 से शुरू हुआ संघर्ष अब व्यापक रूप ले चुका है, जिसमें इजरायल और अमेरिका एक तरफ जबकि इरान दूसरी ओर आमने-सामने हैं। विदेश मंत्री जयशंकर ने क्या कहा?

इसके अलावा कई खाड़ी देशों पर भी हमले हुए हैं, जिससे भारी जनहानि और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है। सरकार ने शुरुआत से ही सभी पक्षों से संयम बरतने और संघर्ष को बढ़ने से रोकने की अपील की है।

कौशल, स्वास्थ्य, पर्यटन, खेल और संस्कृति जैसे क्षेत्रों पर दिया विशेष जोर, बजट वेबिनार में बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली/ जीएनएस। केंद्रीय बजट की घोषणाओं पर अमल के लिए विभिन्न क्षेत्रों विशेषज्ञों व हितधारकों के साथ बजट वेबिनार में श्रृंखलाबद्ध रूप से चर्चा कर रहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य, पर्यटन, खेल और संस्कृति को मूलभूत सेक्टर बताते हुए इनके विविध आयामों व संभावनाओं पर प्रकाश डाला।

वेबिनार के विषय जनआकांक्षाओं की पूर्ति को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि यह केवल चर्चा का विषय नहीं है। यह सरकार का संकल्प है और इस बजट का मूल ध्येय है। पीएम मोदी ने नीतियों के व्यावहारिक पक्ष पर जोर देते हुए कहा कि हमें शिक्षा व्यवस्था को वास्तविक अर्थव्यवस्था (रीयल वर्ल्ड इकोनामी) से जोड़ने की प्रक्रिया तेज करनी होगी। देश का स्वास्थ्य ढांचा

प्रधानमंत्री ने वेबिनार में कहा कि पिछले कुछ वर्षों में देश का स्वास्थ्य ढांचा मजबूत हुआ है। सैकड़ों जिलों में नए-नए मेडिकल कालेज खुल गए हैं। आयुष्मान भारत योजना, आरोग्य मंदिरों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच गांव-गांव तक बढ़ाई गई है। केयर इकोनामी को महत्वपूर्ण विषय बताते हुए कहा कि आने वाले दशक में देश में वरिष्ठ नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ेगी।

इसके अलावा आज वर्तमान में दुनिया के कई देशों में केयरगिवर्स की भारी मांग है, इसलिए अब स्वास्थ्य क्षेत्र में लाखों युवाओं के लिए नए कौशल आधारित रोजगार के नए अवसर तैयार हो रहे हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र के विशेषज्ञ नए ट्रेनिंग माडल और पार्टनरशिप विकसित करने पर सुझाव दें, ताकि देश में ट्रेनिंग ईकोसिस्टम और ज्यादा मजबूत हो सके।

जागरुकता और सहजता बढ़ाए- टेली-मेडिसिन को भी इससे जोड़ते हुए उन्होंने कहा कि आज बड़ी संख्या में दूरदराज क्षेत्र के लोग भी इसका लाभ उठा रहे हैं । इस पर विश्वास बढ़ता जा रहा है। इसमें अब भी जागरुकता और सहजता बढ़ाए जाने की बहुत जरूरत है। पीएम मोदी ने दावा किया कि पिछले एक दशक में देश के माइंडसेट में एक बड़ा परिवर्तन आया है।

आज गांव, कस्बा और शहर की सीमाओं से परे भारत का हर युवा कुछ नया करना चाहता है। नई पीढ़ी का ये नया माइंडसेट देश की सबसे बड़ी ताकत और उज्जवल भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने कहा कि इसका लाभ लेने के लिए हमें अपने एजुकेशन सिस्टम को निरंतर आधुनिक बनाए रखना है, अपग्रेड करते ही रहना है।

भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने देखी संघ पर आधारित प्रेरणादायी फिल्म 'शतक'

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में भारतीय जनता पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्षों की यात्रा पर आधारित प्रेरणादायी फिल्म 'शतक' का सामूहिक रूप से दर्शन किया। यह कार्यक्रम भारतीय जनता पार्टी प्रदेश किसान मोर्चा के अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा और भाजपा इंदौर के अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा के नेतृत्व में सीने स्क्वेयर सिनेमा में आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता शामिल हुए।

फिल्म 'शतक' में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सौ वर्षों की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और संगठनात्मक यात्रा को दर्शाया गया है। इसमें संघ की स्थापना से लेकर वर्तमान समय तक राष्ट्र निर्माण, सामाजिक समरसता, सेवा कार्यों और संगठन विस्तार की गौरवगाथा को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया है, जिसे देखकर कार्यकर्ताओं में उत्साह और प्रेरणा का संचार हुआ।

इस अवसर पर प्रदेश किसान मोर्चा के अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा ने कहा कि 'शतक' केवल एक फिल्म नहीं, बल्कि राष्ट्रभाव, संगठन शक्ति और समर्पण की जीवंत अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक और भाजपा कार्यकर्ता समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा और विकास की भावना के साथ कार्य कर रहे हैं। ऐसे प्रेरणादायी आयोजनों से कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार होता है।

कार्यक्रम के अंत में भाजपा जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा ने सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन की शक्ति ही राष्ट्र की शक्ति है और इसी भावना के साथ सभी को मिलकर विकास और सेवा कार्यों को आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम संगठन को मजबूत करने के साथ ही कार्यकर्ताओं को राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रेरणा भी देते हैं।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में वरिष्ठ कार्यकर्ता, पदाधिकारी और युवा साथी उपस्थित रहे। फिल्म देखने के बाद सभी कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रहित, समाजसेवा और संगठन को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर सक्रिय रहने का संकल्प लिया। इस अवसर पर किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष नारायण पटेल, प्रदेश महामंत्री मनोज किसान, प्रदेश मंत्री सुमेर सिंह सहित भाजपा इंदौर ग्रामीण के कई वरिष्ठ कार्यकर्ता और पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

जनसुनवाई में पुलिस कमिश्नर ने सुनी आमजन की समस्याएं, त्वरित समाधान का दिया भरोसा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार आमजन की शिकायतों और समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए प्रत्येक मंगलवार को जनसुनवाई आयोजित की जाती है। इसी क्रम में मंगलवार, 10 मार्च 2026 को पुलिस कमिश्नर कार्यालय के सभागार में आयोजित जनसुनवाई में पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह ने नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके त्वरित निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

जनसुनवाई के दौरान विभिन्न प्रकार की शिकायतें सामने आईं, जिनमें पारिवारिक और घरेलू विवाद, आपसी विवाद, पैसों के लेनदेन से जुड़े मामले, फाइनेंशियल फ्रॉड, सुनवाई न होने की शिकायतें, प्लॉट और जमीन से जुड़ी धोखाधड़ी, महिला अपराध से संबंधित प्रकरण सहित पुलिस से जुड़े अन्य मुद्दे शामिल रहे। इस दौरान कुल 65 शिकायत आवेदन प्राप्त हुए।

पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने प्रत्येक आवेदक से व्यक्तिगत रूप से संवाद कर उनकी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई कर निर्धारित समय सीमा में समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने नागरिकों को आश्वस्त किया कि इंदौर पुलिस उनकी सुरक्षा और हितों की रक्षा के लिए हमेशा तत्पर है तथा हर शिकायत का गंभीरता से निराकरण किया जाएगा।

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) अमित सिंह सहित सभी जोन के पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहे। उन्होंने पुलिस कमिश्नर के निर्देशानुसार आवेदकों की समस्याओं को विस्तार से सुना और उनके निराकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की। जनसुनवाई के माध्यम से आम नागरिकों को अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन के सामने रखने का अवसर मिला और कई मामलों में तत्काल समाधान की दिशा में कदम उठाए गए।

स्वस्थ नारी से ही समृद्ध होगा देश: महिला सशक्तिकरण की गूंज के साथ हुआ सम्मान समारोह

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय में अंतर्राष्टीय महिला दिवस के अवसर पर एक अत्यंत गरिमामयी और भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समाज और चिकित्सा क्षेत्र में महिलाओं के अमूल्य योगदान को सराहने के उद्देश्य से आयोजित इस वर्ष के कार्यक्रम का मुख्य विषय ÷सशक्त नारी, सशक्त देश स्वस्थ नारी, समृद्ध देश÷ रखा गया था। कार्यक्रम में वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि एक स्वस्थ महिला ही एक स्वस्थ और विकसित राष्ट्र की नींव रख सकती है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्रीमती यांगचेन भूटिया शामिल हुईं। अपने प्रेरणादायक और ओजस्वी संबोधन में उन्होंने समाज में महिलाओं की अपरिहार्य भूमिका और सुरक्षा पर प्रकाश डाला। श्रीमती भूटिया ने कहा, ÷नारी के बिना सृष्टि और समाज की कल्पना भी असंभव है। आज की महिला हर मोर्चे पर डटकर खड़ी है, लेकिन उनका स्वास्थ्य और सशक्तिकरण ही विकसित भारत की असली पहचान है।

हमें महिलाओं के लिए एक ऐसा सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण तैयार करना होगा, जहाँ वे अपनी पूरी क्षमता के साथ देश के विकास में भागीदार बन सकें। इस अवसर पर चिकित्सा, सुरक्षा और अध्यात्म के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिष्ठित महिला विभूतियां उपस्थित थीं। अतिथियों ने महिला स्वास्थ्य, जागरुकता और आत्मनिर्भरता पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम में सीनियर कमांडेन्ट सीमा सुरक्षा बल डॉ. मिता, डॉ. अमित जुल्का, ब्रह्मकुमारी हेमलता, डॉ. प्रीति जैन, डॉ. सुमित्रा यादव, डॉ. केशकली शर्मा, डॉ. परिधि शिवदे, डॉ. संगीता पानेरी, डॉ. साधना सोढानी विशेष रूप से मौजूद थीं।

माधवराव सिंधिया की जयंती पर प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं वरिष्ठ राजनेता स्वर्गीय माधवराव सिंधिया की जयंती के अवसर पर मंगलवार, 10 मार्च 2026 को बंगाली चौराहे स्थित उनकी प्रतिमा पर श्रद्धापूर्वक माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट और इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर स्वर्गीय सिंधिया के योगदान को याद किया।

कार्यक्रम में विधायक मधु वर्मा, महापौर परिषद सदस्य अश्विनी शुक्ल, राजेश उदावत, प्रणव मंडल, क्षेत्रीय पार्षदगण सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता और नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने स्वर्गीय माधवराव सिंधिया की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को स्मरण किया।

इस अवसर पर महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि स्वर्गीय माधवराव सिंधिया दूरदर्शी नेतृत्व के धनी थे। उन्होंने देश के भविष्य को ध्यान में रखते हुए हमेशा विकास और जनहित के कार्यों को प्राथमिकता दी। अपने राजनीतिक जीवन में उन्होंने संगठन को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं के सम्मान और जनसेवा को सर्वोच्च स्थान दिया। उनके विचार और कार्य आज भी नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

वहीं जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने भी स्वर्गीय सिंधिया को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन में देश के विकास और प्रगति के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके नेतृत्व और कार्यशैली से आज भी लोगों को प्रेरणा मिलती है।

DAVV तक्षशिला परिसर में 'नेक्स्ट जेनरेशन पोस्ट ऑफिस' का शुभारंभ, युवाओं के लिए आधुनिक सुविधाओं से लैस डाकघर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में भारतीय डाक विभाग ने आमजन और विशेष रूप से युवा वर्ग को आधुनिक और सुविधाजनक सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की है। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के तक्षशिला परिसर, खंडवा रोड स्थित उप डाकघर को पूरी तरह नवीनीकृत कर 'नेक्स्ट जेनरेशन पोस्ट ऑफिस' के रूप में विकसित किया गया है।

इस आधुनिक डाकघर का भव्य उद्घाटन सोमवार, 9 मार्च 2026 को शाम 5 बजे पोस्टमास्टर जनरल इंदौर क्षेत्र श्रीमती प्रीती अग्रवाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर के कुलपति डॉ. राकेश सिंघई और मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की पूर्व संयुक्त सचिव सुश्री सिद्धयानी पाटनी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। इस अवसर पर डाक विभाग के अधिकारी और विश्वविद्यालय से जुड़े कई गणमान्य लोग भी मौजूद रहे।

प्रवर अधीक्षक डाकघर इंदौर नगर संभाग श्री शिवांसु कुमार ने बताया कि 'नेक्स्ट जेनरेशन पोस्ट ऑफिस' की अवधारणा देश की युवा पीढ़ी को डाक सेवाओं से जोड़ने पर आधारित है। इस डाकघर को युवाओं की पसंद और जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कैफेटेरिया की तरह आकर्षक लुक दिया गया है, जिससे कॉलेज के विद्यार्थी और युवा वर्ग यहां आने के लिए प्रेरित होंगे। यहां डिजिटल सेवाओं के साथ कई नवाचार भी शामिल किए गए हैं।

डाकघर में पानी और चाय-कॉफी डिस्पेंसर की सुविधा के साथ ही लूडो, स्लिंगो और शतरंज जैसे गेम्स खेलने की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा विभिन्न किताबें, पत्रिकाएं और हिंदी-अंग्रेजी के समाचार पत्र भी उपलब्ध कराए गए हैं, ताकि युवा यहां आकर उपयोगी समय बिता सकें और डाक सेवाओं से भी जुड़ सकें।

कार्यक्रम के दौरान भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के टी-20 विश्व कप 2026 जीतने की उपलब्धि को यादगार बनाने के लिए एक विशेष आवरण का अनावरण भी किया गया। साथ ही सुकन्या समृद्धि योजना के खाताधारकों को पासबुक का वितरण किया गया।

इस अवसर पर श्री विष्णु नारायण मिश्रा सहायक कुलसचिव देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, श्री प्रज्जवल खरे कुलसचिव, श्री शिवांसु कुमार प्रवर अधीक्षक डाकघर इंदौर नगर संभाग सहित डाक विभाग के कई प्रशासनिक अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती उर्मिला सैनी ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन श्रीमती रीता गर्ग उपअधीक्षक डाकघर इंदौर नगर संभाग द्वारा किया गया।

इंदौर में घर की सफाई – RRR कलेक्शन ड्राइव अभियान का शुभारंभ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर नगर निगम द्वारा स्वच्छता के क्षेत्र में लगातार नवाचार किए जा रहे हैं। इसी क्रम में मंगलवार, 10 मार्च 2026 को महापौर पुष्यमित्र भार्गव और आयुक्त क्षितिज सिंघल ने जोन क्रमांक 8 के अंतर्गत क्लासिक पूर्णिमा कॉलोनी से इंदौर की सबसे बड़ी "RRR कलेक्शन ड्राइव ङ्क घर की सफाई अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर महापौर और आयुक्त ने पांच विशेष वाहनों को हरी झंडी दिखाकर अभियान की शुरुआत की। कार्यक्रम में स्वास्थ्य प्रभारी अश्विनी शुक्ला, क्षेत्रीय पार्षद तथा कॉलोनी के बड़ी संख्या में रहवासी मौजूद रहे।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि री-यूज का कॉन्सेप्ट हमारी भारतीय परंपरा का हिस्सा रहा है। पहले परिवारों में बड़े भाई द्वारा उपयोग की गई किताबें, कपड़े और अन्य सामग्री छोटे भाई को देने की परंपरा आम थी। इसी विचार को आगे बढ़ाते हुए नगर निगम इंदौर द्वारा घर की सफाई अभियान की शुरुआत की गई है। उन्होंने बताया कि घरों से निकलने वाली अनुपयोगी वस्तुएं जैसे कपड़े, किताबें, इलेक्ट्रॉनिक सामान, खिलौने और अन्य उपयोगी सामग्री इन वाहनों के माध्यम से एकत्रित की जाएगी। एकत्रित सामग्री को केसरबाग ब्रिज के नीचे बनाए गए 3ऋसेंटर में ले जाकर उसकी छंटाई की जाएगी और वेस्ट से बेस्ट की अवधारणा के तहत जरूरतमंद लोगों के लिए उपयोगी वस्तुएं तैयार की जाएंगी।

महापौर ने शहरवासियों से अपील की कि वे इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए अपने घरों में उपलब्ध अनुपयोगी लेकिन उपयोगी सामग्री इन वाहनों में देकर इस अभियान को सफल बनाएं। उन्होंने यह भी कहा कि आगामी नगर निगम के वित्तीय बजट सत्र में सभी पार्षद और महापौर परिषद के सदस्य लेदर बैग के स्थान पर री-यूज मटेरियल से बने कपड़े के झोले का उपयोग करेंगे, जिससे पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।

आयुक्त क्षितिज सिंघल ने कहा कि इंदौर शहर स्वच्छता के क्षेत्र में देश में अग्रणी रहा है और नगर निगम समय-समय पर नवाचार कर स्वच्छता के नए आयाम स्थापित करता रहा है। उन्होंने बताया कि घर की सफाई अभियान के अंतर्गत 31 मार्च तक विशेष वाहन शहर के विभिन्न क्षेत्रों में घर-घर जाकर नागरिकों से अनुपयोगी सामान का संग्रहण करेंगे।

स्वास्थ्य प्रभारी अश्विनी शुक्ला ने बताया कि नगर निगम इंदौर स्वच्छता के क्षेत्र में देशभर में अग्रणी रहा है और लगातार नए नवाचारों के माध्यम से शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में घर की सफाई ङ्क ऋऋऋ कलेक्शन ड्राइव अभियान शुरू किया गया है, जिसके तहत पांच विशेष वाहनों के माध्यम से घर-घर जाकर अनुपयोगी सामग्री एकत्रित की जाएगी।

नगर निगम इंदौर का यह अभिनव अभियान न केवल स्वच्छता को बढ़ावा देगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, संसाधनों के पुनः उपयोग और समाज के जरूरतमंद वर्गों की सहायता के लिए भी महत्वपूर्ण साबित होगा।

आयुक्त ने विभिन्न जोन क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था का किया निरीक्षण, लापरवाही पर वेतन कटौती के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने मंगलवार, 10 मार्च 2026 की सुबह शहर के विभिन्न जोन क्षेत्रों का निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्वच्छता व्यवस्था बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। इस दौरान क्षेत्रीय जोनल अधिकारी, स्वास्थ्य अधिकारी, सीएसआई तथा अन्य निगम अधिकारी भी उपस्थित रहे। आयुक्त ने सबसे पहले जोन क्रमांक 8 के अंतर्गत चिकित्सक नगर और महालक्ष्मी नगर क्षेत्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान खाली प्लॉट और डिवाइडर पर कचरा और गंदगी पाए जाने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की। इस पर संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ चालानी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। साथ ही सफाई कार्य में लापरवाही पाए जाने पर सीएसआई श्याम मांडकर और सहायक सीएसआई जयकिशन नागर का तीन-तीन दिन का वेतन काटने के निर्देश भी दिए गए। इसके बाद आयुक्त ने जोन क्रमांक 22 के अंतर्गत बापू गांधी नगर और अनुराग नगर क्षेत्र में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। यहां भी खाली प्लॉट और डिवाइडर पर कचरा मिलने पर संबंधित लोगों के खिलाफ चालानी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। साथ ही कार्य में लापरवाही पाए जाने पर सीएसआई वीरेंद्र चौहान और दरोगा रजत हाड़े का एक-एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए गए। इसके पश्चात आयुक्त ने जोन क्रमांक 10 के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 39 में नया कृष्णा गार्डन से सांझी छत तक के क्षेत्र का निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि क्षेत्र में नियमित रूप से सफाई कराई जाए, खाली प्लॉट और सार्वजनिक स्थानों पर कचरा जमा न होने दिया जाए तथा नागरिकों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ममलेश्वर में जलाभिषेक एवं पूजन किया

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दादा गुरु जी की चौथी नर्मदा सेवा परिक्रमा के समापन अवसर पर मंगलवार को खंडवा जिले के ओंकारेश्वर स्थित ममलेश्वर मंदिर में विधिवत पूजा अर्चना कर मां नर्मदा के जल से अभिषेक किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान ममलेश्वर से प्रदेशवासियों के लिए सुख-समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव और पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद पटेल, दादा गुरुजी के साथ ओंकारेश्वर के गजानन आश्रम से नर्मदा जल का कलश लेकर पदयात्रा करते हुए ममलेश्वर मंदिर पहुंचे। इस अवसर पर मांधाता क्षेत्र के विधायक श्री नारायण पटेल सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और श्रद्धालु मौजूद रहे।

बीआरटीएस रैलिंग हटाने का कार्य प्रगति पर, आयुक्त ने किया निरीक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में बीआरटीएस कॉरिडोर से रैलिंग और बस स्टॉप हटाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। मंगलवार, 10 मार्च 2026 को नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने नवलखा चौराहा से विजय नगर चौराहा तक पूरे बीआरटीएस मार्ग का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, सहायक यंत्री शैलेन्द्र मिश्रा सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने 11.5 किलोमीटर लंबे बीआरटीएस मार्ग पर बस स्टॉप और रैलिंग हटाने के कार्यों की जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि शिवाजी वाटिका से नवलखा तक लगभग 1.80 किलोमीटर क्षेत्र में दोनों ओर की रैलिंग हटाकर पेचवर्क किया जा चुका है। वहीं एलआईजी चौराहे से एमआर-9 चौराहे तक करीब 950 मीटर की रैलिंग बीम हटाई जा चुकी है, जबकि एमआर-9 चौराहे से विजय नगर तक लगभग 900 मीटर रैलिंग बीम हटाने का कार्य प्रगति पर है।

इसके अलावा राजीव गांधी चौराहे से भंवरकुआं तक तीन बस स्टॉप को पूरी तरह डिस्मेंटल कर दिया गया है, जबकि भंवरकुआं फ्लाईओवर से जीपीओ तक चार बस स्टॉप पर डिस्मेंटलिंग का कार्य जारी है। नगर निगम द्वारा यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए करीब 800 मीटर तक अस्थायी डिवाइडर बनाए जा चुके हैं और शेष स्थानों पर भी अस्थायी डिवाइडर बनाए जा रहे हैं।

निरीक्षण के दौरान रसोमा चौराहा से एमआर-09 चौराहा के बीच बीआरटीएस की एक तरफ की रैलिंग हटाकर वहां स्थायी डिवाइडर निर्माण का कार्य तेजी से किया जा रहा है। बीआरटीएस से निकाली गई रैलिंग का उपयोग अस्थायी डिवाइडर बनाने में किया जा रहा है, ताकि स्थायी डिवाइडर बनने तक सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनी रहे।

आयुक्त क्षितिज सिंघल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बीआरटीएस रैलिंग और बस स्टॉप हटाने का कार्य सावधानीपूर्वक और लगातार मॉनिटरिंग के साथ निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि कार्य के दौरान यातायात व्यवस्था बाधित न हो और निर्माण स्थल पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था बनी रहे।

इंदौर में भाजपा की विषय वक्ता कार्यशाला आयोजित, प्रशिक्षण महाअभियान से देशभर में 80 लाख कार्यकर्ता होंगे प्रशिक्षित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में भारतीय जनता पार्टी द्वारा पंडित दीनदयाल प्रशिक्षण महाअभियान के अंतर्गत विषय वक्ता कार्यशाला का आयोजन किया गया। गुजराती इनोवेटिव कॉलेज में आयोजित इस कार्यशाला को भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल और क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने संबोधित किया। इस अवसर पर प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह, गुजरात संगठन महामंत्री रत्नाकर, पश्चिम मध्य क्षेत्र प्रशिक्षण प्रभारी के.सी. पटेल, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, तुलसी सिलावट, प्रशिक्षण वर्ग प्रदेश संयोजक विजय दुबे, सह प्रभारी राजेंद्र सिंह, नंदिता पाठक, अभय यादव और नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

इंदौर के भवानीनगर में निर्माणाधीन मकान गिरा, मलबे में दो मजदूर दबे

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के बाणगंगा क्षेत्र के भवानी नगर में एक निर्माणाधीन मकान की छत गिरने से दो मजदूर दब गए। मौके पर पहुंचकर उन्हें पुलिस ने निकाला और अरबिंदो अस्पताल पहुंचाया। दोनों को गंभीर चोटें आई हैं। मकान का एक हिस्सा पहले से बना हुआ था और उस पर छत डाली जा रही थी। तराफे और बल्लियां छत का वजन सह नहीं पाए और भरभरा कर छत गिर पड़ी। मौके पर नगर निगम के अधिकारी भी पहुंचे और नक्शे की जांच की। निर्माण अनुमति के बगैर हो रहा था। छत गिरने के बाद आसपास के रहवासी भी मौके पर पहुंचे और मलबा हटाने लगे। इस कारण वहां काफी भीड़ हो गई थी। जब मौके पर पुलिसकर्मी पहुंचे तो उन्हें राहत कार्य करने में परेशानी आई। मकान मुख्य मार्ग पर है, इस कारण ट्रैफिक भी बाधित हो रहा था। रहवासियों का आरोप है कि वे मदद कर रहे थे, लेकिन कुछ पुलिस जवानों ने उनके साथ अभद्रता की।

अधिकारियों ने प्रत्यक्ष रूप से समस्याओं का किया निराकरण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। हर मंगलवार की तरह इस मंगलवार को भी कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में नागरिकों ने अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन के सामने रखीं। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने लोगों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनी और कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया। अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों पर प्राथमिकता से कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने आमजन से प्रत्यक्ष संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों से संबंधित 200 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिन पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लेते हुए प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई की जाए, ताकि नागरिकों को समय पर राहत मिल सके।

जनसुनवाई में कई आवेदन प्राप्त हुए जिसमें मुख्य रूप में प्लॉट, संपत्ति, पारिवारिक विवाद, चिकित्सा सहायता और रोजगार से जुड़े प्रकरण रहे। जनसुनवाई में सभी विभागीय अधिकारियों और अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पंवार, श्री रोशन राय, श्री रिंकेश वैश्य ने जनसुनवाई में भाग लेकर नागरिकों की समस्याओं को सहानुभूति के साथ सुना और उनका निराकरण किया।

मल्हारगढ़-मंदसौर रेलखंड दोहरीकरण पूरा, सीआरएस ने किया निरीक्षण, 11 मार्च को 120 किमी की रफ्तार से होगा स्पीड ट्रायल

दोहरीकरण के बाद बदली रेलवे की तस्वीर, पिपलिया पहुंचे सीआरएस, ट्रैक व सिग्नलिंग का लिया जायजा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रतलाम-नीमच रेलखंड के अंतर्गत मल्हारगढ़-मंदसौर के बीच रेलवे दोहरीकरण का कार्य लगभग पूरा हो गया है। इसी क्रम में मंगलवार को रेल संरक्षा आयुक्त (सीआरएस) ई. श्रीनिवास ने पिपलिया स्टेशन सहित पूरे रेलखंड का निरीक्षण किया। उनके साथ रतलाम मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) अश्विनी कुमार, मंडल के करीब 20 अधिकारी और बड़ी संख्या में रेलवे कर्मचारी मौजूद रहे। सीआरएस दोपहर करीब 12 बजे पिपलिया स्टेशन पहुंचे। यहां सबसे पहले उन्होंने स्टेशन कार्यालय का निरीक्षण किया और स्टेशन की सिग्नलिंग एवं इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम के माध्यम से ट्रेनों को पटरी पर लेने की प्रक्रिया के संबंध में स्टेशन अधीक्षक शंकरलाल मीणा से कई सवाल पूछे। करीब सात मिनट तक चली चर्चा में उन्होंने स्टेशन संचालन की तकनीकी व्यवस्थाओं की विस्तार से जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान सीआरएस ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि स्टेशन पर कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रत्येक तकनीकी व्यवस्था की पूरी तरह से ट्रेनिंग दी जाए, ताकि संचालन के दौरान किसी प्रकार की तकनीकी त्रुटि या लापरवाही की गुंजाइश न रहे। करीब एक घंटे तक पिपलिया स्टेशन पर रुके सीआरएस ने स्टेशन परिसर, सिग्नलिंग व्यवस्था, प्लेटफॉर्म, ट्रैक और अन्य व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने रेलवे द्वारा किए गए आधुनिकीकरण के कार्यों को भी देखा। निरीक्षण के बाद उन्होंने स्टेशन परिसर के बाहर बने गार्डन में पौधरोपण भी किया। मीडिया से चर्चा करते हुए सीआरएस ई. श्रीनिवास ने बताया कि मल्हारगढ़, पिपलिया और मंदसौर स्टेशन के बीच दोहरीकरण का कार्य पूर्ण हो चुका है। फिलहाल उनकी टीम ट्रैक, सिग्नलिंग सिस्टम और अन्य तकनीकी व्यवस्थाओं का परीक्षण कर रही है। इसके बाद निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार स्पीड ट्रायल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्पीड ट्रायल के दौरान ट्रेनें काफी तेज गति से चलेंगी, इसलिए आम नागरिकों से अपील है कि वे उस समय रेलवे ट्रैक से दूर रहें और किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें। सीआरएस ने बताया कि निरीक्षण के दौरान अभी तक कोई बड़ी कमी सामने नहीं आई है। दोहरीकरण के तहत नए ट्रैक पर अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग किया गया है। इसमें आधुनिक मॉडल स्ट्रक्चर, अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम, टीआरडी (ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन) से संबंधित कार्य और विद्युत व्यवस्था पूरी तरह से तैयार कर ली गई है। दोहरीकरण के बाद नए ट्रैक पर ट्रेनों के संचालन और कोच इंडिकेशन जैसी व्यवस्थाओं को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि इस संबंध में डीआरएम को आवश्यक जानकारी दी जाएगी और आगे की प्रक्रिया रेलवे प्रशासन तय करेगा। उल्लेखनीय है कि सीआरएस के निरीक्षण से पहले ही स्टेशन परिसर और रेलखंड पर तैयारियों का कार्य युद्धस्तर पर किया गया। सोमवार और मंगलवार की रात सैकड़ों अधिकारी और कर्मचारी काम को अंतिम रूप देने में जुटे रहे। इस दौरान स्टेशन परिसर की सूरत भी बदल गई है और कई नई व्यवस्थाएं विकसित की गई हैं।

11 मार्च को होगा 120 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से स्पीड ट्रायल- पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल अंतर्गत मल्हारगढ़-मंदसौर रेलखंड में लगभग 24 किलोमीटर लंबे नए रेलपथ का दोहरीकरण कार्य पूरा हो चुका है। इस रेलखंड में किलोमीटर 267.852 से 291.205 तक नए ट्रैक का निर्माण किया गया है। 11 मार्च को रेल संरक्षा आयुक्त द्वारा इस ट्रैक का निरीक्षण और गति परीक्षण किया जाएगा। गति परीक्षण के दौरान ट्रेन को नई लाइन पर करीब 120 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से दौड़ाया जाएगा, जिससे ट्रैक की मजबूती, तकनीकी मानकों और सुरक्षा व्यवस्था की जांच की जाएगी। रेलवे प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि परीक्षण के दौरान रेलवे ट्रैक से सुरक्षित दूरी बनाए रखें।

शाजापुर कवि सम्मेलन में मुन्ना बैटरी की अभद्र टिप्पणी पर मन्दसौर गुजराती सेन समाज का आक्रोश

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शाजापुर में कुछ दिनों पहले आयोजित कवि सम्मेलन के दौरान कवि मुन्ना बैटरी द्वारा सेन समाज पर की गई अभद्र टिप्पणी से गुजराती सेन समाज में गहरा आक्रोश फैल गया। समाज ने इस घटना को गंभीर मानते हुए कवि मुन्ना बैटरी के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। समाज के प्रतिनिधियों ने सिटी कोतवाली थाना प्रभारी पुष्पेन्द्र सिंह राठौर को ज्ञापन सौंपा और मंगलवार को पुलिस प्रशासन की जनसुनवाई में भी आवेदन प्रस्तुत किया। आवेदन पुलिस अधीक्षक मन्दसौर को दिया। ज्ञापन का वाचन नगर के वरिष्ठ अध्यक्ष शेखर राज चौहान और पार्षद गरिमा भाटी ने किया। ज्ञापन सौंपने के दौरान समाजजन आक्रोशित होकर ÷मुन्ना बैटरी मुर्दाबाद÷ जैसे नारे लगाते रहे। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ समाजसेवी प्रहलाद परिहार, शंभू सेन राठौड़, पूर्व पार्षद बलराम राठौड़ कचनारा, बृजेश टांकवाल, दिनेश सोलंकी, अर्जुन राठौड़, छोटू भाई, अनिल वसा, जितेंद्र भाटी, पप्पू सेन, जगदीश परमार रलायता, गोविन्द पतमामार, राजेश राठौड़, अशोक परमार ढीकोला, अंतिम देवड़ा, प्रदेश महामंत्री उमेश परमार, एडवोकेट दिनेश परमार रलायता किशोर परमार, लाईनमेन संजय परमार, राजेश चौहान, पवन परमार ढीकोला, दिनेश सेन जग्गाखेड़ी सहित अनेक समाजजन उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन नगर के युवा अध्यक्ष राकेश सेन सम्राट ने किया और आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर राकेश सेन सम्राट ने समाजजनों से अपील करते हुए कहा कि ÷यदि भविष्य में समाज के नाम से कोई टिप्पणी या किसी व्यक्ति का शोषण किया गया तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। समाज पूरी ताक़त के साथ अपनी लड़ाई लड़ेगा।

एडीएम श्री कलेश की उपस्थिति में नीमच में जनगणना संबंधी द्वितीय चरण का प्रशिक्षण सम्पन्न

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत की जनगणना 2027 के सफल संचालन और पर्यवेक्षण के लिए जिले में द्वितीय चरण का जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सोमवार को पी.जी.कॉलेज नीमच के कम्प्यूटर लेब में आयोजित किया गया। अपर कलेक्टर श्री बी.एस.कलेश की उपस्थिति में सोमवार को आयोजित इस प्रशिक्षण में बताया गया, कि आगामी जनगणना के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण और मकानों की गणना का कार्य एक से 30 मई 2026 तक किया जाएगा। जनगणना 2027 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए नगरीय और ग्रामीण स्तर पर चार्ज अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। इन्हें जिला स्तर पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण में कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी, अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी, अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी, अनुविभागीय जनगणना अधिकारी, तहसीलदार एवं चार्ज जनगणना अधिकारी, मुख्य नगरपालिका अधिकारी एवं चार्ज जनगणना अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी, जनगणना लिपिक और चार्ज अधिकारी मौजूद थे। जनगणना के जिला प्रभारी श्री संदीप घोरे ने एमएमएस पोर्टल पर हैण्ड्सऑन प्रशिक्षण दिया। उन्होने जिला जनगणना हस्तपुस्तिका, ग्राम निर्देशिका/नगर निर्देशिका अनुसूची एवं प्रकिया प्रवाह का भी हैण्ड्सऑन प्रशिक्षण दिया और प्रगणकों एवं सुपरवाईजर की सूची को एक्सेल में अपलोड कर, नियुक्ति आदेश जारी करने के बारे में भी बताया ।

दुर्घटना पीडित राजू बंजारा को आयुष्मान योजना का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें-श्री चंद्रा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जनसुनवाई करते हुए 71 आवेदकों की समस्याएं सुनी और उनका समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश संबंधित जिला अधिकारियों को दिए है। इस मोके पर जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, एडीएम श्री बी.एस.कलेश सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे। जनसुनवाई में भाटखेडी मनासा के दुर्घटना पीडित राजू पिता ओकार बंजारा ने नीमच के एक निजी चिकित्सालय द्वारा आयुष्मान कार्ड का लाभ नहीं देते हुए उपचार के लिए 1.50 लाख की नगद राशि लेने संबंधी शिकायत पर कलेक्टर ने पीडित राजू को आयुष्मान योजना का लाभ दिलाने और निजी चिकित्सालय द्वारा ली गई उपचार राशि वापिस दिलाने के निर्देश मुख्य चिकित्सा अधिकारी नीमच को दिए है। कलेक्टर ने मनासा क्षेत्र के दांता निवासी गोपाल गरासिया के आवेदन पर उनकी पत्नि गुड्डीबाई की गंभीर बीमारी के उपचार में इस वर्ष की 5 लाख रूपये की आयुष्मान लिमिट पूरी हो जाने पर, रेडक्रास से उपचार सहायता स्वीकृत करने के निर्देश भी रेडक्रास प्रभारी को दिए है। जनसुनवाई में लक्ष्मीपुरा की कंकुबाई, कनावटी के भागीरथ, सरवानिया महाराज के मोहम्मद आसीफ, नीमच के मांगीलाल, गिरदौरडा के किशनसिह, कनावटी की यशोदाबाई, हिंगोरिया की सायराबाई, खिमला के गोपाल बंजारा, जीरन के लालुराम, कंजार्डा की रेखा कुलमोदिया, पालसोड़ा के अमरदास बैरागी, गिरदौड़ा के किशनसिह, टीआईटी कॉलोनी नीमच की अनिता शिंदे, पिपल्या सिंघाडिया के भेरूलाल ने अपनी समस्याएं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए।

नरवाई प्रबंधन में मंदसौर जिला अग्रणी, अलसी डंठल से रेशा बनाने की पहल

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। किसान कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत कृषि क्षेत्र में जिले में विभिन्न नवाचार किए जा रहे हैं, जिनमें नरवाई प्रबंधन एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में सामने आया है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उपसंचालक रविंद्र मोदी ने बताया कि मध्यप्रदेश एक कृषि प्रधान राज्य है और कृषि उत्पादन के क्षेत्र में प्रदेश का महत्वपूर्ण स्थान है।

मंदसौर जिला कृषि विविधता के लिए प्रदेश में अग्रणी है, जहां अनाज, तिलहन, उद्यानिकी, औषधीय, पुष्प एवं सब्जी फसलों का व्यापक उत्पादन किया जाता है। वर्तमान में किसानों द्वारा नरवाई जलाने की समस्या मिट्टी की उर्वरता एवं पर्यावरण के लिए हानिकारक साबित हो रही है। नरवाई जलाने से मिट्टी के पोषक तत्व एवं लाभकारी सूक्ष्म जीव नष्ट हो जाते हैं तथा पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचता है।

राज्य शासन द्वारा नरवाई प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री नरवाई प्रबंधन योजना अंतर्गत कृषि बजट में 37.65 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। यह योजना नरवाई प्रबंधन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

जिले में नरवाई जलाने की घटनाओं को कम करने के लिए जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग द्वारा विशेष पहल की गई है। इसके अंतर्गत एफपीओ मंदसौर एग्रो प्रोड्यूसर कंपनी को अलसी डंठल प्रबंधन के लिए विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया है तथा स्थानीय स्तर पर अलसी डंठल से रेशा निकालने की मशीन विकसित की गई है। इस मशीन के माध्यम से अलसी के डंठल से रेशा निकालकर टेक्सटाइल कंपनियों को विक्रय किया जाएगा। इसके अतिरिक्त कृषि यंत्रीकरण योजना अंतर्गत किसानों को बेलर उपलब्ध कराकर अलसी डंठल को काटकर एकत्रित किया जा रहा है तथा विभिन्न खरीदारों को बेचा जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत अलसी उत्पादक किसानों को एफपीओ द्वारा लगभग 1200 से 1500 रुपए प्रति हेक्टेयर भुगतान किया जाएगा। नरवाई कटाई, बंडल बनाने एवं परिवहन का पूरा खर्च एफपीओ द्वारा वहन किया जाएगा। इस पहल से किसानों को अतिरिक्त आय प्राप्त होगी तथा नरवाई जलाने की घटनाओं में कमी आएगी। जिले में अलसी रबी मौसम की एक महत्वपूर्ण सहायक फसल के रूप में उभर रही है तथा इसका रकबा लगातार बढ़ रहा है। वर्तमान में जिले में लगभग 10 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में अलसी की खेती की जा रही है। कृषि विभाग द्वारा किसानों को अलसी उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। मुख्यमंत्री नरवाई प्रबंधन योजना के माध्यम से किसानों को नरवाई प्रबंधन में और अधिक सुविधा मिलेगी तथा कृषि को पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में यह पहल महत्वपूर्ण सिद्ध होगी।

मोटरसाईकिल से 2 किलो से अधिक अवैध अफीम के साथ एक आरोपी को किया गिरफ्तार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले की साडास थाना पुलिस ने ऑपरेशन त्रिनेत्र के अंतर्गत कार्यवाही करते हुए नाकाबंदी के दौरान एक मोटरसाईकिल से अवैध अफीम 2 किलो 29 ग्राम जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक श्री मनीष त्रिपाठी ने बताया कि महानिरीक्षक पुलिस उदयपुर रेंज उदयपुर श्री गौरव श्रीवास्तव के निर्देश पर नशे के विरूद्ध चलाये जा रहे विशेष ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत मादक पदार्थो के भंडारण एवं परिवहनकर्ताओं के विरूद्ध अधिकाधिक कार्यवाही करने हेतु एएसपी चितौडगढ सरिता सिंह तथा वृत्ताधिकारी गंगरार शिवन्या सिंह के सुपरविजन में थानाधिकारी आजाद पटेल उ.नि. थाना साडास व पुलिस जाप्ता कानि. बाबुलाल, रामलाल, प्रदीप व निखिल द्वारा सरहद लेडा का खेडा पर नाकाबन्दी शुरू की। दौराने नाकाबन्दी लेडा का खेडा गांव की तरफ से एक मोटरसाईकिल आती हुई नजर आई। जिसको पुलिस टीम द्वारा घेरा देकर रूकवाया गया व संदिग्ध होने पर तलाशी ली गई तो बाईक के एयर क्लिनर बॉक्स में एक प्लास्टिक की पारदर्शी थैली मोली से बन्धी हुई नजर आई। जिसमें कुल 2 किलो 29 ग्राम अवैध अफीम होना पाया गया। उक्त अवैध अफीम व बाईक को जब्त कर आरोपी 26 वर्षीय शंकरलाल गुर्जर पुत्र हालुराम गुर्जर निवासी समेलिया, पुलिस थाना रतनगढ जिला नीमच राज्य मध्यप्रदेश को गिरफतार किया जाकर थाना साडास पर एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण पंजिबद्ध किया गया। प्रकरण में अग्रीम अनुसंधान जारी है।

2 अप्रैल को 151 ढोल और 251 दीपकों से होगी श्री बड़े बालाजी की महाआरती

काव्य प्रेमियों के लिए 18 अप्रैल को आयोजित होगा अ.भा. कवि सम्मेलन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सभी के आस्था के केंद्र श्री बड़े बालाजी मंदिर बस स्टैंड पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी हनुमान जन्मोत्सव का पर्व अत्यंत हर्षोल्लास और भव्यता के साथ मनाया जाएगा। 28 मार्च से आरंभ होकर 19 अप्रैल तक चलने वाले इस त्रि-साप्ताहिक धार्मिक अनुष्ठान के दौरान भक्ति, शक्ति और साहित्य की त्रिवेणी बहेगी। आयोजन के मुख्य आकर्षण के रूप में 18 अप्रैल को अखिल भारतीय कवि सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें साहित्य जगत की विशिष्ट विभूति स्व. श्री रामनारायण शर्मा की स्मृति में 'काव्य अलंकरण सम्मान' प्रदान किया जाएगा।

मंदिर समिति के अध्यक्ष पं. दिलीप शर्मा एवं प्रवक्ता रवि ग्वाला ने कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा साझा करते हुए बताया कि उत्सव का विधिवत शुभारंभ 29 मार्च, रविवार को दोपहर 12 बजे से होगा, जहाँ उज्जैन के प्रसिद्ध हरिभक्त मंडल द्वारा संगीतमय सुंदरकांड की सुमधुर प्रस्तुति दी जाएगी। इसके पश्चात 2 अप्रैल, गुरुवार को हनुमान जन्मोत्सव के मुख्य पर्व पर सायं 7 बजे एक ऐतिहासिक विशाल शाही महाआरती का आयोजन होगा। इस महाआरती की भव्यता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसमें मंदसौर के 151 ढोल, कोटा-बूंदी की सुरीली शहनाई, अजयमेरू के विशेष ढोल और उज्जैन से बुलाई गई पुष्पवर्षा मशीनें आकर्षण का केंद्र रहेंगी। तोप, नगाड़े और रंगारंग आतिशबाजी के बीच ख्यातनाम 501 कलाकारों द्वारा विभिन्न वाद्ययंत्रों की मंगलध्वनि के साथ 251 दीपकों से भगवान बालाजी की आरती उतारी जाएगी, जिसके पश्चात भक्तों के बीच महाप्रसाद का वितरण होगा।

हनुमान जन्मोत्सव की श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए 12 अप्रैल, शुक्रवार को प्रातः 11 बजे से शाम 4 बजे तक मंदिर परिसर में एक विशाल शाही महाभंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें हजारों श्रद्धालु सादर आमंत्रित रहेंगे। वहीं 18 अप्रैल, शनिवार की शाम 7 बजे से मंदिर प्रांगण में ही 'विराट कवि सम्मेलन' का आगाज होगा। राष्ट्रीय कवि मुन्ना बैटरी के कुशल सूत्रधारत्व में आयोजित होने वाले इस सम्मेलन में देश के प्रतिष्ठित रचनाकार अपनी काव्य प्रस्तुतियों से श्रोताओं को सराबोर करेंगे। इसी मंच पर स्व. श्री रामनारायण शर्मा काव्य अलंकरण सम्मान समारोह भी गरिमामय ढंग से संपन्न होगा। इस वृहद आयोजन को सफल बनाने के लिए समिति के अध्यक्ष पं. दिलीप शर्मा सहित अनिल कियावत, विनय दुबेला, ज्योतिष गुरू विनोद रूनवाल, विष्णु शर्मा, जितेन्द्र व्यास, नरेश चंदवानी, राजाराम तंवर, चौथमल शर्मा, दिनेश जोशी, अनिल सुराह, हेमन्त सुराह, महेंद्रसिंह सिसौदिया, अनूप माहेश्वरी, मुकेश कुमावत, कपिल सौलंकी, सज्जनलाल खमेसरा, शिवशंकर सोलंकी एवं रवि ग्वाला ने संयुक्त रूप से समस्त धर्मप्रेमी जनता और काव्य प्रेमियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक महोत्सव का लाभ उठाएं।

ओलावृष्टि मुआवजा नहीं मिलने पर कांग्रेस ने झारड़ा बस स्टेंड पर धरना दिया, सौंपा ज्ञापन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विगत माह क्षेत्र में ओलावृष्टि व तेजबारिश से झारड़ा क्षेत्र में अफीम,गेंहू,चना सहित सभी फसलों में भारी नुकसान हुवा था। भाजपा की मोहन यादव सरकार द्वारा किसानों के खातों में आज तक किसी प्रकार की कोई मुआवजा राशि नही डालने के विरोध में मंगलवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी संजीत, मल्हारगढ़ द्वारा झारड़ा बस स्टेंड पर धरना देकर राज्यपाल के नाम ज्ञापन भी सौपा।

धरने को संबोधित करते हुवे जिला कांग्रेस के अध्यक्ष महेन्द्र सिंह गुर्जर ने कहा कि केंद्र की भाजपा की मोदी सरकार एवं प्रदेश की मोहन सरकार किसानों का जमकर शोषण कर रही है किसान लगातार कर्ज में डूबता जारहा है।मोदी ट्रम्प के इशारों पर नाच रहे है भारत के नीतिगत फैसले अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प ले रहे है मोदी सरकार ट्रम्प के निर्णय को मान रही है।क्षेत्र में ओलावृष्टि से हुवे नुकसान की भाजपा सरकार आज तक भरपाई नही कर पाया है किसान खून के आंसू रो रहा है।

प्रदेश कांग्रेस के सचिव एवं क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी रहे जननेता परशुराम सिसौदिया ने क्षेत्रीय विधायक प्रदेश सरकार में डिप्टी सीएम,एवं वित्तमंत्री जगदीश जी देवड़ा पर जमकर निशाना साधते हुवे कहा कि देवडाजी हर जनसभा में कहते नही थकते थे कि चिंता मत करो खजाने की चाबी मेरे पास है पर देवडाजी किसानों के संकट के समय आपने किसानों के लिए खजाने की चाबी आजतक नही खोली ओर चाबी पर जंग लगा दिया। सिसोदिया ने कहा कि वित्तमंत्री आप खुद अपनी आँखों से ओलावृष्टि से हुई तबाही को देखकर गए थे और किसानों से कहा था कि सकंट के इस समय मे सरकार आपके साथ खड़ी है तो फिर किसानों को आज तक बीमा एवं मुआवजा क्यो नही मिला। धरने को जिला पंचायत सदस्य भोपाल सिंह सोलंकी, संजीत ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सत्यनारायण पाटीदार मल्हारगढ़ के विजेश मालेचा,जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष गणपत पंवार, हरमाला, अजित कुमठ, रामचंद्र करुण, बलवंत पाटीदार, शैतान सिंह कित्तुखेड़ी, अर्जुन गुर्जर, श्याम मालवीय, सुभाष पाटीदार, दीपक जोशी, हरिसिंह पंवार, कैलाश बंगारिया, किशोर उनियारा, रामप्रसाद फ़र्किया, दिलीप गुप्ता, पप्पू गुर्जर, दिनेश गुप्ता, आदि ने संबोधित कर भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। इस अवसर पर विनय कुमट, कमल सोलंकी, सुरेश पाटीदार, नरेंद्र डाका, परमानन्द पाटीदार, उदय सिंह बोराना, गणपत सिंह , मदन वर्मा, राहुल कथिरिया, विक्रम पंवार, बबलू पंवार आदि सैकड़ों किसान उपस्थित थे।

जिला पंचायत सीईओ ने ली उत्पादक समूहों की बैठक

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव की अध्यक्षता में सोमवार को जिला एवं विकासखण्ड स्तरीय मिशन स्टाफ तथा वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान गठित 45 उत्पादक समूह सदस्यों की जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रोड्यूसर समूहों के गठन, परिचालन, संचालन, वित्तीय प्रबंधन एवं आर्थिकसशक्तिकरण संबंधी निर्देश दिए गए।

बैठक में सभी 36 प्रोड्यूसर समूहों के बैंक खाते शीघ्र खुलवाने तथा प्रत्येक प्रोड्यूसर समूह द्वारा पिछले 6 माह की आय-व्यय का नियमित लेखा-जोखा रखने के निर्देश दिए गए, साथ ही शासन से प्राप्त राशि का पूर्ण एवं उचित उपयोग सुनिश्चित करने तथा स्वीकृत बिजनेस प्लान के अनुसार जारी कार्यशील पूंजी एवं अधोसंरचना राशि का उपयोगआवश्यक सामग्री एवं संसाधन हेतु करने के भी निर्देश दिए गए।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री वैष्णव ने कहा, कि बेहतर कार्य करने वाले प्रोड्यूसर समूहों की प्रत्येक 6 माह में ग्रेडिंग की जाएगी तथा कमजोर समूहों को उनकी आवश्यकतानुसार विषय आधारित प्रशिक्षण दिया जाएगा। जो प्रोड्यूसर समूह संतोषजनक कार्य नहीं करेंगे, उनके संसाधन संकुल स्तरीय संगठन को वापस जमा कर, अन्य सक्रिय समूहों को कार्य दिया जाएगा।

बैठक में बताया गया, कि स्व सहायता समूहों से जुड़कर समूह की दीदियां विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से अपनी आजीविका को सशक्त बना सकती हैं, जैसे प्रोड्यूसर समूहों के माध्यम से इकाइयों की स्थापना, एक बगिया माँ के नाम योजना, कृषि सखी, बैंक सखी, बीमा सखी एवं पशु सखी के रूप में कार्य किया जा सकता है।

बैठक में लखपति दीदी सर्वे का कार्य पूर्ण कर सत्यापन कराने, शेष स्व सहायता समूहों के बैंक खाते 31 मार्च 2026 तक अनिवार्य रूप से खुलवाकर पोर्टल पर प्रविष्टि कराने तथा वीओ एवं सीएलएफ का कटऑफ डाटा पूर्ण कर मासिक बैठक की प्रविष्टियां करने के निर्देश दिए गए। यह जानकारी परियोजना अधिकारी श्री शम्भू मईड़ा ने दी है।

सांसें रोक देने वाला हादसाः बस के अगले दोनों पहियों के बीच फंसी महिला, मंजर देख हक्के-बक्के रह गए लोग

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच के समीप ग्राम जीरन बस स्टैंड पर मंगलवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक 65 वर्षीय बुजुर्ग महिला चलती बस के नीचे आ गई। हृदय विदारक मंजर देख मौके पर मौजूद लोगों की सांसें थम गईं, लेकिन ईश्वर की कृपा और ड्राइवर की सूझबूझ से एक बड़ा हादसा टल गया। महिला बस के दोनों अगले पहियों के बीच में आ गई थी, जिसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, जीरन बस स्टैंड निवासी बिल्किस बानो (65), पति मोहम्मद हुसैन, मंगलवार सुबह करीब 8 बजे मंदसौर जाने के लिए घर से निकली थीं। वे बस में सवार होने के लिए सड़क पार कर बस के सामने से गुजर रही थीं, तभी चालक ने बस को आगे बढ़ा दिया। महिला अचानक संतुलन खोकर बस के अगले हिस्से के नीचे जा गिरी।

ड्राइवर की सूझबूझ ने बचाई जान- जैसे ही बस आगे बढ़ी, वहां मौजूद लोग चिल्लाने लगे। बस की गति कम थी और चालक ने तत्परता दिखाते हुए तत्काल इमरजेंसी ब्रेक लगा दिए। महिला बस के दोनों अगले पहियों के ठीक बीच में फंसी रही। हादसा देख मौके पर मौजूद महिला के परिजन और स्थानीय लोग तुरंत मदद के लिए दौड़े। उन्हें बड़ी सावधानी से बस के नीचे से बाहर निकाला गया। गनीमत यह रही कि इस भयानक मंजर के बावजूद महिला को कोई गंभीर चोट नहीं आई है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि यह किसी चमत्कार से कम नहीं था कि बस का पहिया महिला के ऊपर से नहीं गुजरा। महिला के परिजनों ने कहा कि मंजर इतना खौफनाक था कि देखने वालों के हाथ-पांव फूल गए थे। लगा कि कोई अनहोनी हो गई, लेकिन अल्लाह का शुक्र है कि अम्मा बिल्कुल सुरक्षित हैं।

सम्पादकीय

दूर का युद्ध, पास का असरः तेल संकट और भारत की चिंता

तेल के वैश्विक बाजार में आई उथल-पुथल ने भारत के शहरी जीवन और अर्थव्यवस्था के सामने नया संकट खड़ा कर दिया है। जब कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर के पार पहुँचीं, तो इसका असर केवल आर्थिक आँकड़ों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सीधे लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी में दिखने लगा। बेंगलुरु जैसे बड़े महानगर में हजारों रेस्तरां द्वारा 10 मार्च से शहरव्यापी बंद की चेतावनी इस संकट की गंभीरता को उजागर करती है। होटल उद्योग का कहना है कि कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति बाधित हो गई है और यदि यह स्थिति जल्दी नहीं सुधरी तो शहर की खाद्य सेवाओं की निरंतरता पर गंभीर असर पड़ सकता है। यह केवल व्यापारिक समस्या नहीं, बल्कि लाखों लोगों की दैनिक भोजन व्यवस्था और हजारों कर्मचारियों के रोजगार से जुड़ा प्रश्न बन चुका है।

युद्ध की आग में झुलसता मध्य पूर्व इस संकट की वास्तविक पृष्ठभूमि है। ईरान, अमेरिका और इज़राइल के बीच बढ़ते सैन्य तनाव ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को अस्थिर कर बाजार में घबराहट फैला दी है। अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों के अनुसार संघर्ष बढ़ने के बाद ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत अचानक उछलकर 119.50 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई और 9 मार्च 2026 को लगभग 105 से 107 डॉलर प्रति बैरल के बीच स्थिर हुई। यह उछाल सामान्य बाजार उतार-चढ़ाव नहीं, बल्कि ऊर्जा आपूर्ति पर मंडराते गंभीर खतरे का संकेत है। युद्ध के शुरुआती दिनों में ही तेल की कीमतों में लगभग 35 से 40 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज हुई, जिसने ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों की चिंता और बढ़ा दी है।

दुनिया के सबसे संवेदनशील समुद्री मार्गों में से एक स्ट्रेट ऑफ होर्मुज इस संकट का केंद्र बन गया है। वैश्विक तेल व्यापार का लगभग पाँचवाँ हिस्सा और एलएनजी की बड़ी मात्रा इसी संकीर्ण जलमार्ग से गुजरती है। युद्ध और बढ़ते सुरक्षा जोखिमों के कारण यहां से गुजरने वाले जहाजों की आवाजाही अनिश्चित हो गई है, जिससे आपूर्ति बाधित होने की आशंका बढ़ी है। कई शिपिंग कंपनियों ने अतिरिक्त सुरक्षा कारणों से सेवाएँ सीमित कर दी हैं और बीमा प्रीमियम भी तेजी से बढ़ गए हैं। परिणामस्वरूप तेल परिवहन की लागत बढ़ी और वैश्विक बाजार में कीमतें और ऊपर चली गईं। यही वजह है कि ऊर्जा बाजार में अस्थिरता लगातार बनी हुई है।

भारत जैसे ऊर्जा-आयातक देश के लिए यह स्थिति विशेष रूप से गंभीर है। देश अपनी कुल तेल जरूरतों का लगभग 85 से 90 प्रतिशत आयात करता है और इसका बड़ा हिस्सा मध्य पूर्व से आता है। ऐसे में इस क्षेत्र में युद्ध या आपूर्ति संकट का सीधा असर भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ता है। तेल की कीमतें बढ़ने का अर्थ है कि आयात बिल के लिए अधिक विदेशी मुद्रा खर्च करनी पड़ेगी। इससे चालू खाता घाटा बढ़ने और रुपये की विनिमय दर पर दबाव पड़ने की आशंका रहती है। यही कारण है कि वैश्विक ऊर्जा संकट को भारत के आर्थिक नीति-निर्माता हमेशा अत्यंत गंभीरता से देखते हैं।

बेंगलुरु में उभरा रेस्तरां संकट इसी व्यापक समस्या का स्थानीय उदाहरण है। शहर के होटल और रेस्तरां संचालकों का कहना है कि कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति बाधित होने से उनके लिए नियमित रूप से भोजन तैयार करना कठिन हो गया है। यदि गैस आपूर्ति जल्द सामान्य नहीं हुई तो हजारों भोजनालयों पर संकट गहरा सकता है। आईटी उद्योग के कारण शहर में बड़ी संख्या में छात्र, पेशेवर और कामकाजी लोग रेस्तरां व फूड आउटलेट्स पर निर्भर रहते हैं। ऐसे में इन सेवाओं में व्यवधान केवल व्यापार तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि शहर की सामाजिक-आर्थिक गतिविधियों को भी प्रभावित करेगा। इसी कारण होटल उद्योग संगठनों ने सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

तेल की कीमतों में वृद्धि का प्रभाव केवल गैस आपूर्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह पूरे आर्थिक ढांचे को प्रभावित करता है। कच्चा तेल महंगा होते ही परिवहन लागत बढ़ती है और इसका असर लगभग हर वस्तु की कीमत पर पड़ता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि तेल की कीमत में हर 10 डॉलर की वृद्धि से भारत में महंगाई दर लगभग 0.2 से 0.25 प्रतिशत तक बढ़ सकती है। इसका अर्थ है कि खाद्य पदार्थों से लेकर रोजमर्रा की जरूरतों तक सब कुछ महंगा हो सकता है। यदि कीमतें लंबे समय तक 100 डॉलर से ऊपर बनी रहीं, तो यह महंगाई के नए दौर की शुरुआत कर सकती हैं, जिसका सबसे अधिक असर मध्यम और निम्न आय वर्ग पर पड़ेगा।

आर्थिक विश्लेषकों के अनुसार ऊर्जा कीमतों में तेज उछाल भारत की आर्थिक वृद्धि को भी प्रभावित कर सकता है। यदि तेल लंबे समय तक महंगा बना रहता है तो देश की जीडीपी वृद्धि दर में लगभग 0.15 से 0.4 प्रतिशत तक गिरावट आ सकती है। इसके साथ ही शेयर बाजार में अस्थिरता बढ़ सकती है, रुपया कमजोर पड़ सकता है और सरकारी वित्तीय संतुलन पर भी दबाव बढ़ सकता है। सरकार यदि करों में कटौती या सब्सिडी के जरिए राहत देने की कोशिश करती है तो राजकोषीय घाटा बढ़ने की आशंका भी रहती है। इसलिए यह संकट आर्थिक नीति के लिए एक जटिल चुनौती बन गया है, जिसमें संतुलन बनाए रखना बेहद जरूरी है।

आत्मारूपी दर्पण का दर्शन ही धर्म पथ की यात्रा का प्रारंभ है

श्री माताजी प्रणित सहजयोग ध्यान हमें हमारी बाह्य भौतिकता से मुक्त कर हमारे आत्मस्वरुप पर ध्यान करने की कला सिखाता है। यूं तो हम हमारी पंच ज्ञानेंद्रियों से केवल बाह्य जगत देख रहे हैं परंतु आत्मसाक्षात्कार प्राप्ति के बाद हम अपने आंतरिक सौंदर्य की झलक देख सकते हैं। ईश्वर की महिमा को अनुभूत कर सकते हैं। जब हमारी आदि मां कुंडलिनी भवसागर को पार करती है तो हममें धर्म जागृत होता है। धर्म की इस चैतन्यमयी अमृत धारा का अनेक गुणों के रूप में आप आनंद ले सकते हैं। परंतु इसे आप किसी पर थोप नहीं सकते है। हर किसी को धर्म रस का यह अमृतपान स्वयं ही करना होता है। धर्म आपकी अपनी एकाग्रता है, भीतर की ओर। जैसे आप किसी को कुछ दान देना चाहते हैं तो वह केवल आपके और परमात्मा के बीच की बात होती है उसका बाहर कोई दिखावा नहीं होता। धर्म का आनंद तभी महसूस किया जा सकता है जब वह स्वयं तक सीमित हो वह साझा नहीं किया जा सकता। गुण साझा नहीं किए जा सकते। यदि कोई व्यक्ति गुणी है तो आप उसका समर्थन कर सकते हैं लेकिन उस धर्म का आनंद वह रस हृदय में गिरता है उसका आनंद कोई और नहीं भोग सकता। आप अपनी पवित्रता का आनंद स्वयं लेते हैं और यह बहुत सुखद व मधुर होता है। इसे पाने के लिए आपको अपने आत्मरूपी दर्पण को जानना होगा। इसे जानने के लिए श्री माताजी ने एक सुंदर दृष्टांत दिया है। वे कहते हैं, ईश्वर जो सौंदर्य का स्त्रोत हैं वे अपने ही सौंदर्य को नहीं देख सकते। जैसे एक मोती अपने भीतर प्रवेश करके अपने सौंदर्य को नहीं देख सकता, आकाश अपने सौंदर्य को नहीं समझ सकता। सूर्य व तारे अपनी प्रभा को नहीं देख सकते, इसी प्रकार सर्व शक्तिमान ईश्वर भी अपने स्वरूप को नहीं देख सकते उन्हें एक दर्पण की आवश्यकता होती है और इसी कारण उन्होंने इस सुंदर सृष्टि को अपने दर्पण के रूप में रचा है। प्रकृति के अनेक घटकों की रचना करने बाद उन्होंने मनुष्य की रचना की, परंतु अनेक योनियों में भटकने के बाद मिले इस जीवन को हम नशीले पदार्थ, अतिवाद, भौतिकता आदि में फंसकर नष्ट कर देते हैं। इसीलिए फंसता है क्योंकि वह नहीं जानता कि वह कितना महान है आनंद दायक और संपूर्ण है। परम पूज्य श्री माताजी कहते हैं कि हमने आप सभी साधकों के लिए एक दर्पण की खोज की है - वह है आत्मा का दर्पण। श्री माताजी कहते हैं, कि आत्म साक्षात्कार के पश्चात जो भी साधक आत्मा को अपनी चेतना, अपने चित्त में लाएगा वह उसमें अपना सुंदर प्रतिबिंब देख सकेगा और अपने भीतर के सारे कुविचार, कुसंस्कार और विनाशकारी चीजों को अनायास ही छोड़कर अपनी आनंद यात्रा पर निकल सकेगा।

वैश्विक युद्धोन्माद के बीच विश्व शांति की पुकार

द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद विश्व ने एक ऐसी व्यवस्था बनाने की कोशिश की थी जिसमें शक्ति को नियमों और संस्थाओं के माध्यम से नियंत्रित किया जा सके। लगभग आठ दशकों तक यह वैश्विक व्यवस्था अनेक उतार-चढ़ावों के बावजूद किसी-न-किसी रूप में कायम रही। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं, बहुपक्षीय समझौते, कूटनीतिक संवाद और साझा नियम-इन सबका उद्देश्य यही था कि दुनिया 'मत्स्य-न्याय' यानी शक्तिशाली द्वारा कमजोर को निगल जाने की प्रवृत्ति से बची रहे। इसी सोच के तहत युनाइटेट नेशनस्, वर्ल्ड ट्रेड ऑरगेनाइजेशन, वर्ल्ड हेल्थ ऑरगेनाइजेशन, यूनेस्को और अनेक अंतरराष्ट्रीय मंचों की स्थापना हुई। इन संस्थाओं ने विश्व राजनीति को पूरी तरह आदर्श नहीं बनाया, लेकिन उन्होंने कम-से-कम इतना अवश्य सुनिश्चित किया कि शक्ति के साथ नियम और नैतिकता का एक आवरण बना रहे। परंतु आज यह व्यवस्था अभूतपूर्व संकट के दौर से गुजर रही है।

विश्व राजनीति में एक नया रुझान तेजी से उभर रहा है जिसमें सहयोग, संवाद और बहुपक्षीयता की जगह एकपक्षीय कार्रवाई, सैन्य शक्ति और त्वरित लाभ की मानसिकता को प्राथमिकता दी जा रही है। विशेष रूप से डोनाल्ड ट्रम्प के नेतृत्व में अमेरिका की नीतियों ने इस प्रवृत्ति को और तेज कर दिया है। जो देश कभी वैश्विक नियम-आधारित व्यवस्था का प्रमुख निर्माता और संरक्षक था, वही अब अनेक अंतरराष्ट्रीय समझौतों और संस्थाओं से दूरी बनाता दिखाई देता है। ट्रंप के पहले कार्यकाल में ही यह संकेत मिल गया था जब अमेरिका ने पेरिस क्लाइमेंट अग्रीमेंटस्, इरान न्यूक्लियर डील्स्, विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनेस्को जैसी संस्थाओं से खुद को अलग करने की प्रक्रिया शुरू की। इन कदमों का संदेश यह था कि यदि किसी समझौते से तात्कालिक राष्ट्रीय हित प्रभावित होते हैं तो उसे छोड़ देना ही बेहतर है। इससे वैश्विक सहयोग की उस भावना को गहरा आघात पहुंचा, जो दशकों से अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की आधारशिला रही है।

आज स्थिति और भी जटिल हो गई है। दुनिया के कई हिस्सों में युद्ध और संघर्ष सामान्य घटनाओं की तरह स्वीकार किए जाने लगे हैं। चार वर्षों से जारी रुस-यूक्रेन युद्ध और दो वर्षों से चल रहा गाजा युद्ध इसका सबसे दुखद एवं विडम्बनापूर्ण उदाहरण हैं। इन संघर्षों ने लाखों लोगों के जीवन को संकट में डाल दिया है, शहरों को खंडहर में बदल दिया है और वैश्विक अर्थव्यवस्था को अस्थिर बना दिया है। युद्ध की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि वह किसी स्थायी समाधान की ओर नहीं ले जाता। युद्ध में विजय का दावा करने वाले भी अंततः विनाश और पीड़ा के साथ ही जीते हैं। इतिहास गवाह है कि युद्ध ने कभी भी मानवता को गौरव नहीं दिया; उसने केवल तबाही, भय और अस्थिरता को जन्म दिया है। युद्ध के परिणामस्वरूप पर्यावरण का भारी नुकसान होता है, आर्थिक संसाधन नष्ट हो जाते हैं, महंगाई बढ़ती है, रोजगार के अवसर घटते हैं और समाज में असुरक्षा तथा अविश्वास की भावना गहरी हो जाती है।

आज विश्व के सामने सबसे बड़ी चिंता यह है कि युद्ध और हिंसा धीरे-धीरे सामान्यीकृत होते जा रहे हैं। अनेक बार युद्ध का उद्देश्य वास्तविक समाधान नहीं बल्कि घरेलू राजनीति में छवि निर्माण, शक्ति प्रदर्शन या आंतरिक संकटों से ध्यान हटाना बन जाता है। ऐसी परिस्थितियों में वैश्विक नैतिकता और अंतरराष्ट्रीय कानून दोनों कमजोर पड़ते हैं। यदि शक्तिशाली देश ही नियमों को तोड़ने लगें तो पूरी व्यवस्था की विश्वसनीयता खतरे में पड़ जाती है। मानवाधिकारों के प्रश्न पर भी दोहरे मानदंड दिखाई देते हैं। किसी एक देश की आलोचना की जाती है, लेकिन उसी तरह के कृत्यों पर दूसरे देशों के संदर्भ में चुप्पी साध ली जाती है। इससे मानवाधिकार एक सार्वभौमिक मूल्य के बजाय भू-राजनीतिक बहस का उपकरण बन जाते हैं। यदि विश्व समुदाय वास्तव में मानवता की रक्षा करना चाहता है तो उसे हर देश के लिए समान मानदंड अपनाने होंगे। इन परिस्थितियों में यह प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या दुनिया फिर से उस दौर की ओर बढ़ रही है जहां ÷जिसकी लाठी उसकी भैंस÷ ही अंतरराष्ट्रीय राजनीति का नियम बन जाएगा। यदि ऐसा हुआ तो यह केवल छोटे देशों के लिए ही नहीं बल्कि पूरी मानव सभ्यता के लिए गंभीर खतरा होगा।

भारत का ऐतिहासिक दृष्टिकोण इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। स्वतंत्रता के बाद से भारत ने संप्रभुता, गैर-हस्तक्षेप और बहुपक्षीय सहयोग की नीति का समर्थन किया है। भारत का यह विश्वास रहा है कि वैश्विक समस्याओं का समाधान केवल सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। यही कारण है कि भारत ने हमेशा शांति, संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता दी है। आज जब विश्व व्यवस्था डगमगा रही है, तब भारत की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत न केवल एक उभरती आर्थिक शक्ति है बल्कि एक ऐसी सभ्यता का प्रतिनिधि भी है जिसने सदियों से अहिंसा, सह-अस्तित्व और मानवता के मूल्यों को महत्व दिया है। महात्मा गांधी की अहिंसा की परंपरा और भारत की आध्यात्मिक विरासत आज भी विश्व को दिशा दे सकती है।

इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने बढ़ते वैश्विक प्रभाव का उपयोग विश्व शांति की दिशा में और अधिक सक्रिय रूप से करें। पिछले वर्षों में भारत ने कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर शांति, सहयोग और विकास की बात को प्रमुखता से उठाया है। अब समय आ गया है कि इस पहल को और व्यापक बनाया जाए। भारत को चाहिए कि वह वैश्विक स्तर पर युद्धविराम, संवाद और कूटनीतिक समाधान के लिए पहल करे।

रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष हो या पश्चिम एशिया की त्रासदी-इन सबके समाधान के लिए संवाद की नई पहल आवश्यक है। भारत यदि मध्यस्थता और शांति प्रयासों में सक्रिय भूमिका निभाए तो वह विश्व राजनीति में एक संतुलनकारी शक्ति बन सकता है। इसके साथ ही परमाणु हथियारों और शस्त्रों की होड़ पर भी गंभीर चिंतन आवश्यक है। आज दुनिया में जिस गति से आधुनिक हथियारों का भंडार बढ़ रहा है, वह मानवता के लिए गंभीर खतरा है। किसी भी क्षण किसी राष्ट की नासमझी या राजनीतिक महत्वाकांक्षा पूरी दुनिया को विनाश के कगार पर ला सकती है। इसलिए निशस्त्रीकरण और हथियार नियंत्रण की दिशा में नए अंतरराष्ट्रीय प्रयासों की आवश्यकता है।

यदि विश्व समुदाय मिलकर युद्ध के स्थान पर संवाद और सहयोग को अपनाए तो न केवल वैश्विक स्थिरता कायम होगी बल्कि मानवता विकास और समृद्धि के नए मानक भी स्थापित कर सकेगी। यही आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है और यही भविष्य की सबसे बड़ी आशा भी। आज जब विश्व युद्ध, हिंसा और शक्ति-प्रतिस्पर्धा के तनाव से जूझ रहा है, तब दुनिया की निगाहें स्वाभाविक रूप से भारत की ओर उठती हैं। भारत वह धरती है जहाँ शांति, सह-अस्तित्व और अहिंसा केवल राजनीतिक नीतियाँ नहीं बल्कि जीवन-दर्शन के रूप में विकसित हुए हैं। इसी भूमि से ÷वसुधैव कुटुम्बकम् का वह महान मंत्र निकला जिसने संपूर्ण मानवता को एक परिवार के रूप में देखने की दृष्टि दी। महात्मा गांधी ने इसी भारतीय परंपरा को आधुनिक युग में अहिंसा की शक्तिशाली राजनीतिक और नैतिक शक्ति के रूप में स्थापित किया और दुनिया को बताया कि संघर्षों का समाधान हिंसा से नहीं बल्कि सत्य, करुणा और संवाद से संभव है। भारत की आध्यात्मिक विरासत-जिसमें महावीर और गौतम बुद्ध जैसे महापुरुषों की शिक्षाएँ समाहित हैं, मानवता को यह संदेश देती है कि शांति ही स्थायी विकास और वैश्विक संतुलन का आधार है। आज की अस्थिर वैश्विक परिस्थितियों में भारत की यही अहिंसात्मक दृष्टि, उसकी आध्यात्मिक शक्ति और सर्वहित की भावना विश्व को एक नई दिशा दे सकती है तथा मानवता को संघर्ष की अंधी दौड़ से निकालकर सहयोग, सद्भाव और स्थायी शांति के मार्ग पर अग्रसर कर सकती है।

-ललित गर्ग

लोकतंत्र का उपहास उड़ाती रेवड़ी संस्कृति, अब लगाम जरूरी

अभी हाल में सुप्रीम कोर्ट ने सरकारों द्वारा चुनावी राजनीति के दृष्टिगत मुफ्त सुविधाएं बांटने वाली प्रवृत्ति की कड़ी आलोचना की। ऐसी राजनीति को देश के आर्थिक विकास में बाधक बताते हुए कोर्ट ने कहा कि समर्थ लोगों को भी मुफ्त सुविधाएं देना गलत है और ऐसी सुविधाएं बांटने की बजाय सरकारों को रोजगार पैदा करने पर ध्यान देना चाहिए। कोर्ट तमिलनाडु सरकार द्वारा दायर एक रिट याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें विद्युत संशोधन नियम 2024 के उस नियम 23 को रद करने की मांग की गई थी, जो राज्य सरकार द्वारा गरीब-अमीर, सभी को मुफ्त बिजली आवंटन के उसके प्रस्ताव में बाधा बन रहा था। सुनवाई के दौरान करदाताओं के पैसे का मुफ्त सुविधाओं और कैश ट्रांसफर के लिए अंधाधुंध उपयोग करने पर भी कोर्ट ने गहरी चिंता व्यक्त की। उसने इस पर हैरानी जताई कि वित्तीय घाटे के बावजूद राज्य सरकारें मुफ्तखोरी को बढ़ावा दे रही हैं और इन योजनाओं के लाभार्थियों में संपन्न लोग भी शामिल हैं।

चुनाव पूर्व इस वित्त वर्ष के लिए पेश तमिलनाडु के बजट में लगभग 99,000 करोड़ की राशि कैश ट्रांसफर, सब्सिडी और मुफ्त योजनाओं के लिए आवंटित की गई है। यह राशि समूचे बजट की एक तिहाई बनती है, जबकि विकास कार्यों में खर्च होने वाली राशि इस व्यय की आधी यानी करीब 47,000 करोड़ है। बजट राशि का ऐसा बेपरवाह आवंटन एक राजनीतिक प्रवृत्ति बन गया है और इसके दुष्परिणाम अनेक राज्यों में देखे जा सकते हैं। यह विडंबना ही है कि सुप्रीम कोर्ट की ओर से रेवड़ी संस्कृति पर चिंता जताए जाने के बीच ही अभिनेता से नेता बने विजय ने घोषणा की कि उनके दल टीवीके की सरकार बनने पर 60 साल की उम्र तक की महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपये की आर्थिक सहायता, हर परिवार को साल में छह मुफ्त एलपीजी सिलेंडर, दिए जाएंगे।

उन्होंने अन्य लोकलुभावन घोषणाएं करते हुए युवतियों की शादी के समय आठ ग्राम सोना और एक रेशमी साड़ी देने का भी वादा किया। ऐसी योजनाओं ने कई राज्यों के राजकोष पर भारी दबाव बनाया है। पंजाब की स्थिति विशेषकर खराब है। यहां कुल राजस्व प्राप्ति का 18 प्रतिशत बिजली की सब्सिडी में ही व्यय हो रहा है। राज्य के बजट का 10 प्रतिशत से भी कम आवंटन विकास परियोजनाओं की मद में हो रहा है। बिजली सब्सिडी के अलावा अन्य लाभार्थी योजनाओं के चलते पंजाब का वित्तीय प्रबंधन इतना खराब हो चला है कि ऋृण से राज्य सकल घरेलू उत्पाद यानि डेट टू एसजीडीपी रेशियो 45 से 46 प्रतिशत के करीब आ पहुंचा है। जबकि राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन यानी एफआरबीएम समिति इसे 20 प्रतिशत पर रखने का सुझाव देती है।

-धनंजय राजौरा

हवा में कैद सांसें, प्रदूषण महामारी से ज्यादा हानिकारक

पर्यावरण प्रदूषण का चौतरफा प्रहार आज मानव सभ्यता के अस्तित्व को चुनौती दे रहा है। प्रकृति के सुगठित संतुलन में जब अपशिष्ट तत्व अनियंत्रित रूप से मिलते हैं, तब वातावरण प्रदूषित होकर जीवन के लिए विष बन जाता है। प्रदूषण के कई आयाम हैं वायु, जल, भूमि, ध्वनि किन्तु वायु प्रदूषण इन सभी में सर्वाधिक घातक और संहारक सिद्ध हुआ है। यह मानव जीवन की सबसे मूलभूत आवश्यकता ÷साँस÷ को ही संकटग्रस्त कर रहा है। आकाश में तैरते सूक्ष्म प्रदूषण-कण, उद्योगों से निकलती जहरीली गैसें, वाहनों की धुएँ की लकीरें और मशीनों की निरंतर तपन इन सबने मिलकर हवा को एक अदृश्य हथियार बना दिया है, जो हर क्षण हमारे फेफड़ों को चीरने का काम कर रहा है। अब स्थिति इतनी भयावह हो गई है कि स्वच्छ हवा में सांस लेना भी एक दुर्लभ सौभाग्य लगने लगा है।वायु प्रदूषण केवल आँकड़ों का विषय नहीं, बल्कि अस्तित्व का संकट है। विश्व-स्तर पर हुए वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि भारत में प्रदूषित वायु के कारण जीवन प्रत्याशा सामान्यतः 10 से 15 वर्ष तक घट सकती है। हमारा देश विश्व के सर्वाधिक प्रदूषित देशों में गिना जा रहा है, जहाँ लगभग 40त्न जनसंख्या विषाक्त वायु की गिरफ्त में है। महानगर तो जैसे धुएँ की क़ैद बन चुके हैं–दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, रायपुर, इंदौर और अनेक औद्योगिक नगर प्रदूषण के शिखर पर हैं, जहाँ बचपन, बुढ़ापा और रोगग्रस्त शरीर मृत्यु के सबसे बड़े जोखिम पर खड़े हैं। अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और फेफड़ों से जुड़ी बीमारियाँ रोज़गार, शिक्षा और सामान्य पारिवारिक जीवन की गति को बाधित कर रही हैं। स्मॉग की मोटी चादर अब सुबह की ओस या शाम की धूप से अधिक दिखाई देने लगी है। सूर्य भी धुएँ की कोहरे में अपनी किरणों को खो बैठा है।

कोविड-19 महामारी के दौरान स्थिति और भी भयावह रूप में सामने आई। फेफड़ों की शक्ति कमज़ोर कर चुकी प्रदूषित हवा ने वायरस के प्रहार को और घातक बना दिया। जिन लोगों के फेफड़े प्रदूषण से पहले ही क्षतिग्रस्त थे, वे महामारी की चपेट में अधिक संख्या में जाने लगे। यह तथ्य एक भयानक चेतावनी की तरह है–भविष्य में किसी भी महामारी का सबसे बड़ा सहयोगी प्रदूषित हवा बन सकती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार भारत की हवा में प्रदूषक सूक्ष्म कणों की उपस्थिति स्वस्थ मानक से लगभग सात गुना अधिक पाई गई है। यह स्थिति मानव सभ्यता के लिए अलार्म बेल है क्योंकि यह प्रदूषण समान रूप से सबको अपने वश में लेता है; चाहे अमीर हो या गरीब, शहरी हो या ग्रामीण, वृद्ध हो या नवजात। विषैली हवा सीमाओं और वर्गों के बीच कोई भेदभाव नहीं करती वह सीधा फेफड़ों पर हमला करती है।

प्रदूषण का विस्तार केवल वैज्ञानिक तथ्य नहीं, बल्कि सामाजिक-सांस्कृतिक त्रासदी है, क्योंकि मनुष्य का प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर रहना चिरकालीन सत्य है। प्रकृति हमारी माता है, और हमने उसके असीम संसाधनों का उपयोग करते समय उसकी मर्यादा को भुला दिया है। जंगल कटे, नदियाँ दम तोड़ने लगीं, नदियों की शुद्धाँश रेत बन कर बिकने लगी और हवा में जीवन की सुगंध स्थानांतरित होकर धुएँ की कड़वाहट में बदल गई। आज आकाश में तारे नहीं, धूल-कण चमकते हैं; हवा में फूलों की महक नहीं, रसायनों की चुभन है। यह सिर्फ पर्यावरण का दुरुपयोग नहीं, बल्कि मानव संवेदनाओं की हत्या है।औद्योगिक विस्तार, वाहनों की अनियंत्रित वृद्धि, कोयला, पेट्रोल-डीज़ल का अत्यधिक दहन, एयर-कंडिशनिंग, शहरी निर्माणों की असीम दौड़, खेतों में पराली का जलना, उर्वरकों-कीटनाशकों का भयानक प्रयोगये सभी कारण मिलकर प्रदूषण की विस्फोटक स्थिति को जन्म दे रहे हैं। समाधान के नाम पर कानून हैं, पर क्रियान्वयन अधूरा। योजनाएँ हैं, पर ज़मीन पर प्रतिबद्धता नहीं। विकास की अंधी दौड़ में हम यह भूल गए कि बिना स्वच्छ हवा के कोई भविष्य संभव नहीं।

आज सबसे बड़ी आवश्यकता है वृक्षारोपण का राष्ट्रीय आंदोलन। जितने उद्योग हम खड़े करते हैं, उससे अनेक गुना अधिक संख्या में वृक्ष लगाना ही हमारा कर्तव्य होना चाहिए। जंगलों और हरियाली का संरक्षण देश की जीवनरेखा है। पेड़ केवल हरियाली नहीं, जीवन का कलेवर हैं–वे हवा को शुद्ध करते हैं, धरती के ताप को नियंत्रित रखते हैं, वर्षा चक्र को संतुलित करते हैं और जीवन में ऑक्सीजन का आशीर्वाद देते हैं। यदि हम वृक्षों को खो देंगे, तो तकनीक की कोई भी उन्नति हमें जीवन नहीं दे सकती। साथ ही, प्रदूषण नियंत्रण के लिए उद्योगों और वाहनों पर कठोर नियम लागू करने, वैकल्पिक ऊर्जा (सौर, पवन, जल) को व्यापक स्तर पर अपनाने, सार्वजनिक परिवहन को सशक्त बनाने, और दहन के सभी अनियंत्रित स्रोतों पर प्रतिबंध लगाने की आवश्यकता है।

वायु प्रदूषण का सबसे घातक प्रभाव नौनिहालों और बुजुर्गों पर पड़ता है। बच्चे जब दुनिया में आते हैं, तो उनके पहले उपहार के रूप में प्रदूषित हवा फेफड़ों को कमजोर कर देती है, और बुजुर्ग जीवन की अंतिम साँसें भी कठिनाई से लेते हैं। यह विडम्बना है कि जीवन की शुरुआत और अंत दोनों प्रदूषण की पीड़ा से घिरे हैं। अब वह समय आ चुका है जब हमें वायु प्रदूषण के विरुद्ध युद्ध स्तर पर लड़ाई लड़नी होगी। यदि हम अभी नहीं जागे, तो भविष्य का इतिहास हमें क्षमा नहीं करेगा। कोरोना की महामारी ने हमें स्वच्छ हवा के मूल्य को समझाया है–अब आवश्यकता है कि हम इस मूल्य को बचाने की जिद करें। हवा का अधिकार हर नागरिक का मौलिक अधिकार है और इसे सुरक्षित रखना सरकार, समाज और प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। आइए संकल्प लें प्रकृति के साथ संघर्ष नहीं, संवाद करेंगे, उसे लूटेंगे नहीं, संवारेंगे विकास का मार्ग चुनेंगे पर जीवित मानवता की कीमत पर नहीं स्वच्छ हवा, स्वच्छ विचार और स्वच्छ आत्मा ही एक स्वस्थ राष्ट की पहचान बने।

-संजीव ठाकुर

फॉलोअर्स की भूख और रिश्तों की नीलामी

डिजिटल युग ने अभिव्यक्ति के नए दरवाजे खोले हैं। इंटरनेट और सोशल मीडिया ने हर व्यक्ति को अपनी बात दुनिया तक पहुँचाने का अवसर दिया है। पहले जहां सूचना और मनोरंजन के साधन सीमित थे, वहीं आज कोई भी व्यक्ति अपने मोबाइल फोन के जरिए वीडियो बना सकता है, ब्लॉग लिख सकता है और लाखों लोगों तक अपनी बात पहुँचा सकता है। यह बदलाव लोकतांत्रिक भी है और प्रेरणादायक भी। लेकिन हर बदलाव के साथ कुछ नई चुनौतियाँ भी जन्म लेती हैं।

आज सोशल मीडिया की दुनिया में लोकप्रियता की एक नई परिभाषा बन चुकी है–फॉलोअर्स, लाइक्स, शेयर और व्यूज़। जितने ज्यादा ये आंकड़े होते हैं, उतना ही किसी व्यक्ति को सफल माना जाता है। इसी होड़ ने कई कंटेंट क्रिएटर्स को ऐसी राह पर ला खड़ा किया है, जहां निजी जीवन की मर्यादाएं भी कंटेंट का हिस्सा बनती जा रही हैं।

बीते कुछ वर्षों में एक नया ट्रेंड तेजी से उभरा है–पारिवारिक झगड़ों और निजी विवादों को कैमरे के सामने लाकर सोशल मीडिया पर साझा करना। पति-पत्नी के विवाद, भाई-बहन के मतभेद, सास-बहू की तकरार या परिवार के अंदर की छोटी-छोटी बहसें–जो पहले घर की चारदीवारी में सुलझा ली जाती थीं–अब वीडियो और पोस्ट के रूप में लाखों दर्शकों के सामने परोसी जा रही हैं।

कई यूट्यूबर्स और ब्लॉगर इसे रियल लाइफ कंटेंट का नाम देते हैं। उनका तर्क होता है कि दर्शक वास्तविकता देखना चाहते हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या हर वास्तविक घटना को सार्वजनिक करना जरूरी है? क्या निजी रिश्तों को दर्शकों की जिज्ञासा के लिए खोल देना उचित है?

असल में सोशल मीडिया का एल्गोरिथ्म भी इस प्रवृत्ति को बढ़ावा देता है। जिस कंटेंट में विवाद, भावनात्मक प्रतिक्रिया या सनसनी होती है, वह तेजी से वायरल होता है। लोग ऐसे वीडियो पर ज्यादा कमेंट करते हैं, अपनी राय देते हैं और कभी-कभी पक्ष या विपक्ष में बहस भी करते हैं। यही कारण है कि कुछ क्रिएटर्स जानबूझकर ऐसे विषय चुनते हैं जो लोगों की भावनाओं को भड़का सकें।

दुर्भाग्य की बात यह है कि कई बार ये झगड़े वास्तविक होते हैं और परिवार के सदस्यों की निजता दांव पर लग जाती है। एक छोटी सी तकरार को कैमरे के सामने लाकर बड़ा मुद्दा बना दिया जाता है। इससे न केवल रिश्तों की गरिमा प्रभावित होती है, बल्कि परिवार के अन्य सदस्यों–विशेषकर बच्चों–पर भी इसका नकारात्मक असर पड़ सकता है।

कुछ मामलों में तो यह भी देखने में आया है कि विवादों को जानबूझकर बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है या फिर पूरी तरह से स्क्रिप्टेड होता है। यानी झगड़ा असली नहीं होता, लेकिन उसे असली दिखाने की कोशिश की जाती है ताकि दर्शकों का ध्यान खींचा जा सके। यह स्थिति मनोरंजन और वास्तविकता के बीच की रेखा को धुंधला कर देती है।

सोशल मीडिया के इस दौर में वायरल होना ही सफलता का पर्याय बन गया है। जब किसी वीडियो को लाखों व्यूज़ मिलते हैं और हजारों नए फॉलोअर्स जुड़ते हैं, तो क्रिएटर को लगता है कि उसने सही रास्ता चुना है। लेकिन यह लोकप्रियता अक्सर क्षणिक होती है। जिस विवाद ने एक दिन दर्शकों का ध्यान खींचा, वही अगले दिन किसी और नए विवाद से दब जाता है।

इस प्रवृत्ति का एक सामाजिक पहलू भी है। जब दर्शक बार-बार ऐसे कंटेंट देखते हैं, तो धीरे-धीरे उन्हें यह सामान्य लगने लगता है कि निजी रिश्तों को सार्वजनिक मंच पर लाकर चर्चा का विषय बनाया जाए। इससे समाज में गोपनीयता और मर्यादा की भावना कमजोर पड़ सकती है।

हमारे समाज में परिवार को हमेशा एक मजबूत संस्था माना गया है। परिवार केवल साथ रहने की व्यवस्था नहीं है, बल्कि भावनात्मक सुरक्षा, विश्वास और आपसी समझ का आधार भी है। जब परिवार के अंदर की समस्याओं को सार्वजनिक तमाशा बना दिया जाता है, तो यह उस भरोसे को कमजोर करता है जो रिश्तों की नींव होता है।

इसके अलावा, सोशल मीडिया पर आने वाले दर्शकों में बड़ी संख्या युवा और किशोरों की भी होती है। वे जो कुछ देखते हैं, उससे प्रभावित होते हैं। अगर वे बार-बार यह देखेंगे कि लोकप्रियता पाने के लिए निजी विवादों को सार्वजनिक करना सामान्य बात है, तो उनके मन में भी यही धारणा बन सकती है कि जीवन में सफलता के लिए किसी भी हद तक जाना स्वीकार्य है।

यह भी सच है कि सभी कंटेंट क्रिएटर्स ऐसे नहीं होते। बहुत से यूट्यूबर्स, ब्लॉगर और डिजिटल क्रिएटर्स ऐसे भी हैं जो ज्ञानवर्धक, रचनात्मक और सकारात्मक सामग्री प्रस्तुत करते हैं। शिक्षा, विज्ञान, कला, संस्कृति, यात्रा और सामाजिक मुद्दों पर काम करने वाले अनेक लोग सोशल मीडिया को एक सकारात्मक मंच के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। उनके प्रयास यह साबित करते हैं कि लोकप्रियता पाने के लिए विवाद और ड्रामा ही एकमात्र रास्ता नहीं है।

असल सवाल जिम्मेदारी का है। जब किसी के पास हजारों या लाखों लोगों तक पहुंचने की ताकत होती है, तो उसके साथ एक सामाजिक जिम्मेदारी भी जुड़ जाती है। कंटेंट क्रिएटर्स को यह समझना चाहिए कि उनकी सामग्री केवल मनोरंजन ही नहीं करती, बल्कि लोगों की सोच और दृष्टिकोण को भी प्रभावित करती है।

दर्शकों की भी इसमें भूमिका कम नहीं है। आखिर वही तय करते हैं कि किस प्रकार का कंटेंट ज्यादा देखा जाएगा और किसे नजरअंदाज किया जाएगा। अगर दर्शक केवल सनसनी और विवाद वाले वीडियो को ही बढ़ावा देंगे, तो स्वाभाविक है कि ऐसे कंटेंट की संख्या बढ़ती जाएगी। लेकिन अगर वे रचनात्मक और सकारात्मक सामग्री को अधिक समर्थन देंगे, तो डिजिटल दुनिया का माहौल भी बदल सकता है।

आज जरूरत इस बात की है कि सोशल मीडिया के उपयोग में संतुलन और समझदारी लाई जाए। निजी जीवन की सीमाएं तय की जाएं और यह समझा जाए कि हर घटना को सार्वजनिक करना आवश्यक नहीं होता। लोकप्रियता और फॉलोअर्स का महत्व अपनी जगह है, लेकिन रिश्तों की गरिमा और व्यक्तिगत सम्मान उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण हैं।

अंततः यह याद रखना जरूरी है कि सोशल मीडिया एक साधन है, लक्ष्य नहीं। इसका उपयोग ज्ञान, संवाद और सकारात्मक बदलाव के लिए किया जा सकता है। लेकिन जब यह केवल लोकप्रियता की अंधी दौड़ में बदल जाता है, तो इसके दुष्परिणाम भी सामने आने लगते हैं।

फॉलोअर्स और व्यूज़ की यह भूख अगर इसी तरह बढ़ती रही, तो कहीं ऐसा न हो कि एक दिन लोग लोकप्रिय तो हो जाएं, लेकिन अपने ही रिश्तों और मूल्यों से दूर हो जाएं। इसलिए समय रहते यह समझना जरूरी है कि सच्ची सफलता वही है, जो सम्मान और संवेदनशीलता के साथ हासिल की जाए–न कि रिश्तों की नीलामी करके।

-डॉ. सत्यवान सौरभ

राजस्व की टीम के साथ सभी उपयंत्री व स्वास्थ्य की टीम करेगी शत प्रतिशत वसुली

आयुक्त ने समीक्षा बैठक के दौरान पेयजल वितरण पर फोकस कर दिए सुधार के निर्देश

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आयुक्त दलीप कुमार ने समयावधि पत्रों की समीक्षा निगम बैठक हाल में की। आयुक्त बैठक के दौरान आगामी ग्रीष्मऋतु को दृष्टिगत रखते हुए पेयजल पर चर्चा की। जिसमें राजानल तालाब से लिए जाने वाले पेयजल पर चर्चा की तथा एनवीडीए से पर्याप्त मात्रा मे डेम में पानी रहे इस पर कार्यपालन यंत्री इंदुप्रभा भारती को सतत सम्पर्क मे रहने हेतु कहा।

वार्डो में पेयजल वितरण के समय पर होने तथा कुछ वार्डो मे देरी से किये जा रहे पेयजल वितरण में सुधार किये जाने हेतु कहा। इसी प्रकार अमृत 2.0 के अन्तर्गत डाली जा रही नवीन पेयजल लाईन से जल उपभोक्ताओं को नवीन कनेक्शन दिये जाने के साथ ही जहां नवीन लाईन डल चुकी है उन वार्डो मे वार्ड पार्षद के साथ वार्ड उपयंत्री सर्वे कर पुरानी लाईन बन्द कर नवीन लाईन से जल वितरण किये जाने हेतु कहा।

विद्युत खपत की बचत को दृष्टिगत रखते हुए 41 ट्युबवेल कनेक्शन वार्डो से हटाये गये हैं उन ट्युबवेलों को केप लागकर बन्द किये जाने तथा ट्युबवेल से निकाली गई सामग्री को निगम मे जमा कराये जाने के निर्देश के साथ ही ऐसे जीवित ट्युबवेल जिसमें हेण्ड पम्प डाले जाने की आवश्यकता है वहां हेण्ड पम्प डालें तथा जो हेण्ड पम्प खराब हैं उन्हें सुधारे जाने हेतु कहा तथा वाटर ट्रीमेंट प्लांट पर क्लोरिन टेस्टिगं तथा वार्डो मे भी पेयजल के सेम्पल लिए जाने के साथ ही ओव्हर हेड टेंक वाटर ट्रीमेंट प्लांट क्लोरिन की खपत चेक कार्य की मानिटरिंग किये जाने हेतु सहायक यंत्री सौरभ त्रिपाठी, उपयंत्री राजेश कौशल,चंदन सोनी को कहा।

गार्डन मेंटेन तथा गार्डनों मे पेड पौधों को पानी दिये जाने हेतु तथा जिन गार्डनों में पानी की व्यवस्था नही है वहां टेंकरो से सप्ताह मे 3 दिवस पानी दिये जाने हेतु सहायक यंत्री जगदीश वर्मा को निर्देशित किया । विद्युत कनेक्शनों पर लगे नये स्मार्ट मीटर कनेक्शन से प्राप्त बिलों का सत्यापन करें तथा खपत बढकर नही आ पाए की मानिटरिंग किये जाने हेतु कहा ।

स्ट्रीट लाईट एवं जलप्रदाय तथा स्वास्थ्य विभाग से होने वाले मेंटनेंस कार्य की सामग्री जिन ठेकेदरों द्वारा नही दी जा रही है उन ठेकेदारों के विरूद्ध पेनल्टि तथा राशि राजसात किये जाने की कार्रवाई करने हेतु कहा।

आयुक्त ने वाहन विभाग के द्वारा समय पर डोर टु डोर कचरा संग्रहण वाहन कुछ वार्डो मे समय पर नही जाने पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए सुधार कार्य करने के साथ ही जिन वाहनों में मेटनेंस कार्य किये जाना है उन वाहनों का तत्काल मेंटनेंस करवाये जाने के निर्देश वाहन प्रभारी को दिए । स्वनिधि से समृद्धि, संबल योजना पर विशेष फोकस दिये जाने के साथ ही स्वनिधि के आवेदनों का लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश दिये।

आगामी 14 मार्च को आयोजित नेशनल लोक अदालत में वसुली की लक्ष्यपूर्ति के लिए संपत्तिकर एवं कम्पाउंडिंग किये जाने के लिए कार्यालय अधिक्षक एवं कालोनी सेल से रणजीतसिंह पंजाबी को कहा। संपत्तिकर एवं जलकर की बकाया राशि शत प्रतिशत जमा कराए जाने के लिए वार्डो के सभी उपयंत्रियो तथा सभी स्वच्छता निरीक्षकों एवं दरोगाओं को निगम राजस्व की टीम के साथ सामन्जस्य कर वसुली किये जाने के निर्देश दिए । आयुक्त ने समयावधि पत्रों के साथ साथ प्राप्त सीएम हेल्प लाईन की शिकायतों का सभी विभाग समय पर निराकरण करें।

सेवाधाम आश्रम के कर्मयोगी का देहदान, समाज के लिए बने मिसाल

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मानवता की सेवा और चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में आज देवास का अमलतास मेडिकल कॉलेज एक ऐतिहासिक पल का साक्षी बना। सेवाधाम आश्रम (अंकितग्राम) में निवासरत देहदान 69 वर्षीय देवीलाल मोहनलाल का देहदान संकल्प मंगलवार को पूरे राजकीय सम्मान के साथ पूर्ण हुआ।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार, देहदानियों को सर्वोच्च सम्मान देने के लिए अमलतास मेडिकल कॉलेज परिसर में पुलिस विभाग की टुकड़ी द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। इस भावुक क्षण के दौरान वहां उपस्थित पुलिस बल, कॉलेज डीन डॉ.ए.के. पिठावा,एनाटॉमी विभाग के हेड डॉ. करखायले एम. एल, चिकित्सक , मेडिकल छात्र ने नम आंखों से इस महान आत्मा को अंतिम विदाई दी।

यह पुनीत कार्य सेवाधाम आश्रम, ग्राम अम्बोदिया (उज्जैन) के संस्थापक श्री सुधीर भाई गोयल के विशेष प्रयासों से संपन्न हुआ। गोयल जी ने बताया कि आयुष विभाग के निर्देशों और मृतकों की अंतिम इच्छा का सम्मान करते हुए यह देहदान किया गया है। उन्होंने कहा, यह देहदान न केवल चिकित्सा जगत के शोध में मील का पत्थर साबित होगा, बल्कि भविष्य के डॉक्टरों को मानव शरीर की जटिलताओं को समझने में भी मदद करेगा।

देहदान अधिकारी, श्री गजानंद चौहान, ने देहदान की प्रक्रिया की जानकारी दी और इसे संपन्न कराया।

अमलतास वेलफेयर सोसायटी के चेयरमैन महोदय ने श्री सुधीर भाई गोयल जी के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि समाज को ऐसे महान कार्यों से प्रेरणा लेनी चाहिए। जब कोई व्यक्ति अपनी देह दान करता है, तो वह समाज को जीवन देने वाले नए डॉक्टरों के निर्माण में अपना सर्वोच्च योगदान देता है।

कबीर फाउंडेशन ने मनाया राष्ट्रमाता सावित्री बाई फुले का महापरिनिर्वाण दिवस

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रमाता सावित्री बाई फुले के महापरिनिर्वाण दिवस पर कबीर फाउंडेशन के द्वारा विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम सावित्री बाई फुले के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रामचंद्र चौहान, विशेष अतिथि तोलाराम सिसोदिया रहे। अध्यक्षता मालवीय बलाई समा धर्मशाला के अध्यक्ष शिवनारायण धारिया ने की। इस दौरान मौजूद वक्ताओं ने सावित्री बाई फुले के जीवन, संघर्ष और समाज सुधार के लिए उनके महान योगदान पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने बताया कि सावित्री बाई फुले भारत की पहली महिला शिक्षिका थीं, जिन्होंने अपने पति ज्योतिबाफुले के साथ मिलकर वर्ष 1848 में लड़कियों के लिए पहला आधुनिक विद्यालय शुरू किया। उस समय समाज में महिलाओं की शिक्षा को लेकर अनेक बाधाएं थीं।

शाजापुर में सौर ऊर्जा का चमत्कार, बिजली के बिल हो रहे शून्य, उपभोक्ता बन रहे हैं बिजली उत्पादक

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में सौर ऊर्जा के प्रति लोगों का रुझान अब चमत्कारिक परिणाम देने लगा है। शाजापुर के जिन घरों में कभी हजारों रुपये का बिजली बिल आता था, आज उन घरों के बिल न सिर्फ शून्य हो गए हैं, बल्कि माइनस (ऋणात्मक) में आ रहे हैं। यानी अब उपभोक्ता बिजली खरीद नहीं रहे हैं, बल्कि बिजली बनाकर विद्युत कंपनी को दे रहे हैं। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत शहर के कई जागरूक नागरिकों ने अपने घरों की छतों पर सोलर प्लांट स्थापित करवाए हैं। इस शानदार पहल और पर्यावरण संरक्षण में योगदान के लिए कलेक्टर ऋजु बाफना ने मंगलवार को उक्त उपभोक्ताओं को सम्मानित कर जिले के अन्य लोगों के लिए एक मिसाल पेश की है।

सोलर टेक्नोलॉजी ने बदली तस्वीर, छतों पर बन रही बिजली- सैकड़ों उपभोक्ताओं ने अपने घरों में सोलर पैनल लगवाए हैं, जिसके बाद से इनके घरों का आर्थिक गणित ही बदल गया है। ज्योति नगर निवासी बैजनाथ सिंह जिनके घर का बिजली बिल पहले औसतन 3,000 रुपये प्रतिमाह आता था, लेकिन सोलर पैनल लगने के बाद अब इनका बिल -2320 रुपये (माइनस) आ रहा है। इतना ही नहीं, इनके सोलर प्लांट से बनी 1200 यूनिट अतिरिक्त बिजली वर्तमान में विद्युत कंपनी के पास जमा है। वहीं मनोज मदनलाल गुप्ता, इनका बिजली बिल भी अब -1002 रुपये (माइनस) आ रहा है और इनके प्लांट द्वारा उत्पादित 500 यूनिट बिजली ग्रिड में कंपनी के पास जमा है। सैफुद्दीन अली गिरवर रोड पहले 3,000 रुपये का भारी-भरकम बिल भरने वाले सैफुद्दीन जी का बिल अब -3200 रुपये (माइनस) हो गया है। उपभोक्ताओं के अनुसार, बिल शून्य होने और अतिरिक्त बिजली उत्पादन के कारण उन्हे सालाना लगभग 40 से 50 हजार रुपये का सीधा आर्थिक फायदा हो रहा है।

कलेक्टर ने प्रशस्ति-पत्र देकर किया सम्मानित- सोलर प्लांट लगवाने के पर्यावरण हितैषी कदम की सराहना करते हुए मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी (म.प्र.प.क्षे.वि.वि.कं.), वृत्त शाजापुर ने भी उपभोक्ताओं का सम्मान किया है। शाजापुर नवीन नगर निवासी मनोज गुप्ता जी, गिरवर रोड निवासी सैफुद्दीन अली, बैजनाथसिंह ने अपने निवास पर 3 किलोवाट के सोलर पैनल लगवाए हैं और वे अन्य लोगों को भी प्रेरित कर रहे हैं। सोलर उर्जा के प्रति लोगों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से मंगलवार को विभाग के अधीक्षण यंत्री एस.एन. वर्मा द्वारा उपभोक्ताओं को कलेक्टर ऋजु बाफना से प्रशस्ति-पत्र दिलवाकर सम्मानित किया गया। पत्र में उल्लेखित है कि उपभोक्ता के इस प्रयास से न केवल ऊर्जा खर्च कम हुआ है, बल्कि वायु प्रदूषण को कम करने और पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान मिला है। उपभोक्ताओं के सम्मान के दौरान जिला पंचायत सीईओ अनुपमा चौहान, विद्युत वितरण कंपनी अधीक्षण यंत्री एसएन वर्मा, एसडीएम मनीषा वास्कले, विद्युत वितरण कंपनी जेई रामेश्वर अहिरवार सहिन अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

आयुक्त दलीप कुमार ने वार्डो का किया औचक निरीक्षण देखी सफाई व्यवस्था

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आयुक्त दलीप कुमार ने वार्डो का किया औचक निरीक्षण वार्ड क्र. 22 में निरीक्षण के दौरान नाले के आसपास एवं खुले प्लॉटों के कुछ स्थानों पर कचरा पाया जाने पर रहवासियों को जागरुक करने तथा स्पॉट फाईन करने हेतु वार्ड दरोगा को कहा। स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा खुले प्लॉटों के मालिक उनके प्लॉटों को कवर करें। रात्रिकालीन सफाई को लेकर सतत मॉनीटरिंग तथा चाट चौपाटी पर व्यवसायकों के द्वारा डस्टबिन रखने एवं डस्टबिन का कचरा निगम के कचरा संग्रहण वाहन में गीला सूखा अलग अलग डस्टबिनों में डलवाये एवं ग्रीन बेल्ट की सफाई भी प्रतिदिन हो इस हेतु आयुक्त ने स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया।

डिजिटल युग में महिलाओं की सुरक्षा सर्वोपरि, शाजापुर पुलिस ने साइबर फ्रॉड और महिला सशक्तिकरण पर किया जागरूक

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। आज के आधुनिक और डिजिटल युग में जहां महिलाएं हर क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं, वहीं साइबर अपराधी भी नए-नए तरीकों से उन्हें अपना शिकार बना रहे हैं। महिलाओं को इन छिपे हुए खतरों से सुरक्षित रखने और उन्हें उनके अधिकारों के प्रति सशक्त बनाने के उद्देश्य से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर शाजापुर पुलिस ने एक विशेष पहल की है। पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम में कामकाजी महिलाओं को न सिर्फ उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया, बल्कि डिजिटल दुनिया के खतरों से बचने के गुर भी सिखाए गए। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार और पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह राजपूत के मार्गदर्शन में पुलिस कंट्रोल रूम के मीटिंग हॉल में महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण विषयक कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें जिले के विभिन्न विभागों की महिला अधिकारियों और कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित महिलाओं को बढ़ते सायबर अपराध, डिजिटल अरेस्ट, फिशिंग, सोशल मीडिया अपराध और ऑनलाइन ठगी के प्रति आगाह किया गया। आरआई वंदना सिंह ने विस्तार से बताया कि किस प्रकार सतर्क रहकर ऐसे अपराधों से बचा जा सकता है। महिलाओं को प्रेरित किया गया कि वे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें। किसी भी प्रकार के अन्याय या अपराध की स्थिति में निडर होकर पुलिस से संपर्क करें। यह भी बताया गया कि पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं और शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए विशेष व्यवस्थाएं लागू की गई हैं। रक्षित निरीक्षक वंदना सिंह ने महिलाओं के सामाजिक, पारिवारिक और राष्ट्रीय विकास में महत्वपूर्ण योगदान का उल्लेख किया और पुलिस विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जागरूकता गतिविधियों की जानकारी साझा की।

आज नगर में गूंजेगा जय-जय श्री आदिनाथ, पालकी यात्रा के साथ दिनभर भव्य रूप से होंगे धार्मिक व सामाजिक कार्यक्रम आयोजित

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल भारतीय जैन श्वेताम्बर युवक महासंघ के राष्ट्रव्यापी आव्हान पर एवं परम उपकारी आचार्य भगवंत श्रीमद्विजय वीररत्न सुरीश्वरजी महाराजा के सानिध्य में प्रारंभ हुई धर्म परंपरा के अनुपालन में प्रथम तीर्थंकर दादा आदिनाथ परमात्मा का जन्म कल्याणक महोत्सव इस वर्ष भी आज 11 मार्च बुधवार को नगर में धूमधाम से मनाया जाएगा। उक्त जानकारी देते हुए जैन युवक महासंघ के जिलाध्यक्ष मंगल नाहर ने बताया कि प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी प्रथम जैन तीर्थंकर श्री आदिनाथ परमात्मा का जन्म एवं दीक्षा कल्याणक महोत्सव जैन युवक महासंघ के अंतर्राष्टीय चेयरमैन एवं राष्टीय व्यापारी कल्याण बोर्ड भारत सरकार के चेयरमैन सुनील सिंघी (अहमदाबाद) के मार्गदर्शन में पूरे देश भर में 500 से अधिक युवक महासंघ इकाईयों में सकल जैन समाज के माध्यम से मनाया जाएगा। इसी कड़ी में शाजापुर में भी विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। जिसके अंतर्गत सर्वप्रथम लालघाटी स्थित श्री सिद्धाचल वीरमणि तीर्थ धाम पर सुबह 7.30 बजे जैन मंत्रास परिवार द्वारा प्राचीन मंत्रो के साथ दादा आदिनाथ परमात्मा का शक्रस्थव अभिषेक तथा चौबीस जिनालय धाम ओसवाल सेरी में परमात्मा का पक्षाल एवं शांति स्नात्र पूजा की जाएगी। सुबह 9 बजे 24 जिनालय धाम से परमात्मा की भव्य पालकी यात्रा निकाली जाएगी। जो विभिन्न प्रमुख मार्गो कसेरा बाजार, आजाद चौक, नई सड़क तथा पीपली गली होकर पुन मंदिर पहुंचेगी। इसके पश्चात जैन युवक महासंघ के तत्वावधान में नाग - नागिनी रोड़ स्थित अखंड आश्रम पर निराश्रितजनों को भोजन वितरित किया जाएगा। शाम 7 बजे श्री सिद्धाचल वीरमणि तीर्थ धाम पर आकर्षक दीप सज्जा के साथ नयनाभिराम अंगरचना से श्रृंगारित परमात्मा प्रतिमा की भक्ति व महाआरती की जाएगी। इसके साथ ही उपधान तप करने वाले बाल तपस्वी गुनित दुग्गड़ तथा श्रीशत्रुंजय पालीताणा की सात यात्रा करने वाले युवक महासंघ के जिला कोषाध्यक्ष प्रांजल मांडलिक का बहुमान भी किया जाएगा। समस्त कार्यक्रमों के आयोजनकर्ता जैन युवक महासंघ के बैनरतले सहयोगी श्रीआदेश्वर मूर्ति पूजक संघ, श्री सिद्धाचल वीरमणि तीर्थ धाम ट्रस्ट मंडल, तीर्थ सेवा समिति एवं जैन मंत्रास परिवार रहेंगे।

प्रदेशभर में होंगे आयोजन

शाजापुर सहित मध्यप्रदेश की 108 से अधिक युवक महासंघ इकाइयों में भी श्री आदिनाथ जन्म कल्याण महोत्सव के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिसमें विशाल रथ यात्रा, भगवान का अभिषेक, स्नात्र पूजन, दादा की महाआरती, जीव दया एवं मानव सेवा के कार्यक्रम होंगे। कार्यक्रम को वृहद स्तर पर मनाने की कार्ययोजना के लिए युवक महासंघ इंटरनेशनल चेयरमैन आदरणीय सुनील सिंघी (अहमदाबाद), राष्टीय अध्यक्ष हरेश भाई शाह (पुना) राष्टीय कन्वीनर गौतम जैन (चेन्नई), राष्टीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष विनोद बरबोटा (उज्जैन) राष्टीय महामंत्री सुनील गांग (इंदौर) राष्टीय उपाध्यक्ष निलेश सकलेचा (इंदौर) राष्टीय मंत्री नरेंद्र बाफना (उज्जैन) राष्टीय संगठन मंत्री अजेस कोठारी (उज्जैन) राष्टीय प्रवक्ता अभय जैन (उज्जैन) तथा राष्टीय कार्यकारिणी सदस्य सपन जैन की सहमति से जिला प्रभारियों का मनोनयन भी किया गया है।

निजी स्कूलों की मनमानी और सरकारी स्कूलों की बदहाली के खिलाफ पालक महासंघ ने खोला मोर्चा

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले की शिक्षा व्यवस्था में सुधार, निजी स्कूलों की मनमानी पर रोक और सरकारी स्कूलों की व्यवस्थाएं दुरुस्त करने की मांग को लेकर पालक महासंघ की शाजापुर जिला इकाई ने मंगलवार को कलेक्टर के नाम एक ज्ञापन सौंपा। महासंघ के कार्यकर्ताओं ने जिले की चरमराई शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाते हुए निजी स्कूलों के लिए पांच और सरकारी स्कूलों के लिए पांच कुल 10 सूत्रीय मांगें प्रशासन के सामने रखी हैं। पालक महासंघ के जिलाध्यक्ष राजेश सिसनोरिया ने बताया कि संगठन पिछले दो वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में व्याप्त अनियमितताओं को दूर करने के लिए लगातार आवेदन और निवेदन कर रहा है। नए शिक्षा सत्र की शुरुआत से पहले ही जिला कलेक्टर और जिला शिक्षा अधिकारी को यह तीसरी बार ज्ञापन दिया गया है। ज्ञापन में निजी स्कूलों को लेकर मांग की गई कि कक्षा 1 से 12वीं तक अनिवार्य रूप से एनसीईआरटी की किताबें लागू की जाएं, जिले में फीस रेगुलेशन नियम का सख्ती से पालन सुनिश्चित हो, महंगे कोर्स और ड्रेस के नाम पर स्कूलों द्वारा लिया जा रहा कमीशन और एकाधिकार तुरंत बंद किया जाए। वहीं सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की ई-अटेंडेंस का कड़ाई से पालन करवाया जाए, स्कूलों के खुलने और बंद होने का समय निर्धारित हो और उसका पालन हो, गरीब व कमजोर वर्ग के बच्चों की शिक्षा में लापरवाही बरतने वाले शिक्षकों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

दुकानदारों और स्कूलों के गठजोड़ पर उठाए सवाल- जिला महासचिव राजेंद्र चौखुटिया ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि पूर्व में भी अवगत कराया गया था कि शहर के की कुछ दुकानों पर ही सभी बड़े स्कूलों की ड्रेस और किताबें बेची जा रही हैं। स्कूल प्रबंधन पालकों को वहीं से सामग्री खरीदने के लिए मजबूर कर रहे हैं, लेकिन प्रशासन कोई ध्यान नहीं दे रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि हमारी मांगें नहीं मानी गईं, तो आने वाले समय में एक बड़ा आंदोलन किया जाएगा। कार्यकारिणी सदस्य मनोहर कटारिया ने गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए बताया कि संगठन ने दो महीने पहले तीन स्कूलों की शिकायत की थी, जिनमे बच्चों के सामने दुष्कर्म के मामले में सजायाफ्ता आसाराम का प्रचार-प्रसार किया गया था। कटारिया ने आरोप लगाया कि जिला प्रशासन ऐसे स्कूलों को बचाने में लगा हुआ है। उन्होंने तीखे शब्दों में कहा कि यदि शिक्षा का दृष्टिकोण ऐसा ही है और जनता के टैक्स से वेतन लेने वाले अधिकारी पालकों की जेब कटने से नहीं रोक सकते, तो ऐसे शिक्षा के केंद्र बंद कर देने चाहिए।

सांड की टक्कर से मौत मामलाः आरोपों की आंधी में अब पलटवारज्ञानोदय का बड़ा खुलासा, बोले- 2 लाख की कहानी झूठ, आयुष्मान से हुआ इलाज! कांग्रेस नेता ने कहा- एम्बुलेंस चालक निर्दोष

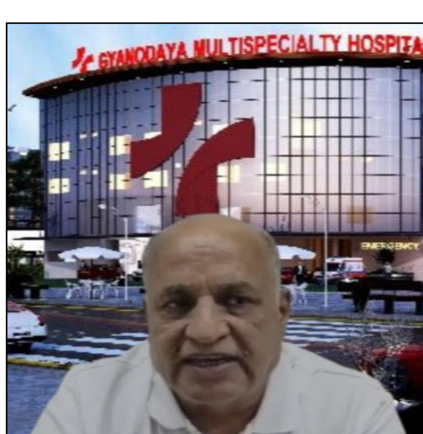

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सांड की टक्कर से घायल हुए सुधीर चौहान की मौत के बाद उठे विवाद ने अब नया मोड़ ले लिया है। परिजनों द्वारा जिला अस्पताल, ज्ञानोदय मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल और एम्बुलेंस चालक पर लगाए गए गंभीर आरोपों के बीच अब अस्पताल प्रबंधन ने सामने आकर इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है।

ज्ञानोदय मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल की ओर से जारी प्रेसनोट और फिर द वॉचमैन पोस्ट से बातचित में सभी आरोपों को बेबुनियाद और तथ्यहीन बताया । अस्पताल के आयुष्मान हेड डॉ. प्रदीप जैन के अनुसार 2 मार्च की रात सुधीर चौहान को गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया था। परिजनों ने बताया था कि इंदिरा नगर के भगवानपुरा चौराहे पर सांड के धक्के से वह घायल हुए थे।

डॉ. जैन ने बताया कि अस्पताल पहुंचते ही मरीज अचेत अवस्था में था, आंखों की पुतलियां फैली हुई थीं और कान से खून बह रहा था। हालत बेहद नाजुक होने के कारण परिजनों की सहमति से तुरंत ऑपरेशन किया गया और मरीज को ढ्ढष्ट में भर्ती कर लगातार इलाज किया गया।

अस्पताल प्रबंधन के मुताबिक, आयुष्मान कार्ड की जानकारी अगले दिन दी गई, जिसके बाद पूरा इलाज आयुष्मान योजना के तहत किया गया। केवल 15 हजार रुपये आपातकालीन जांच और सुरक्षा निधि के रूप में जमा करवाए गए थे।

अस्पताल के डायरेक्टर राजा चौरसिया ने भी साफ शब्दों में कहा कि दो लाख रुपये नकद लेने के आरोप पूरी तरह झूठे हैं। उन्होंने कहा कि अस्पताल में चारों तरफ सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं, जिनकी जांच कोई भी कर सकता है।

उन्होंने कहा, ÷अगर किसी ने पैसा दिया है तो उसकी रसीद जरूर होगी। हमारे रिकॉर्ड में केवल 15 हजार रुपये ही जमा हैं, बाकी इलाज आयुष्मान योजना से हुआ है।

इस पूरे मामले में कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह आमलीखेड़ा ने भी महत्वपूर्ण बयान दिया है। उन्होंने बताया कि सांड की टक्कर के बाद घायल सुधीर को वह खुद जिला अस्पताल लेकर पहुंचे थे और राहत कार्य में लगे रहे।

उनके अनुसार, जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने ज्ञानोदय भेजने के लिए दबाव नहीं बनाया, बल्कि केवल रेफर करने की बात कही थी। परिजन अटेंडर की कमी के चलते अपनी मर्जी से मरीज को ज्ञानोदय अस्पताल लेकर गए। उन्होंने एम्बुलेंस चालक को भी निर्दोष बताया और कहा कि दो लाख रुपये नकद लेने की बात उन्हें भी सही नहीं लगती, इलाज आयुष्मान योजना से ही हुआ है।

हालांकि इस मामले में अब परिजनो की और से कोई बयान सामने नही आया है, मरीज की मौत के बाद अस्पताल में प्रदर्शन कर रहे शुभचिंतकों ने भी परिजनों से बात करने को कहा. उधर द वॉचमेन पोस्ट ने मृतक के परिजनों से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन फोन पर कोई जवाब नहीं मिल सका।

बहरहाल इस मामले में दोनों पक्ष आमने सामने हो चुके हैं। अस्साल प्रबंधन ने स्पष्ट रूप से अपना पक्ष रखा है, अब प्रशासन की जांच में ही दूध का दूध और पानी का पानी हो सकेगा। मामले पर नज़र बनाए हुए लोगों की नजरें अब प्रशासनिक जांच पर टिकी हुई है।

आरोपी को बिना नम्बर की महिन्द्रा कार में अवैध रूप से जहरीली शराब ले जाते किया गिरफ्तार

थाना बिलपांक जिला रतलाम का निगरानी बदमाश 15 लीटर जहरीली शराब के साथ पकडाया

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। उज्जैन पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा द्वारा जिले में अवैध शराब पर अंकुश लगाये जाने हेतु एवं आरोपीयों की धरपकड हेतु चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक उज्जैन के निर्देशानुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) अभिषेक रंजन, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस बड़नगर महेन्द्र सिंह परमार के मार्गदर्शन मे थाना बडनगर के थाना प्रभारी बडनगर निरी. अशोक कुमार पाटीदार व टीम के द्वारा दिनांक 09.03.2026 को घेरा बंदी कर अवैध रुप से जहरीली शराब ले जाते हुए एक आरोपी को पकड़ा गया एवं आरोपी के कब्जे से 15 लीटर हाथ भट्टी की बनी कच्ची जहरीली शराब एवं बिना नम्बर की महिन्द्रा XUV 3XO कार को जप्त की गई ।

पुलिस कार्यवाही- दिनांक 09.03.2026 को कस्बा भ्रमण के दौरान सूचना मिली कि एक व्यक्ति रूनिजा तरफ से एक बिना नम्बर की नीले रंग की महिन्द्रा XUV 3XO कार में अवैध हाथ भट्टी की कच्ची जहरीली शराब लेकर बडनगर तरफ आ रहा है । सूचना को तत्काल संज्ञान में लेते हुए थाना प्रभारी निरी अशोक कुमार पाटीदार के द्वारा टीम तैयार कर मौके पर कार्यवाही के लिये रवाना की गई जिस पर पुलिस टीम व्दारा प्रभावी कार्यवाही कर संदीग्ध व्यक्ती को घेराबंदी कर पकडा व नाम पता पुछते उसने अपना नाम शेर अली उर्फ शैरू पिता मैहर अली जाति मुसलमान उम्र 49 साल निवासी ग्राम सुराना थाना बिलपांक जिला रतलाम का होना बताया ।

जिसकी महिन्द्रा कार को चैक करते ड्रायवर के साईड वाली सीट के आगे डेस बोर्ड की नीचे खाली जगह में एक सफैद रंग की प्लास्टीक की कैन जिस पर हरे रंग का ढक्कन लगा हुआ रखी दिखी जिसे कार से बाहर निकाल कर ढक्कन खोल कर चैक करते उसमें हाथ भट्टी की बनी कच्ची जहरीली शराब मात्रा करीबन 15 लीटर किमती करीबन 1500/- रुपये की होना पाई गई । पास से सुंघने पर प्लास्टिक की कैन में से तेज व तीखी यूरिया युक्त शराब की गंध आ रही थी जो की जहरीली प्रतीत हो रही थी आरोपी से उक्त जहरीली शराब एवं बिना नम्बर की महिन्द्रा कार को जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया । आरोपी शेर अली उर्फ शैरू के विरुद्ध थाना बड़नगर पर अपराध क्रमांक 128/2026 धारा 49-ए आब.अधि. का पंजीबद्ध कर आरोपी को न्यायालय पेश किया गया है जंहा से आरोपी को जेल भेजा गया है । आरोपी शेर अली उर्फ शैरू के विरूद्ध जिला रतलाम के विभिन्न थानो बिलपांक, आई.ए.रतलाम, माणकचौक रतलाम, नामली रतलाम, स्टेशन रोड रतलाम, डीडी नगर रतलाम एवं थाना उन्हेल उज्जैन में कुल 15 अपराध पंजीबद्ध है । सराहनीय भूमीका

थाना बडनगर पुलिस टीम थाना प्रभारी अशोक कुमार पाटीदार, उनि सुरेन्द्र सिंह गरवाल, सउनि नारायण सिंह वास्कले, प्र.आर.राहुल सिंह राठौर, आर. हितेश हाडा, आर. तोलाराम डोडीयार, सैनिक गोवर्धन डाबी की सराहनीय भूमिका रही ।

जिला स्तरीय समन्वय समिति का नवीन गठन हुआ

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांति कुंज तीर्थ हरिद्वार के मार्गदर्शन में गायत्री शक्तिपीठ उज्जैन में नवीन समन्वय समिति का गठन किया गया, जिसमें उज्जैन जिले की ग्यारह तहसीलों से आये तहसील समन्वय समिति के जिला प्रतिनिधियों को भी इस समिति में शामिल कर गायत्री परिवार के विभिन्न दायित्व सौंपे गये। इस में कुल पन्द्रह सदस्य रखे गए हैं जिनमें समन्वय समिति प्रमुख का दायित्व श्री राम प्रसाद सरिया माकड़ोन को दिया गया। सह समन्वयक शक्ति पीठ (पदेन) जे पी यादव भाईसाहब, दुसरे सह समन्वयक(रिकॉर्ड -रिपोर्टर) नरेन्द्र सिकरवार ,मंडल विस्तार अभियान दिनेश पोरवाल, नारी जागरण अभियान का दायित्व श्रीमती ज्योति शर्मा, आओ गढ़े संस्कार वान पीढ़ी श्रीमती उर्मिला तोमर, युवा जोड़ो अभियान डाक्टर शशिकांत शास्त्री, भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा बंशीलाल शर्मा, स्वाध्याय एवं साधना अभियान श्याम लाल जोशी, पर्यावरण एवं जल संरक्षण बाबूलाल बाड़ोलिया, शिक्षा एवं बाल संस्कार अभियान सुभाष पाटीदार, स्वालंबन एवं शिक्षण प्रशिक्षण वासुदेव मारु, नशा व्यसन कुरीति उन्मूलन एवं आदर्श ग्राम सत्यनारायण सोलंकी, साहित्य एवं पत्रिका विस्तार नंदकिशोर पाटीदार, स्वास्थ्य शिविर अभियान का दायित्व डा अरुण सोनी को सौंपा गया।

इस अवसर पर गायत्री परिवार बड़नगर के प्रमुख ट्रस्टी शिव कांत पांडेय, उमाशंकर मेहता, सुभाष गुप्ते, पत्रकार ललित सोनी, जिला समन्वय प्रतिनिधि वासुदेव मारु, शिवनारायण पंड्या ने भी गायत्री शक्ति उज्जैन में आयोजित समन्वयक समिति की बैठक में पहुँच कर भाग लिया।

सभी गायत्री परिजनों द्वारा परम पूज्य गुरुदेव आचार्य श्री राम शर्मा के मिशन को आगे बढ़ाने एवं परम वंदनिया माता का जन्म शताब्दी वर्ष और अखंड ज्योति शताब्दी वर्ष 2026 , गुरुदेव की प्रेरणा को जन जन तक पहुँचाने की सभी ने संकल्प लिया। उक्त जानकारी गायत्री प्रज्ञापीठ बड़नगर के सुभाष गुप्ते द्वारा दी गई।

19 मार्च से 30 जून तक चलेगा जल गंगा संवर्धन अभियान

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में जल संरक्षण और जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन के उद्देश्य से 19 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जाएगा। अभियान के सफल एवं सुचारू संचालन के लिए कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक आयोजित कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव सहित सभी संबंधित जिलाधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले के तालाबों, कुओं, बावड़ियों, नदियों एवं अन्य जल स्त्रोतों के संरक्षण और संवर्धन के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किए जाएंगे।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ अभियान की रूपरेखा तैयार कर समयबद्ध तरीके से कार्य करें, ताकि अधिक से अधिक जल स्त्रोतों का संरक्षण और पुनर्जीवन किया जा सके। कलेक्टर ने कहा कि अभियान के दौरान तालाबों और जलाशयों की साफ-सफाई, गहरीकरण, मरम्मत, जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण तथा वर्षा जल संचयन के कार्य प्राथमिकता के आधार पर किए जाएं। उन्होंने ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में जनभागीदारी के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को इस अभियान से जोड़ने पर भी विशेष जोर दिया।

बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने निर्देश दिए कि अभियान के अंतर्गत किए जाने वाले कार्यों की नियमित निगरानी की जाए तथा उनकी प्रगति की जानकारी समय-समय पर उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान मनरेगा सहित अन्य योजनाओं के माध्यम से भी जल संरक्षण से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जाए। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि जल संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएं। स्कूलों, पंचायतों तथा सामाजिक संगठनों के माध्यम से जनजागरूकता कार्यक्रम चलाकर लोगों को जल संरक्षण के महत्व से अवगत कराया जाए और उन्हें अभियान में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया जाए।

मलेश्वर महादेव से बल प्राप्त कर शनिवार से शुरू होगी 31 वी पंच क्रोशि यात्रा

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षेत्र की आस्था और परंपरा से जुड़ी 31वीं वर्ष धार्मिक पंच दिवसीय श्री मेलेश्वर महादेव पंचकोशी यात्रा का आयोजन इस वर्ष 14 मार्च 2026 (शनिवार) से प्रारंभ होगा। यह यात्रा क्षेत्र की प्राचीन धार्मिक परंपरा को आगे बढ़ाते हुए श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बनी हुई है।

आयोजन समिति द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार पंचकोशी यात्रा का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के प्राचीन धार्मिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक तीर्थ स्थलों के दर्शन कर श्रद्धालुओं में धर्म, संस्कृति और सामाजिक समरसता की भावना को बढ़ावा देना है। इस पंच दिवसीय यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पैदल यात्रा कर विभिन्न पवित्र स्थलों के दर्शन करेंगे।

यात्रा के दौरान श्रद्धालु श्री मेलेश्वर महादेव मंदिर सहित पंचकोशी क्षेत्र के प्रमुख मंदिरों और तीर्थ स्थलों के दर्शन कर पूजा-अर्चना करेंगे तथा क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना करेंगे। यात्रा मार्ग में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं के लिए जलपान, भोजन एवं विश्राम की व्यवस्था भी की जाएगी।

पंचकोशी यात्रा समिति ने क्षेत्र के सभी धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने की अपील की है। समिति के सदस्य श्री अविनाश विपट ने बताया कि यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं, जिससे यात्रा श्रद्धा और अनुशासन के साथ संपन्न हो सके।

यह पंचकोशी यात्रा वर्षों से क्षेत्र की धार्मिक आस्था और परंपरा का प्रतीक बन चुकी है, जिसमें हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेकर भगवान मेलेश्वर महादेव का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

बकरा चोरी करने वाले आरोपी को जहरीली शराब की तस्करी करते हुए किया गिरफ्तार

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। उज्जैन पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा द्वारा जिले में लगातार अपराधों पर अंकुश लगाने हेतु चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक उज्जैन के निर्देशानुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक रंजन, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस खाचरौद श्रीमति आकांक्षा बेछोटे के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी भाटपचलाना सतेन्द्र सिंह चौधरी व उनकी टीम के द्वारा लगातार थाना क्षेत्र में अवैध क्रिया कलाप करने वालो अपराधियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में दिनांक-08.03.2026 को फरियादी प्रभूलाल पिता रुपाजी निवासी ग्राम मलोडा ने थाना भाटपचलाना पर रिपोर्ट किया कि उसके घर पर बंधे बकरे को कोई अज्ञात बदमाश चुरा कर ले गया है। जिस पर थाना भाटपचलाना पर अपराध क्रमांक- 91/2026 धारा 303 (2) बीएनएस का पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया। आरोपी की पतारसी करते दिनांक-09.03.2026 को आरोपी सागर पिता अमृतलाल सोलंकी जाति मोगिया निवासी ग्राम खेरवास थाना बदनावर जिला धार को जहरीली शराब की तस्करी करते हुए पकडा गया है तथा आरोपी के कब्जे से चोरी गये बकरा को बरामद करने में सफलता हासिल की है।

घटना का संक्षिप्त विवरण- थाना भाटपचलाना पर फरियादी प्रभूलाल पिता रुपाजी निवासी ग्राम मलोडा ने रिपोर्ट किया कि मेरे पास करीबन 15-20 बकरा बकरी है। जिसमे से दिनांक 08.03.2026 को एक सफेद रंग का बकरा किमती करीबन 30,000 रुपये का चोरी हो गया है जिस पर थाना भाटपचलाना पर अपराध क्रमांक 91/2026 धारा 303 (2) बीएनएस का पंजीबध्द कर अज्ञात आरोपी की पतारसी करते दिनांक-09.03.2026 को आरोपी सागर पिता अमृतलाल सोलंकी जाति मोगिया निवासी ग्राम खेरवास थाना बदनावर जिला धार को जहरीली शराब की तस्करी करते हुए पकडा गया है तथा आरोपी के कब्जे से चोरी गये बकरा को बरामद कर आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया गया है।सराहनीय भूमिका

उक्त प्रसंशनीय कार्य में थाना प्रभारी सतेन्द्र सिंह चौधरी, उनि कन्हैयालाल मचार, प्रधान आरक्षक परमिंदर यादव, प्रधान आरक्षक शैलेन्द्र सिंह सिसोदिया, प्रधान आरक्षक राहुल, प्रधान आरक्षक अमर सिंह, प्रधान आरक्षक हरिगोबिंद सिहं, प्रधान आरक्षक पुष्पराज, आरक्षक मुकेश नागर, आरक्षक उदय यादव, आरक्षक हितेश निम्बोला, आरक्षक सुनील चौधरी, आरक्षक विजय जाट, सैनिक अजय पाल।

धर्मदास गणनायक प्रवर्तकदेव श्री जिनेंद्रमुनिजी का 67 वां जन्म दिवस जप तप से मनाया

गुरु की परंपरा अनुरूप जिनशासन की महत्ती प्रभावना कर रहे हैं प्रवर्तकदेव

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अध्यात्मयोगी, जिनशासन गौरव, आचार्य प्रवरश्री उमेशमुनिजी के पट्टधर सुशिष्य धर्मदास गणनायक प्रवर्तक श्री जिनेंद्रमुनिजी का 67वाँ जन्म दिवस सभी श्री संघों में 10 मार्च मंगलवार को उत्साहपूर्वक मनाया गया। प्रवर्तकश्री का जन्म चैत्र विदी सप्तमी (शीतला सप्तमी) के दिन हुआ था। अर्थात 13 मार्च 1959 को जन्म हुआ था। माता पिता के संस्कार एवं गुरु प्रेरणा से 08 फरवरी 1987 को सांसारिक जीवन का त्याग कर, संयम पथ पर आरूढ़ होकर, आचार्य भगवंत के प्रथम शिष्य बन गए। प्रवर्तकश्री को 19 आगम सहित करीब 150 से भी अधिक थोकड़े कंठस्थ है। क्रियानिष्ठ, गण शिरोमणि, प्रवर्तक देव जिनशासन की महत्ती प्रभावना कर रहे है। प्रवर्तकश्री का जन्म दिवस बखतगढ़ जैन श्री संघ द्वारा जप - तप, त्याग व विविध आराधनाओं के साथ उत्साह के साथ मनाया गया। श्रावक श्राविकाओं ने पोरसी, डेढ़ पोरसी, एकासन आदि की आराधना भी की।

नवकार महामंत्र के जाप का हुआ आयोजन- इस अवसर पर श्री वर्धमान स्थानक भवन बखतगढ़ पर दोपहर 3 से 4 बजे तक सामायिक आराधना के साथ नवकार महामंत्र के सामूहिक जाप, जिनेंद्र चालीसा स्तुति के माध्यम से प्रवर्तक देव के संयमी जीवन की खूब खूब अनुमोदना की। गौरतलब है कि प्रवर्तकश्री के जन्म दिवस को लेकर श्री संघ में जबर्दस्त उत्साह छलकता नजर आया। सामूहिक जाप आराधना के बाद मांगीलाल डांगी, चंद्रप्रकाश व्होरा, मिसरबाई सौभाग्यमल बड़ौला एवं पूजा पुखराजमल कटारिया परिवार ने पृथक पृथक प्रभावना वितरण का लाभ लिया।

आचार्यश्रीजी की 14 वीं पुण्यतिथि 15 मार्च को मनाई जाएगी- आचार्य प्रवर पूज्य गुरुदेवश्री उमेशमुनिजी म. सा. की 14 वीं पुण्यतिथि चैत्र विदी ग्यारस 15 मार्च रविवार को श्री वर्धमान स्थानक भवन बखतगढ़ में जैन श्री संघ द्वारा जप - तप व विविध आराधना के साथ उत्साह पूर्वक मनाई जाएगी। संघ ने इस अवसर अधिक से अधिक संख्या में श्रावक श्राविकाओं को आराधना रूपी भेंट देने का आह्वान किया है।

सावित्रीबाई फुले की पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बदनावर में भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल द्वारा देश की प्रथम महिला शिक्षिका एवं महान समाज सुधारक सावित्रीबाई फुले की पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर ज्योतिबा फुले चौराहा स्थित आनंदेश्वर मंदिर के सामने स्थापित उनकी प्रतिमा पर पुष्पमाला अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

कार्यक्रम के दौरान नगर मंडल अध्यक्ष मनीष गुर्जर ने सावित्रीबाई फुले के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद महिलाओं और वंचित वर्ग को शिक्षा से जोड़ने का ऐतिहासिक कार्य किया। उनका जीवन संघर्ष, सेवा और समाज सुधार का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हमें उनके आदर्शों पर चलकर समाज में शिक्षा, समानता और जागरूकता को बढ़ावा देना चाहिए।

इस अवसर पर नगर परिषद उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह पवार, संतोष राव, सुनील परमार संतोष चौहान, सुरेश राठौर हेमराज जी चौहान भेरुलाल परमार, दिनेश हारोड दयाराम बारोड महेश शर्मा सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने सावित्रीबाई फुले को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। जानकारी मीडिया प्रभारी दिलीप सिंह चौहान ने दी।

वकीलों के ज्ञापन के बाद प्रशासनिक फैसला, किरण बरबड़े बनीं सुसनेर की नई एसडीएम

धरने के ऐलान के बीच एसडीएम यादव का तबादला, जिला स्तर से जारी हुआ आदेश

सुसनेर/दैनिक मालवा हेराल्ड। अनुभाग में पदस्थ अनुविभागीय अधिकारी राजस्व (एसडीएम) सर्वेश कुमार यादव का तबादला कर उन्हें कलेक्टर कार्यालय आगर-मालवा भेज दिया गया है। उनकी जगह किरण बरबड़े को सुसनेर का नया एसडीएम नियुक्त किया गया है। इस संबंध में मंगलवार को कलेक्टर प्रीति यादव द्वारा आदेश क्रमांक 2026/393 जारी किया गया है। जिला प्रशासन द्वारा जारी इस आदेश के बाद सुसनेर में प्रशासनिक स्तर पर नई जिम्मेदारी तय हो गई है। दरअसल पिछले कुछ समय से एसडीएम सर्वेश कुमार यादव की कार्यप्रणाली को लेकर सुसनेर अभिभाषक संघ में असंतोष का माहौल बना हुआ था। अधिवक्ताओं का कहना था कि एसडीएम न्यायालय में कई मामलों में सुनवाई और कार्यवाही को लेकर उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसी मुद्दे को लेकर अभिभाषक संघ द्वारा कई बार प्रशासन का ध्यान भी आकर्षित किया गया था। सोमवार को अभिभाषक संघ सुसनेर की एक आवश्यक बैठक अभिभाषक सभागार में आयोजित की गई थी जिसमें संघ के पदाधिकारियों और सदस्यों ने एसडीएम की कार्यप्रणाली को लेकर विस्तृत चर्चा की। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया था कि यदि प्रशासन द्वारा इस मामले में उचित कार्रवाई नहीं की जाती है तो अधिवक्ता आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे। इसी क्रम में संघ ने 11 मार्च से सुसनेर स्थित एसडीएम कार्यालय के सामने क्रमिक धरना प्रदर्शन शुरू करने की घोषणा भी की थी। अभिभाषक संघ ने इससे पहले 13 फरवरी 2026 को भी एक प्रस्ताव पारित कर एसडीएम न्यायालय के बहिष्कार का निर्णय लिया था। इसके बाद सुसनेर और नलखेड़ा अभिभाषक संघ का एक संयुक्त प्रतिनिधिमंडल जिला मुख्यालय आगर-मालवा पहुंचा था जहां उन्होंने कलेक्टर से मिलकर एसडीएम की कार्यप्रणाली को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी और मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की थी। इसी सिलसिले में मंगलवार को भी सुसनेर और नलखेड़ा अभिभाषक संघ का प्रतिनिधिमंडल जिला मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई में शामिल हुआ। प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर प्रीति यादव को ज्ञापन सौंपकर एसडीएम की कार्यप्रणाली की जांच कराने और आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की। अधिवक्ताओं ने यह भी कहा था कि यदि इस मामले में जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इसी बीच जिला प्रशासन द्वारा आदेश जारी करते हुए एसडीएम सर्वेश कुमार यादव का तबादला कर दिया गया और उन्हें कलेक्टर कार्यालय आगर-मालवा अटैच कर दिया गया। वहीं प्रशासनिक आदेश के तहत किरण बरबड़े को सुसनेर का नया अनुविभागीय अधिकारी राजस्व (एसडीएम) नियुक्त किया गया है।

गन्ने की फसल की आड़ में अवैध अफीम की खेती का भंडाफोड़, खेत से अवैध अफीम के 5317 पौधे जब्त, खेत मालिक गिरफ्तार, 780 ग्राम शुद्ध अफीम का दूध भी जब्त

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ पुलिस थाना राशमी द्वारा ऑपरेशन त्रिनेत्र के अंतर्गत कार्यवाही करते हुए खेत मे गन्ने की फसल की आड़ में अवैध अफीम की खेती का पर्दाफाश करते हुए 5317 अफीम के पौधे जब्त कर खेत मालिक को गिरफतार किया है। 431 किलो 460 ग्राम वजन अफीम के पौधे एवं अफिम डोडा की चिर लगा निकाली गई अफिम 780 ग्राम को जब्त किया गया। जिला पुलिस अधीक्षक श्री मनीष त्रिपाठी ने बताया कि पुलिस के खास मुखबिर से पुलिस को सूचना मिली कि राशमी थाना क्षेत्र के गांव भालोटा की खैडी में शोभालाल पुत्र मांगी लाल जाट के खेत पर गन्ना की फसल के बीच में अवैध अफीम की खेती बो रखी है। महानिरीक्षक पुलिस उदयपुर रेंज उदयपुर श्री गौरव श्रीवास्तव के निर्देश पर नशे के विरूद्ध चलाये जा रहे विशेष ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत मादक पदार्थो के भंडारण, अवैध खेती एवं परिवहनकर्ताओं के विरूद्ध अधिकाधिक कार्यवाही करने हेतु एएसपी चितौडगढ सरिता सिंह के निर्देशन तथा वृत्ताधिकारी गंगरार शिवन्या सिंह के सुपरविजन में थानाधिकारी राशमी रतन सिंह पु.नि. थाने के एएसआई देवी लाल, कानि. रमेश विश्नोई, विनोद कुमार, नानू लाल, परमेश्वर, अनील कुमार, दीपक कुमार, अर्जुन लाल, गोविन्द कुमार, सावरमल व सुमित्रा के साथ मुखबिर की सूचना अनुसार राशमी थाना क्षेत्र के गांव भालोटा की खैडी पहुंचे। जहाँ खेत पर गेंहू, चना व गन्ने की फसल बोई हुई थी, गन्ने की ऊंची फसल के बीच अवैध अफीम बोई हुई मिली। क्षेत्र के पटवारी के समक्ष खेत से अवैध अफीम के 5317 पौधे वजन 431 किलो 460 ग्राम व अफिम डोडा की चिर लगा निकाली गई अफिम 780 ग्राम को जब्त किया गया। अफिम के डोडा चिर लगाने की नुका व अफिम लुवाई करने का छरपला को मौके से जब्त किया गया। मामले में खेत मालिक 45 वर्षीय शोभालाल पुत्र मांगी लाल जाट निवासी भालोटा की खैडी पुलिस थाना राशमी को गिरफतार किया जाकर प्रकरण दर्ज किया गया। पुलिस जानकारी के अनुसार आरोपी शोभालाल जाट की करीब 20-25 बीघा उक्त कृषि भूमि सीलिंग एक्ट में चली गई थी, जिस पर वह प्रत्येक वर्ष फसल बोता आ रहा हैं। प्रारम्भिक पूछताछ में इससे पूर्व भी आरोपी ने गन्ने की फसल की आड़ में अवैध अफीम की खेती की है। वर्तमान में भी आरोपी ने गन्ने की फसल के बीच कपड़ा बांध कर अफीम बो रखी थी, जिससे उसने चिराई और लुआई भी चालू कर दी थी, जिससे उसके द्वारा एकत्रित की गई 780 ग्राम अफीम का शुद्ध दूध भी मिला।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरा नाम प्रतिज्ञा धाकड़ (PRATIGYA DHAKAD) पिता लालचंद धाकड़ है। मेरा नाम आधार कार्ड में त्रुटीवश प्रज्ञा (PRAGHYA) लिखा हुआ है किन्तु मेरा सही एवं वास्तविक नाम प्रतिज्ञा धाकड़ (PRATIGYA DHAKAD) ही है और मुझे इसी नाम से जाना एवं पहचाना जावे एवं इसी नाम का उपयोग किया जावे । मेरे समस्त दस्तावेज जैसे जन्म प्रमाण पत्र, अंकसूची, आदि में भी मेरा सही नाम प्रतिज्ञा धाकड़ (PRATIGYA DHAKAD) ही है।

भवदीय :-
प्रतिज्ञा धाकड़ पिता लालचंद धाकड़
जाति धाकड़ निवासी ग्राम बांगरोद
तहसील रतलाम जिला रतलाम म.प्र.

त्यौहार एक, तारीख दो! परंपरा पर 'मूहूर्त' का महाभारत, आज मनाएं या कल? मुहूर्त की उलझन में बंटते जा रहे हमारे त्यौहार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत में त्यौहार हमेशा से आस्था, परंपरा और उत्साह का प्रतीक रहे हैं, लेकिन बीते कुछ वर्षों में एक नई परंपरा तेजी से जन्म लेती दिख रही है—एक ही त्यौहार दो अलग-अलग दिनों में मनाने की परंपरा। अब यह तय करना कठिन हो गया है कि त्यौहार आखिर है किस दिन—आज या कल?

दरअसल, तिथि वही होती है, आस्था वही होती है, लेकिन मुहूर्त अलग-अलग निकल आते हैं। कुछ दिनों पूर्व गए होलिका दहन के मुहूर्त में कोई ज्योतिष रात 6 से 9 बजे का शुभ समय बताता है, तो कोई आधी रात 1ः30 बजे का। परिणाम यह होता है कि आधा समाज आज त्यौहार मना लेता है और बाकी आधा कल। ऐसे में सवाल उठता है कि त्यौहार की असली तारीख कौन-सी मानी जाए? होलिका दहन से लेकर शीतला सप्तमी जैसे पर्वों में यह स्थिति साफ दिखाई देती है। किसी घर में आज चूल्हा नहीं जला क्योंकि उन्होंने शीतला सप्तमी आज मना ली, तो पड़ोसी के घर कल चूल्हा नहीं जलेगा क्योंकि उनके अनुसार पर्व कल है। ऐसे में बासी भोजन की परंपरा भी दो दिन में बंटकर अपना महत्व खोती नजर आती है। धार्मिक जानकारों का कहना है कि पहले भी भद्रा काल, चंद्रग्रहण और सूर्यग्रहण जैसे खगोलीय योग आते थे, लेकिन तब त्योहारों को लेकर इतनी असमंजस की स्थिति कम ही बनती थी। आज हालात ऐसे हैं कि सोशल मीडिया पर अलग-अलग पंचांग और मुहूर्त देखकर आमजन खुद ही उलझ जाता है।

सबसे ज्यादा परेशानी आम लोगों को होती है, खासकर गरीब परिवारों को। जिनके लिए रोज का चूल्हा जलना ही बड़ी बात है, वे दो-दो दिन त्यौहार कैसे निभाएं—यह भी एक बड़ा सवाल बन जाता है।

कटाक्ष करते हुए कई लोग कहते हैं कि अगर इसी तरह चलता रहा तो शायद भविष्य में त्यौहार ÷वीकेंड ऑफर÷ की तरह तीन-चार दिन तक मनाने की सलाह भी आने लगे।

दरअसल, सवाल किसी पर आरोप लगाने का नहीं, बल्कि परंपरा को लेकर पैदा हो रही इस उलझन पर विचार करने का है। कई धर्मप्रेमियों का मानना है कि यदि जिस दिन तिथि पड़ती है उसी दिन सभी लोग त्यौहार मनाएं, तो परंपरा की एकरूपता बनी रह सकती है और समाज में भ्रम भी कम होगा।

आखिरकार, त्यौहार केवल तारीख का नहीं, बल्कि सामूहिक आस्था और उत्साह का विषय होता है। यदि वही दो हिस्सों में बंट जाए, तो उसका रंग और महत्व दोनों फीके पड़ने लगते हैं।

बेजुबान पक्षियों के लिए मिट्टी के स्कोरे ओर प्याऊ लगाना सबसे बड़ा पुण्य माना

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बदनावर गर्मी के मौसम में जरूरतमंदों परिवार को मिट्टी के मटके बेजुबान पक्षियों के लिए मिट्टी के स्कोरे ओर प्याऊ लगाना सबसे बड़ा पुण्य माना जाता है मिट्टी के मटके का पानी स्वास्थ्य की दृष्टि से अधिक सुरक्षित है यह शरीर को किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचा था यह उत्तम स्वास्थ्य के लिए वरदान है एवं अपने स्वास्थ्य की देखभाल करने का भी एक बेहतरीन तरीका है पूर्वा पारुल चौहान द्वारा गर्मी के मौसम को देखते हुए नगर के जरूरतमंद परिवार को उनके निवास स्थान पर पहुंचकर ठंडे पानी के लिए मटके दान किया परिवारजन मटके पाकर बहुत खुश हुए पूर्वा पारुल ने परिवार को समझाया कि पानी को हमेशा छान कर गर्म करके पीना चाहिए जिससे हमारा स्वास्थ्य उत्तम रहता है व हम छोटी-छोटी बीमारियों से बचकर रह सकते हैं घरों के आसपास गंदा पानी जमा नहीं होने दे गर्मी के मौसम में मच्छर अधिक पनपते हैं अधिक रहता है एवं जमा पानी पर मच्छर पनपते हैं अपने घरों को स्वच्छ रखें एवं स्वस्थ रहे इसके पुर्व भी शीतकाल के मौसम में पारुल ने जरूरतमंद परिवारों के बीच पहुंचकर ठंड से बचाव के लिए कंबल दान किए थे।

दिव्यांग बच्चों की शीघ्र पहचान एवं प्रमाण-पत्र जारी करने विकासखंड स्तरीय शिविरों का आयोजन

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में दिव्यांग बच्चों की शीघ्र पहचान, स्क्रीनिंग एवं दिव्यांगता प्रमाण-पत्र जारी करने के उद्देश्य से विकासखंड स्तर पर विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर माननीय जुवेनाइल जस्टिस कमेटी एवं मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की अनुशंसा के परिपालन में आयोजित किए जा रहे हैं। कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल के निर्देशानुसार सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा जिले में जन्म से 18 वर्ष तक के बच्चों तथा 18 वर्ष से अधिक आयु के दिव्यांगजनों की त्वरित स्क्रीनिंग की जाएगी। जिनका दिव्यांगता प्रमाण-पत्र अभी तक नहीं बना है, उनका मेडिकल बोर्ड के माध्यम से परीक्षण कर शिविर स्थल पर ही प्रमाण-पत्र बनाया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विकासखंड स्तरीय शिविरों का आयोजन 17 मार्च से 25 मार्च 2026 तक जिले की विभिन्न जनपद पंचायतों में किया जाएगा। जनपद पंचायत भगवानपुरा एवं महेश्वर में 17 मार्च, भीकनगांव एवं खरगोन में 18 मार्च, गोगांवा में 20 मार्च, कसरावद एवं झिरन्या में 24 मार्च तथा बड़वाह एवं सेगांव में 25 मार्च 2026 को शिविर आयोजित होंगे। शिविर स्थलों में शासकीय विद्यालय परिसर, जनपद पंचायत परिसर, सामुदायिक भवन एवं मांगलिक परिसर शामिल हैं। प्रशासन द्वारा ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सहायक एवं नगरीय क्षेत्र के वार्ड प्रभारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रांतर्गत पात्र दिव्यांग बच्चों एवं व्यक्तियों को निर्धारित तिथि पर शिविर स्थल तक लाना सुनिश्चित करें।

अपर मुख्य सचिव ने समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन की तैयारियों को लेकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग ली

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रबी विपणन वर्ष के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन की तैयारियों की समीक्षा के लिए अपर मुख्य सचिव, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभागसे की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का आयोजन किया गया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के इंदौर और उज्जैन संभागों के जिलों में 16 मार्च से प्रारंभ होने वाली उपार्जन संबंधी तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई ।

बैठक में बताया गया कि रबी गेहूँ उपार्जन के लिए किसानों का पंजीयन 07 फरवरी से 10 मार्च तक किया जा रहा है तथा गेहूँ का समर्थन मूल्य 2585 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। उपार्जन कार्य मध्यप्रदेश स्टेट सिविल सप्लाईज कॉर्पोरेशन (एमपीएससीएससी) के माध्यम से संचालित किया जाएगा।

अपर मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि उपार्जन कार्य को पारदर्शी एवं व्यवस्थित तरीके से संचालित किया जाए तथा पंजीकृत किसानों का सत्यापन सुनिश्चित किया जाए.बैठक में उपार्जन केन्द्रों के संचालन हेतु संस्थाओं के चयन के संबंध में भी निर्देश दिए गए। बताया गया कि जिन संस्थाओं के यहां अमानक स्तर की उपार्जन मात्रा कुल उपार्जन का एक प्रतिशत से अधिक हो, कृषक भुगतान में विलम्ब हुआ हो अथवा गंभीर अनियमितताएं पाई गई हों, उन्हें उपार्जन कार्य से दूर रखा जाएगा।

किसानों की सुविधा के लिए स्लॉट बुकिंग की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है। किसान अपनी उपज विक्रय हेतु निर्धारित पोर्टल पर स्लॉट बुकिंग कर सकेंगे। स्लॉट बुकिंग की पुष्टि एसएमएस एवं ओटीपी के माध्यम से की जाएगी तथा इसकी वैधता सात कार्य दिवस रहेगी। इसके साथ ही उपार्जन केन्द्रों पर गुणवत्ता नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए गए।

नॉन-एफएक्यू स्कंध के अपग्रेडेशन के लिए पंखा, छलना एवं ग्रेडर मशीन की उपलब्धता अनिवार्य रहेगी। गुणवत्ता परीक्षण के लिए योग्य सर्वेयरों की नियुक्ति तथा संबंधित कर्मचारियों को भारतीय खाद्य निगम के तकनीकी अमले से प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के उपरांत कलेक्टर नेहा मीना ने जिले में गेहूँ उपार्जन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि जिले में इस वर्ष किसानों का पंजीयन पिछले वर्ष की तुलना में बढ़ा है।

47 साल का इंतज़ार, फाइलों में दफन नीमच-सिंगोली-कोटा रेल लाइन, कब जागेगा रेल मंत्रालय?

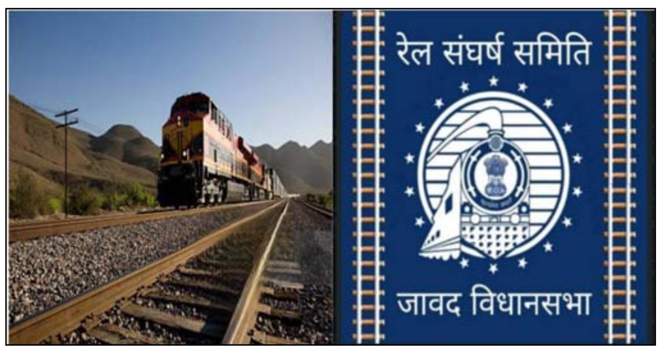

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विकसित भारत के संकल्प और आधुनिक रेल कनेक्टिविटी के दौर में भी नीमच जिले की एक बड़ी आबादी पिछले 47 वर्षों से रेल की पटरी बिछने का इंतज़ार कर रही है नीमच, जावद, डीकेन सिंगोली, कोटा रेल लाइन, जिसका सपना 1970 के दशक में देखा गया था, आज भी सरकारी फाइलों और आश्वासनों की धूल फांक रही है। ताज़ा रेल बजट से भी क्षेत्रवासियों को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन एक बार फिर उनके हाथ केवल हताशा लगी है। विकास की धुरी बन सकती है यह लाइन लगभग 140 किलोमीटर लंबी यह प्रस्तावित रेल लाइन न केवल मध्य प्रदेश और राजस्थान के बीच की दूरी कम करेगी, बल्कि औद्योगिक और व्यापारिक दृष्टि से भी गेम-चेंजर साबित होगी। प्रस्तावित मार्ग का विवरण - कुल दूरी लगभग 140 किमी. राज्यवार विस्तार, मध्य प्रदेश (65 किमी) एवं राजस्थान (75 किमी)। प्रमुख स्टेशन, नीमच, जावद, डीकेन, रतनगढ़, सिंगोली, भैंसरोड़गढ़, जवाहर सागर और कोटा। लाभान्वित क्षेत्र, 4 जिले, 6 तहसीलें और 325 से अधिक गांव। दूरी कम, फायदे अनेक - विशेषज्ञों और स्थानीय नागरिकों का मानना है कि इस लाइन के निर्माण से नीमच और कोटा के बीच की रेल दूरी लगभग 120 किमी कम हो जाएगी। इससे न केवल यात्रियों का समय बचेगा, बल्कि मालभाड़ा सस्ता होने से व्यापार को भी गति मिलेगी। वर्तमान में दिल्ली-मुंबई मार्ग पर रतलाम की ओर रेल यातायात का जो भारी दबाव है, उसे भी इस वैकल्पिक मार्ग से कम किया जा सकेगा।

सियासी दांव-पेंच में उलझा सपना - इस रेल लाइन का इतिहास उपेक्षा की कहानी बयां करता है। 1970 में राजस्थान के तत्कालीन मुख्यमंत्री द्वारा इसकी नींव रखे जाने के बाद 1993 में भी इस मुद्दे ने तूल पकड़ा था। साल 2014 के रेल बजट में तत्कालीन रेल मंत्री मल्लिकार्जुन खड़गे ने सर्वे के लिए बजट का प्रावधान भी किया था, लेकिन इसके बाद मामला फिर ठंडे बस्ते में चला गया। क्षेत्रीय नागरिकों का आरोप है कि जनप्रतिनिधियों द्वारा संसद में मजबूती से पक्ष न रखने के कारण आज भी यह योजना धरातल पर नहीं उतर पाई है।

रोजगार और पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा - क्षेत्रीय नागरिकों का कहना है कि यदि यह लाइन शुरू होती है, तो क्षेत्र के पुरातत्व और पर्यटन केंद्रों को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिलेगी। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और नीमच रेल मानचित्र पर एक प्रमुख केंद्र बनकर उभरेगा।

क्षेत्रवासियों की मांग - हम प्रशासन और केंद्र सरकार से करबद्ध निवेदन करते हैं कि दशकों से लंबित इस मांग पर तत्काल हस्तक्षेप करें। वित्तीय और निर्माण स्वीकृति प्रदान कर विकसित भारत के संकल्प को इस अंचल में भी साकार किया जाए।

निजी जमीन तक रास्ता नहीं खुला, किसान ने ज्ञापनों की माला पहनकर जनसुनवाई में लगाई न्याय की गुहार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अपनी समस्या के समाधान के लिए लंबे समय से अधिकारियों के चक्कर काट रहे एक किसान ने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में अनोखे तरीके से विरोध दर्ज कराया। कई आवेदन देने के बाद भी निराकरण नहीं होने से परेशान किसान गले में ज्ञापनों और दस्तावेजों की माला पहनकर जनसुनवाई में पहुंचा।

जानकारी के अनुसार ग्राम जीरन निवासी नरेंद्र कुमार पाटीदार गले में अपने द्वारा दिए गए आवेदनों और दस्तावेजों की माला पहनकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई। किसान का कहना है कि वह लंबे समय से अपनी निजी खाता भूमि तक आने-जाने के लिए रास्ता खुलवाने की मांग कर रहा है, लेकिन संबंधित विभाग द्वारा आज तक समस्या का समाधान नहीं किया गया।

नरेंद्र पाटीदार ने बताया कि उन्होंने इस संबंध में राजस्व विभाग में आवेदन प्रस्तुत किया था। इस मामले में तहसील जीरन के प्रकरण क्रमांक 07/1 13/24-25 में 15 सितंबर 2024 को आदेश पारित किया गया था, जिसमें राजस्व निरीक्षक जीरन को रास्ता स्वतंत्र कराने के निर्देश भी दिए गए थे। इसके बावजूद आज तक आदेश का पालन नहीं कराया गया है।

किसान का आरोप है कि शासकीय भूमि से होकर उसकी जमीन तक जाने वाला रास्ता कुछ लोगों द्वारा अवरुद्ध कर दिया गया है। रास्ता बंद होने के कारण उसे अपनी ही जमीन तक पहुंचने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खेत तक पहुंच नहीं होने से खेती-बाड़ी का काम भी प्रभावित हो रहा है। कई बार आवेदन और शिकायत करने के बाद भी सुनवाई नहीं होने से परेशान किसान ने विरोध का यह अनोखा तरीका अपनाया। गले में आवेदनों की माला पहनकर जनसुनवाई में पहुंचने का उद्देश्य प्रशासन का ध्यान अपनी समस्या की ओर आकर्षित करना था।

किसान नरेंद्र पाटीदार ने कलेक्टर से मांग की है कि संबंधित राजस्व निरीक्षक को निर्देशित कर पूर्व में पारित आदेश का तत्काल पालन कराया जाए और उसकी निजी जमीन तक जाने का रास्ता जल्द से जल्द खुलवाया जाए, ताकि उसे राहत मिल सके।

सड़क निर्माण में बड़ी लापरवाही का आरोप ! नाले के पानी निकासी की नहीं की उचित व्यवस्था, बारिश में स्कूल बन सकता है तालाब – जनसुनवाई में पहुंचा मामला

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में जारी विकास कार्यों के बीच ठेकेदार की लापरवाही का मामला सामने आया है। मंगलवार को जिला कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में ग्राम नेवड़ के ग्रामीणों ने नाले के पानी की निकासी की गंभीर समस्या को लेकर आवेदन सौंपते हुए जल्द समाधान की मांग की।

ग्रामीणों ने बताया कि नीमचङ्कसिंगोली रोड का निर्माण कार्य इन दिनों जारी है, लेकिन निर्माण कार्य में बरती जा रही लापरवाही का खामियाजा आने वाले समय में गांव के लोगों और स्कूल के बच्चों को भुगतना पड़ सकता है। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव नेवड़ में हाई सेकेंडरी स्कूल के सामने, बीएसएनएल टावर के पास नाले के पानी की निकासी के लिए पाइप तो डाल दिया गया है, लेकिन उसके आगे पानी निकलने का कोई रास्ता नहीं बनाया गया।

ग्रामीणों का कहना है कि बिना निकासी के पाइप डालना सिर्फ दिखावटी काम साबित हो सकता है। ऐसे में बारिश के दौरान नाले का पानी आगे जाने के बजाय उसी स्थान पर भराव करेगा और इसका सीधा असर स्कूल परिसर और आसपास के क्षेत्र पर पड़ेगा। हालात यह बन सकते हैं कि हाई सेकेंडरी स्कूल का पूरा क्षेत्र पानी से घिर जाए और परिसर तालाब में तब्दील हो जाए।

ग्रामीणों ने आवेदन में यह भी बताया कि हाई सेकेंडरी स्कूल में पढ़ने वाले छोटे-छोटे बच्चों को रोज इसी रास्ते से आना-जाना पड़ता है। यदि समय रहते पानी निकासी की व्यवस्था नहीं की गई तो बारिश के दिनों में बच्चों को पानी के बीच से गुजरना पड़ेगा, जिससे किसी भी बड़ी दुर्घटना की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

ग्रामीणों ने ठेकेदार की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि सड़क निर्माण के नाम पर आधा-अधूरा काम कर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ा जा रहा है। यदि समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो बरसात के मौसम में गांव और स्कूल के आसपास जलभराव की गंभीर स्थिति बन सकती है।

इस पूरे मामले को लेकर ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि मौके का निरीक्षण कर ठेकेदार को उचित और स्थायी पानी निकासी व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए जाएं, ताकि भविष्य में ग्रामीणों और स्कूली बच्चों को किसी परेशानी का सामना न करना पड़े।

नीमच में जिला स्तरीय जनसुनवाई शिविरः एसपी अंकित जायसवाल ने सुनी लोगों की समस्याएं

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन जोन के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक के निर्देश पर मंगलवार को नीमच जिले में जिला स्तरीय जनसुनवाई एवं शिकायत निवारण शिविर का आयोजन किया गया। पुलिस कंट्रोल रूम स्थित सभाकक्ष में आयोजित इस शिविर में पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल ने आम नागरिकों की समस्याएं सुनकर उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

शिविर के दौरान जनसुनवाई के साथ-साथ सीएम हेल्पलाइन शिकायत निवारण शिविर भी आयोजित किया गया। इस दौरान आवेदकों ने अपनी समस्याएं और शिकायतें सीधे एसपी अंकित जायसवाल के समक्ष रखीं। एसपी ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित थाना प्रभारियों के माध्यम से त्वरित कार्रवाई कर निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर सीएम हेल्पलाइन की लेवल-1, लेवल-2 और लेवल-3 की कुल 21 लंबित शिकायतों का संतुष्टि पूर्वक निराकरण कर उन्हें बंद किया गया। वहीं जिला स्तरीय जनसुनवाई के दौरान लगभग 25 फरियादी उपस्थित हुए, जिन्होंने अपनी समस्याएं एसपी के समक्ष रखीं। एसपी अंकित जायसवाल ने सभी मामलों में संबंधित थाना प्रभारियों को जल्द से जल्द समाधान करने के निर्देश दिए।

एसपी अंकित जायसवाल ने राजपत्रित अधिकारियों और थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि सभी आवेदनों का समयबद्ध और निष्पक्ष समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई के दौरान प्राप्त होने वाली शिकायतों, विशेष रूप से भूमि विवाद, पुलिस कार्रवाई से जुड़े मामलों और सामाजिक सुरक्षा से संबंधित समस्याओं पर गंभीरता से ध्यान देकर उनका शीघ्र निराकरण किया जाए।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लो.स्वा.यां. संधारण खण्ड नगर पालिक निगम उज्जैन

प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी संघारण खण्ड नगर पालिक निगम उज्जैन द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑन लाईन निविदाओं का आंमत्रण लोक निर्माण विभाग में 'सी' श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नानुसार नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा जारी एस.ओ.आर. दिनांक 02.08.2021 से प्रतिशत आधार, आईटम रेट आधार एवं लमसम आधार पर किया जाता हैं।

नि.स.क्रं .	प्रपत्र का प्रकार	कार्य का विवरण	कार्य की अनु लागत	प्रतिभूति राशि	ऑनलाईन निविदा प्रपत्र का मूल्य	पमयावधि	निविदा क्रय की अंतिम तिथि	दर प्रस्तुत करने की अंतिमतिथि
2026_UAD_487220_1	2.10	इंद्रानगर टंकी परिसर में ड्यूटी रूम का संधारण कार्य।	141480/–	2830/–	1000/–	01 माह	26.03.2026	26.03.2026
2026_UAD_487222_1	2.10	विभागीय टैंकरों से पेयजल हेतु ट्रेक्टर लगाये जाने का कार्य।	1817100/–	36350/–	2000/–	12 माह	06.04.2026	06.04.2026
2026_UAD_487223_1	2.10	खण्ड कार्यालय में ई–टेंण्डरिंग कक्ष का रिपेयरिंग कार्य।	130887/–	2620/–	1000/-	01 माह	26.03.2026	26.03.2026
2026_UAD_487226_1	2.10	वार्ड क्रं. 11, 13, 44 एवं 45 में बोरिंग खनन में सिंगल फेज मोटर पंप मय आवश्यक सामग्री स्थापना कार्य।	283493/–	5670/–	2000/-	01 माह	26.03.2026	26.03.2026
2026_UAD_487227_1	2.10	वार्ड क्रं. 42 में विभिनन 3 स्थानों पर सिंगल फेज मोटर पंप मय आवश्यक सामग्री स्थापना कार्य।	232638/–	4660/–	2000/-	01 माह	26.03.2026	26.03.2026
2026_UAD_487229_1	2.10	वार्ड क्रं. 54 में विभिन्न 4 स्थानों पर सिंगल फेज मोटर पंप रोट मय वाटर टैंक स्टेण्ड सहित स्थापना कार्य।	414240/–	8300/–	2000/-	01 माह	26.03.2026	26.03.2026
2026_UAD_487233_1	2.10	वार्ड क्रं 28 में अंतर्गत विभिन्न 2 स्थानों पर बोरिंग खनन का कार्य।	279509/–	5590/–	2000/-	01 माह	26.03.2026	26.03.2026
2026_UAD_487241_1	2.10	बुधवारिया टंकी क्षेत्र अंतर्गत 160 एम.एम. डाया एच.डी.पी.ई. पाईप लाईन डालने का कार्य।	132826/–	2660/–	1000/-	01 माह	26.03.2026	26.03.2026
2026_UAD_487242_1	2.10	अंबोदिया जलयंत्रालय में स्थापित 33/3.3/0.4 के.व्ही. उपकेन्द्र का संधारण कार्य।	880336/–	17650/–	2000/-	12 माह	26.03.2026	26.03.2026
2026_UAD_487245_1	2.10	गंभीर इंटेकवेल में स्थापित 33/6.6 के.व्ही. उपकेन्द्र का संधारण कार्य।	485336/–	9710/–	2000/-	12 माह	26.03.2026	26.03.2026

निविदा संबंधित अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा सूचना की जानकारी वेब साईट https://mptenders.gov.in पर ऑनलाईन दर्शाई गई हैं।

कार्यपालन यंत्री
लो.स्वा.यां. संधा. खण्ड न.पा.नि. उज्जैन

आयुक्त
नगर पालिक निगम उज्जैन

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

उज्जैन-इंदौर ग्रीन फील्ड कॉरिडोर का काम जल्द होगा शुरू

मुख्यमंत्री ने कहा- किसानों की सहमति से बनेगा मार्ग, उज्जैन के 6 और इंदौर के 20 गांवों को मिलेगा सीधा लाभ

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ मेले को ध्यान में रखते हुए राज्य शासन द्वारा कई नई सड़कों का निर्माण कराया जा रहा है। इन्हीं परियोजनाओं में उज्जैन-इंदौर फोरलेन ग्रीन फील्ड कॉरिडोर भी शामिल है, जिसका काम अब जल्द शुरू होने जा रहा है। पहले इस मार्ग को जमीन से करीब तीन मीटर ऊंचा बनाने की योजना थी, लेकिन किसानों की मांग को देखते हुए अब इसे जमीन की सतह से ही बनाने का निर्णय लिया गया है।

दरअसल, हाल ही में किसानों के संगठनों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर इस संबंध में अपनी चिंता जताई थी। इसके बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किसानों को भरोसा दिलाया कि परियोजना के लिए उनकी जमीन ली जाएगी तो उन्हें उचित मुआवजा दिया जाएगा और उनकी समस्याओं का पूरा ध्यान रखा जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि करीब तीन हजार करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली यह सड़क उज्जैन और इंदौर के बीच कनेक्टिविटी को काफी तेज बनाएगी। अभी दोनों शहरों के बीच यात्रा में करीब सवा घंटा लगता है, लेकिन इस मार्ग के बनने के बाद यह दूरी लगभग आधे घंटे में तय की जा सकेगी। इससे क्षेत्र के आर्थिक और औद्योगिक विकास को भी गति मिलेगी।

इस ग्रीन फील्ड कॉरिडोर से उज्जैन के 6 और इंदौर के 20 गांवों के लोग सीधे लाभान्वित होंगे। स्थानीय स्तर पर उद्योग, लॉजिस्टिक पार्क और व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। किसानों को अपनी उपज मंडियों तक पहुंचाने में आसानी होगी, वहीं व्यापारियों और उद्योगों को भी बेहतर परिवहन सुविधा मिल सकेगी।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से उज्जैन और इंदौर का हमेशा से घनिष्ठ संबंध रहा है। ऐसे में दोनों शहरों के बीच तेज और सुविधाजनक मार्ग बनने से क्षेत्र के विकास को नई दिशा मिलेगी। सिंहस्थ जैसे बड़े आयोजन के दौरान भी यह मार्ग यात्रियों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री किसानों की समस्याओं और उनकी पीड़ा को भली-भांति समझते हैं। किसानों के सुझावों को ध्यान में रखते हुए ही इस परियोजना में बदलाव किया गया है। उन्होंने बताया कि परियोजना के अंतर्गत किसानों को अब 816 करोड़ रुपये से अधिक की मुआवजा राशि वितरित की जाएगी।

महाकालेश्वर की भस्म आरती में शामिल हुईं अभिनेत्री कनिका मान

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकालेश्वर मंदिर में मंगलवार सुबह होने वाली भस्म आरती के दौरान टीवी अभिनेत्री कनिका मान ने भगवान महाकाल के दर्शन कर विधिवत पूजन-अर्चन किया। मंदिर में दर्शन के दौरान अभिनेत्री कनिका मान ने गर्भगृह के बाहर नंदी हाल से भगवान महाकाल के दर्शन किए और भस्म आरती की अलौकिक एवं दिव्य परंपरा का अनुभव किया। उन्होंने कहा कि महाकाल की नगरी उज्जैन आकर उन्हें आध्यात्मिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा की अनुभूति हुई। मंदिर प्रशासन के अनुसार प्रतिदिन प्रातःकालीन भस्म आरती में देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। दर्शन के पश्चात उन्होंने मंदिर परिसर में कुछ समय व्यतीत किया और मंदिर की प्राचीन परंपराओं के बारे में जानकारी भी प्राप्त की। मंदिर समिति की ओर से उनका सम्मान किया गया।

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी ने किए बाबा महाकाल के दर्शन

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकालेश्वर मंदिर में मंगलवार को अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी महाराज पहुंचे और उन्होंने भगवान महाकाल के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। उन्होंने मंदिर में विधि-विधान से भगवान महाकाल का पूजन करते हुए देश, प्रदेश और समाज की सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की। मंदिर पहुंचने पर महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से महंत रविंद्र पुरी महाराज का स्वागत एवं सत्कार किया गया। इस दौरान मंदिर के सहायक प्रशासक और अन्य अधिकारियों ने उन्हें बाबा महाकाल की तस्वीर एवं प्रसाद भेंट कर सम्मानित किया। दर्शन के बाद महंत रविंद्र पुरी महाराज ने कहा कि उज्जैन स्थित श्री महाकालेश्वर मंदिर देश के प्रमुख ज्योतिर्लिंगों में से एक है और यहां आकर दर्शन करना अत्यंत सौभाग्य की बात है। भगवान महाकाल की कृपा से देश और समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इस अवसर पर मंदिर प्रशासन के अधिकारी, पुजारी तथा श्रद्धालु भी मौजूद रहे।

मनोविकास विशेष शिक्षा महाविद्यालय में महिला सशक्तिकरण का संदेश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मनोविकास विशेष शिक्षा महाविद्यालय, उज्जैन ने पंजाबी महिला विकास समिति के सहयोग से 9 मार्च को अपने परिसर में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में महिलाओं की शक्ति, समर्पण और योगदान को सम्मानित करना था। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जो ज्ञान और सकारात्मकता का प्रतीक है। इसके बाद सांकेतिक भाषा (साइन लैंग्वेज) में प्रार्थना प्रस्तुत की गई, जिसने दिव्यांगजनों के प्रति संस्थान की समावेशी सोच और सम्मान को दर्शाया। इस विशेष अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली 40 विशिष्ट महिलाओं को सम्मानित किया गया। सम्मान तीन प्रतिष्ठित श्रेणियों के अंतर्गत प्रदान किए गए। इंस्पिरेशनल लीडर अवॉर्ड, लाइफटाइम डेडिकेशन अवॉर्ड, द केयरिंग हार्ट अवॉर्ड। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. नीता तपन, इंचार्ज, आईक्यूएसी सेल, शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, उज्जैन तथा डॉ. निखत परवीन, विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग, शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय उज्जैन उपस्थित रहीं। इसके साथ ही पंजाबी महिला विकास समिति की सदस्य श्रीमती सीमा छाबड़ा (संरक्षक), श्रीमती शुभ्रा जुल्का (अध्यक्ष) और श्रीमती रितु टंडन (सचिव) भी कार्यक्रम में शामिल हुईं। कार्यक्रम में डॉ. कामिनी यादव एवं श्रीमती अनामिका वर्मा (अतिथि व्याख्याता संगीत विभाग) भी उपस्थित थी जिन्होंने अपनी शारीरिक सीमाओं के बावजूद अपनी प्रतिभा एवं हौसलों से समाज को प्रेरित किया। सभी अतिथियों ने समाज में प्रेरणा देने वाली महिलाओं को सम्मानित करने की इस पहल की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों और सम्मानित महिलाओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया। इस आयोजन ने महिलाओं के सशक्तिकरण और समाज के निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर किया। यह कार्यक्रम संस्थान के निदेशक फादर टॉम जॉर्ज और शैक्षणिक निदेशिका डॉ. प्रेम छाबड़ा के मार्गदर्शन मं आयोजित किया गया। कार्यक्रम का सन्वय श्रीमती हेमांगी पाराशर ने किया, श्री गोविंद छापरवाल ने संचालन करते हुए कार्यक्रम का समापन सभी महिलाओं को हार्दिक शुभकामनाओं के साथ किया।

युवक को आयशर ने कुचला, चालक की तलाश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। ससुराल से लौट रहे युवक को रास्ते में आयशर ने कुचल दिया। गंभीर घायल होने पर युवक को शासकीय अस्पताल लाया गया। परिजन हालत गंभीर होने पर निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। लेकिन युवक की जान नहीं बच पाई। पुलिस सीसीटीवी कैमरों की मदद से चालक की तलाश कर रही है। चंद्रावतीगंज क्षेत्र का रहने वाला बबलू पिता बगदीराम 30 वर्ष सोमवार को बाइक से अपने ससुराल नागदा के समीप वीराखेड़ी गांव गया था। जहां से वापस लौटते समय उसे ग्राम सवार बबलू गंभीर रूप से घायल हो गया। लोगों की सूचना पर एम्बुलेंस पहुंची और घायल को शासकीय चरक अस्पताल लाया गया। उसके पास मिले मोबाइल और दस्तावेजों से परिजनों को दुर्घटना में घायल होने की हालत गंभीर थी। उसे तत्काल निजी अस्पताल ले जाया गया। लेकिन रात में बबलू की धड़कन थम गई। पुलिस ने मर्ग कायम किया है। पोस्टमार्टम के बाद परिजन शव चंद्रावतीगंज अंतिम संस्कार के लिए ले गए हैं। पुलिस दुर्घटना के बाद मौके से आयशर लेकर भागे चालक की तलाश कर रही है।

बाइक ओवरटेक करने के विवाद में मारे चाकू

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बाइक से घर लौट रहे युवक का रास्ते में ओव्हर टेक करने पर चार युवकों से कहासुनी हो गई। चारों ने युवक का पीछा किया और उसके भाई के ढाबे तक पहुंच गए। जहां चारों ने युवक को चाकू मार दिए और बीच बचाव करने आए भाई के साथ भी मारपीट की। ताजपुर के ग्राम जम्बुरा में रहने वाला बालेश्वर पिता तेजाराम परमार 24 वर्ष उज्जैन में बिस्लरी की गाड़ी चलाता है।

रात में वह काम खत्म होने पर गाड़ी खड़ी करने के बाद बाइक से अपने गांव लौट रहा था। जम्बुरा और ताजपुर के बीच उसे तेज गति से आए बाइक सवार चार युवकों ने ओव्हर टेक किया। जिसके चलते सुवारपारकओव्हर टेक किया। जिन्हें गाड़ी देखकर चलाने के लिए कहा। इस दौरान उनके बीच कहासुनी हो गई। बालेश्वर बाइक लेकर रवाना हो गया और रास्ते में अपने भाई के ढाबे देवनखेड़ी पहुंचा। बाइक सवार चारों युवक भी उसके पीछे पहुंच गए और चाकू से हमला कर दिया। बीच बचाव में बालेश्वर का भाई आया तो उसके साथ भी मारपीट कर भाग निकले। भाई ने मामले की सूचना पुलिस को दी। घायल बालेश्वर को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चाकू मारने वाले युवक अज्ञात हैं। पुलिस उनका पता लगाने के लिए मार्ग पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देख रही है।

पत्नी पुलिस लेकर आई, पति ने लगा ली फांसी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शराबी पति द्वारा रात में पत्नी बच्चों के साथ मारपीट की जा रही थी। पति की प्रताड़ना से तंग पत्नी पुलिस बुलाने चली गई। कुछ देर बाद वापस लौटी तो पति फांसी के फंदे पर लटका मिला। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर नीचे उतारा।

संजय नगर में रहने वाला राहुल पिता राजेश तिवारी 34 वर्ष हम्माली करता था और शराब पीने का आदी था। देर रात वह शराब के नशे में घर पहुंचा और पत्नी कोमल से विवाद करने लगा। उसने बच्चों से भी मारपीट की। घर में विवाद होता देख राहुल के पिता ने बहू कोमल से कहा कि पुलिस को शिकायत कर दे। कोमल बच्चों के साथ शिकायत दर्ज कराने थाने पहुंची जहां से डायल-112 के साथ घर लौटी। विवाद करने वाले पति ने दरवाजा बंद कर लिया था। काफी देर तक नहीं खुलने पर पुलिस ने दरवाजा तोड़ा तो राहुल साड़ी के फंदे से लटका दिखा।

उसे तत्काल नीचे उतारा और अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मंगलवार सुबह पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया है।

नवविवाहिता ने खाया जहरीला पदार्थ, मौत- ग्राम रलायता भोजा में रहने वाले नगर निगम कर्मी भगवानसिंह की 22 वर्षीय पुत्री पूजा ने जहरीला पदार्थ खा लिया। उसे उपचार के लिए अस्पताल लाया गया लेकिन मौत हो गई। भैरवगढ़ थाना पुलिस ने बताया कि मामले में मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया गया। इस दौरान सामने आया कि पूजा का सालभर पहले ही विवाह हुआ था। वह शादी के 7-8 माह बाद ही मायके में रहने आ गई थी। फिलहाल जहर खाने की वजह सामने नहीं आई है। परिजनों के बयान दर्ज किए जाएंगे।

युवक ने खाया जहर- देवासगेट थाना क्षेत्र के सरदारपुरा में रहने वाले पारस पिता देवीराम 30 वर्ष ने सोमवार शाम जहर खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे चरक अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने उपचार के लिए भर्ती कर मामले की सूचना पुलिस को दी। पारस की हालत में सुधार होने पर पुलिस द्वारा बयान दर्ज किए जाएंगे। फिलहाल जहर खाने का कारण परिजन भी स्पष्ट नहीं कर पाए हैं।

उज्जैन स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 8 से शुरू हुआ ट्रेनों का संचालन

यार्ड रिमॉडलिंग के बाद नागदा एंड से जुड़ा नया प्लेटफार्म

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अब प्लेटफार्म नंबर 8 से भी लंबी दूरी की ट्रेनों का संचालन शुरू कर दिया गया है। यार्ड में रिमॉडलिंग का कार्य पूरा होने के बाद प्लेटफार्म नंबर 7 और 8 को नागदा एंड से जोड़ दिया गया है, जिससे अब यहां से भी ट्रेनों की आवाजाही संभव हो गई है। अब तक स्टेशन पर प्लेटफार्म नंबर एक से लेकर छह तक का ही उपयोग यात्री और मालगाडियों के संचालन के लिए किया जाता था। लेकिन नए प्लेटफार्म के जुडने से स्टेशन की संचालन क्षमता में वृद्धि हुई है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार आने वाले दिनों में प्लेटफार्म नंबर 8 से गुजरने और रुकने वाली ट्रेनों की संख्या में और बढ़ोतरी की जाएगी। फिलहाल प्लेटफार्म नंबर 8 से अवंतिका एक्सप्रेस, इंदौर-पुणे एक्सप्रेस, इंदौर-उदयपुर ट्रेन और हजरत निजामुद्दीन एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनों का संचालन शुरू कर दिया गया है। इससे यात्रियों को प्लेटफार्म पर भीड़भाड़ से राहत मिलेगी और ट्रेनों के संचालन में भी आसानी होगी। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि स्टेशन के विस्तार और यार्ड रिमॉडलिंग का यह कार्य आगामी सिंहस्थ 2028 को ध्यान में रखते हुए किया गया है। सिंहस्थ के दौरान लाखों श्रद्धालुओं के उज्जैन आने की संभावना रहती है, ऐसे में सभी प्लेटफार्म से ट्रेनों का संचालन होने से यात्रियों को बेहतर सुविधा मिल सकेगी और ट्रेनों की आवाजाही भी सुचारु रूप से हो पाएगी।

इन ट्रेनों का हो रहा संचालन

-अवंतिका एक्सप्रेस
-इंदौर-पुणे एक्सप्रेस
-इंदौर-उदयपुर ट्रेन
-हजरत निजामुद्दीन एक्सप्रेस तथा अन्य

शीतला माता मंदिरों में पूजन के लिए तड़के से लगी महिलाओं की कतारें

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मंगलवार को शीतला सप्तमी के अवसर पर तड़के से ही नगर के विभिन्न शीतला माता मंदिरों में पट खोल दिए और पूजन के लिए महिलाओं की लंबी कतार नजर आने लगी थी। इस दिन घरों में ठंडा भोजन करने की मान्यता है और शीतला माता के पूजन से सुख सौभाग्य और समृध्दि की प्राप्ति होती है।

शीतला माता मंदिरों में सोमवार -मंगलवार की आधी रात से ही महिलाओं की भीड़ उमडने़ लगी थी। सुबह अधिकांश मंदिरों में महिलाओं की लंबी कतारें नजर आई। सुबह 4 बजे से ही महिलाएँ स्नान करने के बाद मंदिरों में शीतला माता का पूजन अर्चन करने पहुँच रही थी। कुशलपुरा स्थित शीतला माता मंदिर में पूजन के लिए तड़के से ही महिलाओं की भीड़ उमड़ने लगी थी और यहां दोपहर तक कतार नजर आ रही थी। इधर मालीपुरा बड़ला बाखल स्थित शीतला माता मंदिर में भी सैंकड़ों की संख्या मे पूजन के लिए महिलाओं की भीड़ उमड़ रही थी। यहां शीतला सप्तमी के अवसर पर देवी के मंदिर को आकर्षक रूप से सजाया गया था। इसके अलावा खाराकुआं थाने के सामने स्थित शीतला माता मंदिर पर मंगलवार सुबह महिला मंडल द्वारा ठंडे व्यंजनों का महाभोग लगाकर पूजन अर्चन किया गया। यह मंदिर अति प्राचीन है। अन्य माता मंदिरों में भी महिलाएं सुबह से पूजन के लिए पहुंच रही थी और देवी को देर रात तैयार किए गए पकवानों का भोग लगाया जा रहा था। मान्यता है कि शीतला सप्तमी के दिन घरों में एक दिन पहले तैयार किया गया ठंडा भोजन ही प्रसादी के रूप में ग्रहण किया जाता है। और महिलाओं द्वारा पूजन से सौभाग्य की प्राप्ति तथा पूरे वर्ष परिवार में ज्वर तथा संक्रमित जनित बीमारियों से रक्षा करती है।

आज दोपहर बाद निकालेगी यादें माता की शोभायात्रा- श्री यादें माता चौरासी संघ के अध्यक्ष अशोक प्रजापत ने बताया कि शीतला सप्तमी महापर्व के अवसर पर बुधवार को शाम 3ः30 बजे महाकाल मंदिर से यादें माता की भव्य शोभायात्रा प्रारंभ होगी। शोभायात्रा महाकाल मंदिर से निकलकर 24 खंबा माता, गुदरी चौराहा, पानदरी बाग, कार्तिक चौक मोड़ स्थित धर्मशाला सहित शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए रामघाट स्थित श्री यादें माता धर्मशाला पहुंचेगी। जिसमें मातृ शक्ति और समाजजन बड़ी संख्या में शामिल होंगे। कार्यक्रम के दौरान प्रजापति चौरासी संघ द्वारा समाज की मातृ शक्तियों और वरिष्ठ समाजसेवियों का सम्मान भी किया जाएगा।

उत्तरी हवाओं से दिन-रात का पारा उछला, मौसम में फिर दिखा उतार-चढ़ाव

अधिकतम तापमान 37 डिग्री दर्ज, अगले कुछ दिनों में 38-39 डिग्री तक पहुंचने के आसार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में मौसम का मिजाज इन दिनों लगातार बदलता हुआ नजर आ रहा है। दिन और रात के तापमान में एक बार फिर उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। उत्तरी हवाओं के असर के कारण शनिवार को दिन के तापमान में हल्की गिरावट दर्ज की गई, जबकि रात के तापमान में बढ़ोतरी देखी गई। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि हवाओं की दिशा बदलने के कारण यह परिवर्तन हुआ है और आने वाले दिनों में तापमान में फिर तेजी देखने को मिल सकती है।

मौसम केंद्र स्थित वेधशाला के अनुसार शनिवार को शहर का अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह सामान्य से करीब 5 डिग्री अधिक रहा, हालांकि शुक्रवार की तुलना में इसमें 0.6 डिग्री की कमी आई है। वहीं रात से सुबह के बीच न्यूनतम तापमान 15 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य के आसपास रहा लेकिन पिछले दिन की तुलना में 0.3 डिग्री अधिक रहा।

मौसम विशेषज्ञों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से पश्चिमी हवाएं चलने के कारण तापमान लगातार बढ़ रहा था। शनिवार को हवाओं की दिशा बदलकर उत्तरी होने से तापमान में हल्की गिरावट देखने को मिली। हालांकि यह स्थिति ज्यादा समय तक नहीं रहेगी और अगले कुछ दिनों में फिर से गर्मी बढ़ने की संभावना है।

अगले हफ्ते तक मिल सकती है राहत- मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक रविवार से तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी शुरू होगी और अगले कुछ दिनों में अधिकतम तापमान 38 से 39 डिग्री तक पहुंच सकता है। इसके बाद एक बार फिर तापमान में थोड़ी कमी देखने को मिल सकती है। यह स्थिति करीब 8 से 10 दिनों तक बनी रह सकती है। मौसम विभाग का अनुमान है कि मार्च के आखिरी दिनों में गर्मी का असर और तेज हो सकता है।

इस बदलते मौसम के कारण दिन में गर्मी और रात में हल्की ठंडक का असर लोगों को महसूस हो रहा है। विशेषज्ञों ने लोगों को बदलते मौसम में सावधानी बरतने और स्वास्थ्य का ध्यान रखने की सलाह दी है।

सिंहस्थ के अंतर्गत प्रगतिरत निर्माण कार्यों में संबंधित अधिकारी प्रतिदिन मॉनिटरिंग कर अपडेट जानकारी रखें- कलेक्टर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह द्वारा मंगलवार को सिंहस्थङ्क2028 के अंतर्गत संचालित विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक ली। कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में उपस्थित निर्माण कार्य करने वाले विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि होली पर्व संपन्न होने के बाद कार्य की प्रगति में तेजी लाएं और गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखें। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि निर्माण कार्य स्थल पर अधिकारी स्वयं उपस्थित रहकर मॉनिटरिंग करें और अपडेट जानकारी रखें। कलेक्टर श्री सिंह ने सिंहस्थ महापर्व के लिए प्रचलित कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। सिंहस्थ मेला कार्यालय में मंगलवार को आयोजित बैठक में कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत प्रचलित कार्यों में सीवेज पाईप लाईन डालने के कार्यों की जानकारी ली। बैठक में बताया गया कि अलग-अलग जोन के अंतर्गत सीवेज पाईप लाईन डालने का कार्य प्रगतिरत है। बैठक में कोयला फाटक से कंठाल चौराहा तक मार्ग चौडीकरण कार्य की प्रगति की जानकारी दी गई। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि मार्ग चौडीकरण कार्य के दौरान अलग-अलग टीम के माध्यम से नाली कार्य, पोल का काम, पानी की पाईप लाईन डालने का काम किया जाए। जिससे कार्य में तेजी लाई जा सके। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्माण कार्य कराने वाले संबंधित विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट रूप से कहा कि जो ठेकेदार धीमी गति से कार्य कर रहे है यदि वे हिदायत के बाद भी सुधार नहीं करते है तो संबंधित ठेकेदार पर कार्यवाही करें। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि संबंधित विभाग के अधिकारी मौके पर उपस्थित रहकर मॉनीटरिंग करने के साथ यह भी देखे कि कितने प्रतिशत नाली निर्माण कार्य , पाइप लाईन डालने का कार्य और कितने पोल लगाने का कार्य किया गया है। प्रतिदिन की जानकारी को अपडेट किया जाए। निर्माण कार्य स्थल पर अधिकारी उपस्थित रहकर निर्माण कार्य की गुणवत्ता और कार्य की प्रगति देखें। बैठक में नगर निगम के माध्यम से निर्माणाधीन मार्ग निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी दी गई।

महामंडलेश्वर को झूठे रेप केस में फंसाने की साजिश पर संतों का आक्रोश

अखाड़ा परिषद अध्यक्ष रविंद्र पुरी के नेतृत्व में संतों का प्रतिनिधिमंडल एसपी से मिला, आरोपियों की गिरफ्तारी और जिलाबदर करने की मांग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। चारधाम मंदिर के पीठाधीश्वर एवं निरंजन अखाड़ा के महामंडलेश्वर स्वामी शांतिस्वरूपानंद गिरी के खिलाफ कथित झूठे षड्यंत्र के मामले को लेकर साधु-संतों में गहरा आक्रोश देखने को मिल रहा है। संतों ने इस साजिश में शामिल आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी के साथ ही उनके खिलाफ जिलाबदर की कार्रवाई करने की मांग उठाई है।

मंगलवार को अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रविंद्र पुरी महाराज के नेतृत्व में संतों का एक प्रतिनिधिमंडल एसपी बंगले पहुंचा और पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि इस पूरे षड्यंत्र में शामिल आरोपियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति संत समाज को झूठे मामलों में फंसाने की हिम्मत न कर सके।

संतों ने पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना भी की और कहा कि पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की है, जो सराहनीय है।

दरअसल, बनारस की एक महिला के माध्यम से महामंडलेश्वर स्वामी शांतिस्वरूपानंद गिरी को झूठे दुष्कर्म प्रकरण में फंसाने की साजिश का खुलासा होने के बाद संत समाज में भारी नाराजगी है। इस मामले में थाना महाकाल पुलिस ने आरोपी घनश्याम पटेल, ममता जोशी उर्फ मंदाकिनी पुरी सहित एक अन्य के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। अखाड़ा परिषद अध्यक्ष रविंद्र पुरी महाराज ने कहा कि इस तरह के षड्यंत्र संत समाज को बदनाम करने की सुनियोजित कोशिश हैं। ऐसे तत्वों के आपराधिक रिकॉर्ड की जांच कर उनके खिलाफ जिलाबदर जैसी कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि संतों के बीच भय का वातावरण समाप्त हो और भविष्य में कोई भी इस तरह की हरकत न कर सके।

उन्होंने यह भी आशंका जताई कि देश के कई राज्यों में सनातन धर्म और संत समाज को बदनाम करने के लिए संगठित गिरोह सक्रिय हैं, जो महिलाओं को मोहरा बनाकर संतों की छवि खराब करने का प्रयास करते हैं। ऐसे मामलों में कठोर कार्रवाई बेहद जरूरी है।

संतों के प्रतिनिधिमंडल ने यह भी बताया कि इस पूरे प्रकरण को लेकर वे जल्द ही मुख्यमंत्री मोहन यादव से भी मुलाकात कर विस्तृत जानकारी देंगे और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करेंगे।

एसपी से मुलाकात के दौरान भर्तृहरि गुफा के गादीपति पीर महंत रामनाथ, महामंडलेश्वर स्वामी शांतिस्वरूपानंद गिरी, महामंडलेश्वर स्वामी सुमनानंद गिरी, जूना अखाड़ा के राष्ट्रीय सचिव महंत रामेश्वर गिरी, महानिर्वाणी अखाड़ा के महंत श्याम गिरी (राधे-राधे बाबा), सुरेश्वरानंद पुरी, दत्त अखाड़ा के महंत आनंद पुरी, समुद्र गिरी, अग्नि अखाड़ा के महंत कृष्णानंद ब्रह्मचारी, सोअहम आश्रम के महंत विवेकानंद, सत्यागिरी सहित कई संत-महंत मौजूद रहे।

पीएम राहत योजना एवं राहवीर योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। राहवीर योजना एवं पीएम राहत योजना (सडक दुर्घटना पीडित के लिए नकदीरहित उपचार योजना) के सफल क्रियान?वयन के लिए निजी अस्पताल प्रबंधकों के लिए जिला स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन 09 मार्च का श्रीमान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला उज्जैन डॉ. अशोक कुमार पटेल के निर्देशन में कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला उज्जैन में किया गया।

प्रशिक्षण डॉ. सुनीता परमार जिला महामारी नियंत्रण अधिकारी, श्री विपिन महावर डी आई ओ., डॉ. शिव मेन्या नोडल अधिकारी पी.एम. राहत एवं राहवीर योजना, श्री सन्नी यादव डी आई एम, श्री लालसिंह राठौड़ आयुष्मान कोआर्डिनेटर के द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण में अलग-अलग निजी अस्पतालों के 30 प्रतिनिधियों को राहवीर योजना के तहत गोल्डन आर में दुर्घटना पीड़ितों को नजदीकी अस्पताल में पहुंचाने वाले व्यक्ति व?यक्तियों को राहवीर नामांकित करने की प्रक्रिया को विस्तृत रुप से समझाया गया। साथ ही पीएम राहत योजना के तहत दुर्घटना पीड़ितों को उपचार प्रदान करने के दौरान योजना के अंतर्गत ट्रांसैक्शन मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से उपचार राशि के लिये दुर्घटना पीड़ितों का पंजीयन करना तथा योजना से जुड़े समस्त नियमों की विस्तृत जानकारी दी गई।